

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 25, 1976 (आश्विन 3, 1898) सं 0 3 9]

No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 25, 1976 (ASVINA 3, 1898)

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥ खण्ड 1

PART III-SECTION!

उच्च न्यायालयों, नियंद्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिली-110011, दिनांक 23 श्रगस्त 1976

सं० पी०/1876 प्रशासन I-महाराष्ट्र सरकार से स्थाना-न्तरित होने पर भा० प्र० से० की श्रधिकारी श्रामती रानीजाधव ने 11 श्रगस्त, 1976 के पूर्वाह्म से संघ लोक सेवा श्रायोग में सबर सचिव के पद पर कार्यभार संभाल लिया।

> ग्र०ना० कोलहग्रकर भ्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक भ्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग) प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 ग्रगस्त 1976

सं० 25/4/76--प्रवंतन निदेशालय के निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन अधिकारी के पद पर उनके हारा अपने-1-256जीआई/76

श्रपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से श्रगले श्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनकें कार्य के स्थान और पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई है।

नाम	कार्य का स्थान	कार्यभार करने क	ग्रहण ो तारी ख
सर्वेश्री			
1. एस० एल० जे० गेलॉट	बम्बई	29-7-76	(पूर्वाह्म)
2. एस० एल० हलदर	वाराणसी	26-7-76	(ग्रपराह्न)
3. गोकल चन्द	जयपुर	19-7-76	(पूर्वाह्न)
4. जी०एस०सूद	कलकत्ता	17-7-76	(पूर्वाह्न)
सहदेव गुप्ता	जालंधर	19-7-76	(पूर्वाह्न)
6. श्रार० के० एस० निम	जालंधर	1 2-7-76	(पूर्वाह्न)

जे० एन० ग्ररोडा उप-निदेशक (प्रशासन)

(8327)

गृह मंद्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीयः, रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं० घ्रो० 11~31/76-स्थापना—इस महानिदेशालय के सम संख्या प्रधिसूचना दिनांक 24-7-76 के पैरा 2 को इस प्रकार संशोधित किया जाये:—

श्री त्रिवेदी ने पुलिस महानिरिक्षक सेक्टर-II केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, कलकत्ता के कार्यालय उप-पुलिस महानिरिक्षक के पद का कार्याभार 7-7-76 (पूर्वाह्म) को संभाल लिया।

दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० ए० छ०-9/76-स्थापना---श्री श्रार० एन० श्रग्रवाल कार्या-त्रय श्रधिक्षक केन्द्रीय रिर्जव पुलिस दल की पदोन्नति तदर्थ रूप अनु-भाग श्रधिकारी महिनिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली में 31-7-1976 (पूर्वाह्म) से की जाती है।

सं० श्रो० दो० 236/69-स्थापना—श्री बूर सिंह, उप-पुलिस श्रधिक्षक (कम्पनी कमांडर) 36 वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल को 89 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी समाप्त होने पर सरकारी सेवा से 5-11-1976 (श्रपराह्न) से निवृत्त समझा जायेगा।

दिनांक 6 सितम्बर 1976

सं० ग्रो० II-1040/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिर्जिव पुलिस दल डाक्टर चौधरी केशोरोद चन्द्रा दास का तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कानिष्ट चिकित्सा श्रिधिकारी के पद पर उनको 21-8-76 (पूर्वाह्म) से नियुक्ति करते हैं।

सं० ग्रो० II-906/73-स्थापना—-राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी सरोज कुमार मोहामातरा 12 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्न दिनांक 2-7-76 श्रपराह्न से स्वीकृत कर लिया ।

दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० श्रो० II -972/74-स्थापना — राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी कैलाश चन्द्रा पाणजा 40 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्न दिनांक 17-6-76 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ग्रो० दो० 975/72 स्थापना—श्वी नावल सिंह, उप पुलिस श्रिधिकक (कम्पनी कमांडर) 22 वां बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल को 89 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी समाप्त होने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से 3-8-1976 (ग्रपराह्न) से निवृत्त समझा जाय।

दिनांक 9 सितम्बर 1976

सं० टी० नौ०-9/76-स्थापना—-राष्ट्रपति, सूबेदार वासदेव भनोट को उनकी पदोन्नति पर ग्रस्थायी रूप में श्रत्पकालीन-रिक्ति के स्थान पर ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक उप-पुलिस ग्रधिक्षक (क्वार्ट्रर मास्टर/कम्पनी कमांडर) के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में 29-7-1976 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. वे पहली सिग्नल वाहिनी में तैनात किये जाते हैं तथा उन्होंने श्रपने पद का कार्यभार उसी तारीख से ग्रहण कर लिया है।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 सितम्बर 1976

सं० 11/10/76-प्रशा०-एक—इस कार्यालय की श्रधिसूचना सं० पी०/के० (1)-प्रशा० एक तारीख 28 फरवरी, 1976 के श्रनुकम में राष्ट्रपति, श्री एच० एस० क्यान्ना को पंजाब में जनगणना कार्य के उप निदेशक के पद पर पुनर्नियोजन को तारीख 1 सितम्बर 1976 से छः महीने की श्रौर श्रवधि के लिए सहर्ष बढाते हैं।

सं० 11/10/76-प्रशा०-एक—-राष्ट्रपति, श्री जगदीश सिंह सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी)को दिल्ली में जनगणना कार्य निदशक के कार्यालय में तारीख 28 ग्रगस्त 1976 के पूर्वाह्म से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक तदर्थ ग्राधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जगदीश सिंह का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

बद्री नाथ भारत के उप महापंजीकार ग्रीर पवेन उप-सचिव।

वित मंत्रालय

(म्रर्थं कार्यं विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड नासिक, दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० 779/ए०—श्री एस० टी० पवार, निम्नांकित श्रधिकारी को पदार्थ पत्न मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपित्रत पद) उप नियंत्रण श्रधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी र-650-30-740-35-810-ई० बी० 35-880 -40-1000-ई० बी० 40-1200 में श्री एस० व्ही० चांदवडकर उप नियंत्रण श्रधिकारी के छुट्टी में दिनांक 3 सितम्बर 1976 से नियुक्त किया जाता है।

सं० 780/ए०—निम्नांकित नियंत्रण निरीक्षकों की (वर्गIII प्रराजपित्रत) भारत प्रतिभूत मुद्रणालय एतद् द्वारा उप नियंत्रक ग्रिधकारियों के रुप में (वर्ग II राजपित्रत पद) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में रु० 650-30-740-35-810-ई० बी० 35-880 40-1000 ई० बी० 40-1200 के सुधारीत वेतन मान में 2 सितम्बर 1976 से नियुक्तियां की गई हैं।

- (1) श्रीजे० एच० सथ्यद
- (2) श्री श्रार० व्यंकटरमन्

ना० राममूर्ति ज्येष्ठ उप महाप्रबंधक, भारत प्रतिभृति मुद्रणालय भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-1, दिनांक 26 ग्रगस्त 1976

सं० एडमन-I /5-5/प्रमोगन/76-77/1543—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने श्री कें० बी० माथुर इस कार्यालय के स्थाई अनुभागाधिकारी को समय वेतनमान् में २० 840-1200 में दिनांक 24-8-76(पूर्वाह्न)से लेखाधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु नियुक्त किया है।

सं० प्रशासन-I/5-5 पदोन्नित/76-77/1531— श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली इस कार्यालय के स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री एन० के० नागर को 23/8/76 (पूर्वाह्म) से समय वेतनमान् ६० 840-1200 में लेखा श्रधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० प्रशासन-1 /5-5/पदोन्नति/76-77/कार्यालय, श्रादेश 495/1591—श्री ग्रो० पी० त्यागी, इस कार्यालय के लेखा ग्रिधिकारी (स्थायी) वार्धक्य निवर्तन श्रायु 58 वर्ष प्राप्त करने के फलस्वरूप 31-8-76 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

एच० एस० दुग्गल वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 9 ग्रगस्त 1976

सं० स्थापना 1/ श्र4/76-77/391—महालेखाकार का कार्यालय बेंगलूर कर्नाटक का स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी श्री के० एस० वेंकटसुब्बराव को तारीख 1-7-1976 से यही कार्यालय में स्थायी क्षमता के लेखा श्रधिकारी पद में नियुक्त किया गया है।

डी० एच० वीरथ्या महालेखाकार

महालेखाकार-कार्यालय पश्चिम-बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 31 भ्रगस्त 1976

सं० एडमन-1 /1038-IV/2712—महालेखाकार पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को प्रस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 1-9-76 या वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से या श्रगला श्रादेश जारी होने तक बहाली करने की कृपा की हैं:——

सर्वश्री

- 1. ननीगोपाल चऋवर्ती
- 2. सुधीर चन्द्र हल्दार
- स्वदेश रंजन भट्टाचार्य

श्री सुधीर चन्द्र हल्दार महूलिखाकार (केन्द्रीय) उप महा लेखाकार (प्र०) से मुक्त हो कर इस कार्यालय [वरिष्ट उप महा-लेखाकार (प्र०)] में लेखा-ग्रधिकारी के पद पर सूचित करें।

पारस्परिक वरिष्ठता लेखा-श्रधिकारी के पद पर समयानुकूल श्रंकत की जायेगी।

> घनश्याम वास वरिष्ट उप-महालेखाकार (प्र०) पश्चिम बंगाल

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिस्वनसपुरम, दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० एस्ट० ए०/7/9-86/जिल्द-2/132—महालेखाकार केरल, निम्नोक्त स्थायी प्रनुभाग प्रधिकारियों (लेखा भौर लेखा-परीक्षा) को इसी कार्यालय में लेखा श्रीधकारी के पद में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उनके नाम के आगे लिखी तारीख से श्रगले श्रादेशों तक लागू रहेगी।

- 1. श्री म्रज्ञहाम तोमस 31-8-76 म्रपराह्न
- 2. श्री पी० बी० सेबास्ट्यन 31-8-76 श्रपराह्म।

स्रार० एस० म्रथ्यर उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1976

सं प्रशासन 1/2 (4)/2671-80—महालेखाकार, वाणिज्य निर्माण-कार्य तथा विविधि, नई दिल्ली श्री जी एस मित्तल, स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी को अपने कार्यालय में 11-8-76 (पूर्वाहन) से लेखा श्रधिकारी के पद पर, श्रगले श्रादेश तक श्रस्थायी एवं श्रन्तरिम रूप से पदोन्नति करते हैं।

> बी० बी० देख राय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार द्वितीय: मध्य प्रदेश म्वालियर, दिनांक 7 सितम्बर 1976

सं० प्रशासन-6/न० श० क०/1069—श्री नारायण शंकर राव कापसे, स्थायी लेखा ग्रधिकारी कार्यालय महालेखाकार : द्वितीय, मध्य प्रदेश, ग्वालियर ग्रधिवार्षिकी वय प्राप्त होने पर, दिनांक 31 ग्रगस्त 1976 श्रपराह्न से, शासकीय सेवाग्रों से सेवा-निवृत्त हुये।

> एम० एम० नरसिंहानी उप महालेखाकार/प्रशासन

मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० प्रशासन /17-14/72—ग्रधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य श्री श्रोम नरायण कपूर, अनुभाग ग्रधिकारी के ग्रागामी ग्रादेश तक दिनांक 23 जुलाई 1976 पूर्वाह्न से स्थान पन्न तौर पर रेल विद्युतकरण परियोजना इलाहाबाद ग्रौर श्रनुसंधान ग्रभिकल्प ग्रौर मानक संगठन लखनऊ में लेखा परीक्षा श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

के० एस० रंगामूर्ति मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

़कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक - नई दिल्ली-22, दिनांक 6 सितम्बर 1976

सं० 18360/प्रशा०-II ---श्री एम० एल० तायल, रक्षा लेखा सहायक नियन्त्रक के भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुवित के लिए चयन होने पर, उन्हें 10-7-76(ग्रपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० 18258/प्रणा० II—58 वर्ष की स्रायु प्राप्त कर लेनें पर श्री सी० जी० रामनाथन्, रक्षा लेखा सहायक महा नियंत्रक को पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जायेगा भौर उनका नाम, 29-2-77 (अपराह्न) से विभाग की नक्री से निकाल दिया जाएगा।

(2) श्री सी॰ जी॰ रामनाथन् को सेवा निवृत्ति पूर्वं 1-11-76 से 28-2-77 तक की छुट्टी मंजूर दी गयी है।

(3) शुद्धि-पत्न

भारत के राजपत्न सं० 33 दिनांक 14-8-76 भाग-III, खण्ड-1 पृष्ट, 7001/में प्रकाणित, इस कार्यालय की, श्री सी० जी० रामनाथन्, रक्षा लेखा सहायक महानियंत्रक संबन्धी, दिनांक <math>13-7-76 की समसंख्यक श्रिधसूचना, एतद्द्वारा रह की जाती है।

सं० 18225/प्रश०-11 — 58 वर्ष की म्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० पी० खन्ना, रक्षा लेखा सहायक महा नियंत्रक को पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया जायेगा श्रीर उनका नाम, 31-3-77 (ग्रपराह्न) से, विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

पी० के० रामानुजम रक्षालेखाअवर महानियन्त्रक (प्रणा०)

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रगस्त 1976

सं० 40011 (2)/76-प्रणासन्० ए०---वार्धक्य-निवर्तन की श्रायुप्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के श्रपराह्न से पेंशन स्थापना को ग्रन्तरित कर दिया जाएगा।

क० सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को श्रन्तरण की तारीख	संगटन इ
— सर्वश्री				
1. एम०	परमेश्वरग नायर (पी०/127)	. स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियन्नक (वेंशन)इलाहाबाद ।
2. गौरी	शंकर माथुर (पी०/412)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	3 1-3-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून, म्राई० ए० म्रार० भ्राई० नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर ।
3. के०स	ती ० मणी (पी०/ 479)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31+3-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून, राष्ट्रीय कैंडेट कोर निवेशालय केरल, स्निवेन्द्रम में प्रतिनियुक्ति पर ।
4. एस०	एच० दामले (पी०/494)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-3-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
5. भगत	राम शर्मा (पी०/632)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-3-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून ।
 धर्मबी 	ोर भ्रबरोल (ग्रो०/251)	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-1-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ।
7. के० वे	के० नीलकण्टन (ग्रभी नियत नहीं)	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-1-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।

⁽²⁾ सिविल सेवा विनियमावली जिल्द I के अनुच्छेद 459 (झ) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस देने पर, रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास के संगठन में सेवारत श्री टी॰ एस॰ वैदीश्वरन, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर सं॰ श्रो॰/85) को 28 फरवरी 1977 अपराह्न से पेंगन स्थापना को अंतिरित कर दिया जाएगा।

श्री टी॰ एस॰ बैटी॰वरन की, केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियमावली 1972 के नियम 39(6) के श्रन्तमंत, स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद 1-3-77 से 11-4-77 तक 42 दिन की श्रिजित छुट्टी तथा 12-4-77 से 30-7-77 तक 110 दिन की श्रधेवेतन छुट्टी मंजूर की गई है।

(3) निम्नलिखित को इस विभाग की ग्रिधिसूचना सं० 40011 (2)/75-प्रणा० ए० दिनांक 2+6-76 के पैरा (2) में उप पैरा के रूप में जोड़ा जाता है।

श्री पी० एन० श्रीनिवासन को, केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियमावली 1972 के नियम 39(6) के ग्रन्तंगत, स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद 10-5-76 से 26-5-76 तक 17 दिन की ग्राजित छुट्टी तथा 27-5-76 से 9-9-76 तक 106 दिन की ग्राधेवेतन छुट्टी मंजुर की गई है।

> एस० वी० सुब्रह्मण्यन, रक्षा लेखा उप महा नियन्त्रक ।

रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनैन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय श्रार्डनैन्स फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० 66/76/जी०—वार्धक्य नित्रृत्ति ग्रायु प्राप्त करने पर, निम्नलिखित ग्रिधकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए:—

- श्री एस॰ सी॰ सेनगुप्ता,
 उ1 जुलाई, 76 (ग्रपराह्म)
 स्थानापन्न घो॰ एस॰,
 (स्थायी ए॰ एस॰ ग्रो॰)
- 2. श्री डी० पी० श्रीवास्तवा, 31 जुलाई 1976 (ग्रपराह्म) स्थायी भ्रो० एस०

दिनांक 6 सितम्बर 1976

सं० 67/76/जी०—सेवा निवृत्ति-पूर्व स्रवकाण की समाप्ति पर, श्री के० एम० जी० नायर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), 30 जून, 1976 (प्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 68/76/जी०—सेवा निवृत्ति-पूर्व श्रवकाश की समाप्ति पर श्री लुकमरेईज, मौलिक एवं स्थायी श्रवन्धक, दिनांक 30 श्रप्रैंस, 1976 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 69/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० ग्रार० ईरानी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 मई, 1976 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० ग्रार० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक, श्रार्डनैन्स फैक्टरियाँ

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय धनबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

सं० 2 ए(2) 76 प्रशासन 1/18926-श्री जय प्रकाश कथ्यप को खान सुरक्षा महानिदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर परिवीक्षाधीन रूप से 16 जून 1976 के पूर्वाह्म से दो वर्षों के लिए नियुक्त किया गया।

> श्याम शिव प्रसाद, खान सुरक्षा महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1976
ग्रायत ग्रीर निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/755/65-प्रशा० (राज०)/5663—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री बी० एन० रामस्पनम्, नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात जो सांताशुज इलैक्ट्रोनिक निर्यात प्रासेसिंग क्षेत्र, बम्बई में प्रतिनियुक्ति पर थे, उनका दिनांक 13-7-1976 को निधन हो गया है।

ए० एस० गिल, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं० प्र० 1/1(886) — स्थायी गोवी निरीक्षक तथा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एन० एल० परमेश्वरम् दिनांक 31-7-1976 के श्रपराह्न से एफ-श्रार० 56 (के०) के श्रधीन सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं ० प्र० 1/1(1054)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में भ्रवर प्रगति अधिकारी श्री देवराज को दिनांक 6 ग्रगस्त 1976 के पूर्वा ह्र से तथा आगामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ स्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

2. श्री देवराज की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 6 सितम्बर 1976

सं० प्र० 1/1 (485)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-11) श्री सी० ए० वैंकटेश्वरन को 13 ग्रगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री वैंकटेश्वरन दिनांक 13-8-1976 से 12-8-77 तक एक वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

> के० एल० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

पूर्ति विभाग

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० प्र० 6/247 (58)/57-II—भारतीय निरीक्षण सेवा (इन्जीनियरी शाखा) ग्रुप ए के ग्रेड-II से सेवा के ग्रेड-III में पदा-वस्ति होने पर श्री एम० सी० ऐच ने दिनांक 11-6-76 के पूर्वाह्र से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में निरीक्षण उप निदेशक (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया श्रीर निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० प्र० 6/247 (414)— स्थायी भंडार परीक्षक (इंजी-नियरी) भ्रौर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रिधकारी श्री एम० ग्रार० ग्रलवी जो भारत पूर्ति मिशन, लंदन में तकनीकी ग्रिधकारी ग्रेड-III के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, को सरकारी सेवा से हटा दिया गया है।

> सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1976

सं० प्र० 6/57(8)─⊶महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्झारा निम्नलिखित सह।यक निरीक्षण ग्रधिकारियों (धातु) को प्रथ्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (धातु) के स्थायी पद पर नियुक्त करते हैं: ——

न्न ० नाम सं०		वर्तमान पद	स्थायी पद जिस पर स्थायी है रूप से नियुक्त हैं	स्थायी नियुक्तित कीतारीख
1 2		3	4	5
सर्वेश्री :		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
1. सी०पी० सिह्ना		. सहायक निीक्षण ग्रधिकारी (धातु)	सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (धासु)	12-8-1965
2. एस० के० नाग		बही	——वही—— •	1-4-1969
3. पी० के० पालिट	•	वही	व ही	23-12-1969
4. एस० सेनगु^रत	•	. —वही	व ही	11
5. एम० एम० बगची		. बही⊷-	वही 	,,
6. ए० के० मजूमदार		वही	बही	,,
7. एस० के० मजूमदार	ı	. —वही—	 -बही	,,
8. डी० के० पवे		. —वही—⊶	~वही	"
9. के० एस० के० रामन	•	. —वही	वही	 Jj
10. बी० श्रीनिवासुनु	•	वही	 -वही	,,
11. पी० के० गुहा	•	वही	 वही	,,
12. ए० के० चटर्जी	•	. ~वही	वही	"
13. म्रार० एन० पुरी	•	वही	वही	,,
14. सी० एस० भर्ज	•	. —वही—	 वही	,,
15. एस० एस० शर्मा	•	. —वही-—	- वही	.,
16. के०पी० पिल्ले	•	वही	वही	"

1 2			3	4	5
17. एम० एम० सरकार	•		सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (धातु)	सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु)	23-12-1969
18. ी० चटर्जी			वही	वही	,,
19. वी० के० दास			 वही	वही	15-7-1971
20. ए० एस० राणा			वही- 	वही	,,
21. सी० के० एस० एन० राऊ			वही 	वही -	,,
22. वी० राघयेन्द्रम	,	*	वही	—-वही 	7.)
23. म्रार० एस० दुवे			सहायक निदेशक निरीक्षण (धात् सहार	पक नि <mark>दे</mark> शक (निरीक्षण) (धात्)	17-1-1974
24. एस० डी० एस० रावत			–⊸वही––	बही 	29-1-1974
25. बी० एम० खुराना			वही	 वही	1-11-1974

सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

मुख्य लेखा नियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 सितम्बर 1976

का० भ्रा० सं०एडमन (सी ०डी० एन०) 35---मुख्य लेखा नियंत्रक (पूर्ति विभाग), नई दिल्ली के स्थायी लेखा श्रधिकारी श्री इन्द्रजीत चावला (श्राई० जे० चावला) सेवा निर्यंतन की भ्रायु पर पहुंचन पर दिनांक 31 श्रगस्त, 1976 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत हो गये हैं।

> पी० पी० गंगाधरन, मुख्य लेखा नियंत्रक

लोहा और इस्पात मंत्रालय (इस्पात विभाग) लोहा और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-20, दिनांक सितम्बर 1976

सं० ई० म्राई० 2 (2)/71---श्री सुनील कुमार राय के छुट्टी ग्रहण के कारण श्री सुधीर कुमार चन्द्र, ग्रधीक्षक को एतव्द्वारा विनांक 1 सितम्बर, 1976 से उप सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न नियंत्रक वे जा रही है।

टी० घोष, लोहा धौर इस्पात नियन्त्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं गो० 5132/579-ए—श्री राधे श्याम शर्मा, स्थानापन्न स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग (ग्रुप 'बी' सेवा) की नियुक्ति की दिनांक 1 दिसम्बर 1975 से पुष्टि की जाती है।

दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० स्था० 1/5132/825-श्रधिकारी —श्री परिमल दास गुप्ता, सेवानिवृत्त सहायक मुख्य नक्काश पूर्वी सिकल, को 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-

1200 र० के संगोधित वेतनमान ग्रुप 'बी' (अराजपित्रत) में 92/-रु० की कटौती करते हुए 650/-र० प्रतिमाह पर सहायक मुख्य नक्काण के पद पर नक्काण अनुभाग पूर्वी सिकिल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकता में दिनांक 13-4-1976 (पूर्वाह्म) से दिनांक 12-7-1976 (अपराह्म)तक 3 माह की श्रवधि के लिए पुर्नानयुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला, मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय प्राणि विज्ञान-सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता, दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० एफ ० 70-2-/74 स्थापना/16312—विभागीय पदोन्नति सिमिति की सिफारिश पर श्रीमती मनिका गुहा, वरिष्ठ प्राणिविज्ञान सहायक जो भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के अंतर्गत तदर्थ आधार पर सहायक प्राणि विज्ञानी के पद पर कार्य कर रही हैं। उन्हें इसी विभाग में स्थाई ब्राधार पर 650 रू० से 1200 रू० के वेतनमान में 12 ब्रगस्त, 1976 से सहायक प्राणि विज्ञानी के पद पर कार्य करने के लिए श्रागामी ब्रादेशों तक नियुक्ति किया जा रहा है।

डा० स० खेरा, संयुक्त निदेशक प्रभारी, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

श्राकाशवाणी महानिदंशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं० 10/15/7 ३-एस० तीन—महानिवेशक, श्राकाशवाणी, $\sqrt{6}$ तबूहारा श्री वाई० जोनसन को वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक के पद

से सहायक इंजीनियरी के पद पर पदोन्नति करते हैं और 2-8-1976 (पूर्वाह्न) से ग्राकाणवाणी, मंगलौर में स्थानापन्न श्रवस्था में नियुक्त करते हैं ।

> हरजीत सिंह, प्रशासन उप-निदेशक, **कृते** महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं० 6 (88)/63 एस० एक—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्क्षारा श्री ए० सी० मजुमदार, प्रसारण निष्पादक, दूरदर्शन केन्द्र कलकत्ता को 5 अगस्त, 1976 से अग्रेतर श्रादेशों तक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी कटक में कार्यत्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी अवस्था में नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (35)/67-एस० एक—महानिदेशक म्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री ए० एन० चट्टोपाध्याय, प्रसारण निष्पादक, दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता को 12 जुलाई, 1976 से भ्रमेतर म्रादेशों तक, भ्राकाशवाणी कलकत्ता में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी भ्रवस्था में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं 5/31/67-एस० एक--महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० के० मिल्ला, प्रसारण निष्पादक, उपग्रह दूर-दर्शन केन्द्र, नई दिल्ली को 17 श्रगस्त, 1976 से श्रग्नेतर श्रादेशों तक, ग्राकाणवाणी, नई दिल्ली में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० 2/4/68 एस० दो—-इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 2/4/68 एस० दो दिनांक 22-5-76 के प्रतिस्थापन में श्री एम० डी० द्विवेदी, प्रशासनिक प्रधिकारी (तदर्थ) समाचार सेवा प्रभाग, प्राकाशवाणी, नई दिल्ली को सेवा-निवृत्ति की उम्र के बाद एक वर्ष की 1-4-76 से 31-3-77 तक नौकरी की प्रविध में वृद्धि प्रदान की जाती है।

सं० ए० 1 2026/2/76 एस० पांच—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री पी० एल० शर्मा, वरिष्ठ निरीक्षक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय, नई दिल्ली को, श्री एन० पी० वारिया, सांख्यिकी श्रिधकारी के स्थान पर, जो कोयला विभाग, वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली में श्रर्थशास्त्र की प्रतिनियुक्ति

पर भेजे गये हैं, स्राकाणवाणी महानिदेणालय में 24-8-1976 से 31-12-1976 तक ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सांख्यिकी स्रिधकारी के पद पर तदर्थ स्राधार पर प्रतिनियुक्त करते हैं।

एस० वी० शेषाद्री प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त,

आयकर विभाग

लखनऊ, दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० 168---श्री ग्रार० एन० गुप्ता, निरीक्षक कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) वाराणसी को द्वितीय श्रेणी श्रायकर ग्रायकारी (ग्रुप-वी) के रूप में ग्राफिणियेट करने के लिए के० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत होने पर उन्होंने तारीख 15-6-1976 को पूर्वाह्न में ग्रायकर ग्रिध-कारी जो वार्ड सर्किल-1, वाराणसी के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 169—श्री बी० एन० सिंह, निरीक्षक, श्रायकर कार्यालय सिंकल लखनऊ को द्वितीय श्रेणी आयकर श्रिधकारी, (ग्रुप बी०) के रूप में आफिशियेट करने के लिए ६० 650-30-740-35,-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत होने पर उन्होंने तारीख 14-6-76 को पूर्वाह्म में आयकर श्रिधकारी (मुख्यालय)तकनीकी, अनुभाग, कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 170—श्री मुकुन्द लाल ग्रग्रवाल, निरीक्षक, कार्यालय कर वसूली ग्रिधिकारी वरेली को द्वितीय श्रेणी भ्रायकर ग्रिधिकारी (ग्रुप बी०) के रूप में श्राफिशियेट करने के लिए रू० 650-30-740 -35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत होने पर उन्होंने तारीख 15-6-1976 को पूर्वाह्म में ग्रायकर ग्रिधिकारी एफ० वार्ड मुरादाबाद के रूप में कार्यभार सभाला।

सं० 171:—श्री जगराम कनौजिय, निरीक्षक, लेखा परीक्षादल, कार्यालय निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (श्राडिट लखनऊ को द्वितीय श्रेणी श्रायकर श्रधिकारी (ग्रुप बी०) के रूप में रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत होने पर उन्होंने तारीख 10-6-1976 को पूर्वाह्म में जन सम्पर्क श्रधिकारी कार्यालय ग्रायकर श्रायुक्त के रूप में कार्यभार संभाला।

एस० के० लाल, भ्रायकर भ्रायुक्त, लखनऊ प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 श्रगस्त 1976

निदेश सं० 69-बी०/ग्रर्जुन—ग्रत: मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 195/28/1 है तथा जो गोलागंज, जगतनारायन रोड लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-1-1976

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रति-फल के लिए भ्रान्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिणत से अधिक है श्रौर अन्तरक (भ्रान्तरकों) भ्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तदिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उबत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :── 2—256 GI/76

1. श्री सफदर ग्रली खां

(भ्रन्तरक)

2. बशीरुद्दीन

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 195/28/1 स्थित मोहल्ला गोलागंज, जगत नारायन रोड, लखनऊ।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी , सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-8-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 श्रगस्त 1976

निदेश सं० 130-एस०/ग्रर्जन—-ग्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन

श्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक हैं श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 222/वाई है तथा जो कि मौजा नगवा परगना देहात श्रमानत वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाधत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राम या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269म के म्रनु-सरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्रीमती शिव कुमारी देवी एवं भ्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुभाषिनी देबी

(ग्रन्सरिती)

3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रुर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 222/वाई नाप 1.46 डिक्स० जो कि मौजा नगवा परगना, बेहात ध्रमानत तह० एवं जिला वाराणसी में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 27-8-1976

प्रारुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 श्रगस्त 1976

निदेश सं० 37-जे०/ग्रर्जन—श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 732/2 इत्यादि है तथा जो कि मौजा सिरौली तूला परगना रुद्रपुर तह० किच्छा जिला नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय हत्वानी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-1-1976

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त, श्रधिनियम, की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:— 1. श्री महेन्द्र सिंह एवं श्रन्य

(श्रन्तरक)

2. श्री जसबीर सिंह

- (भ्रन्तरिती)
- 3. केता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. व्यक्तिगत (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में जिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उवत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक जमीन जिसका खसरा नम्बर 732/2 इत्यादि नाप 14/6/10 बीघा जो कि मौजा सिरौली तुला तह० किच्छा परगना रुद्रपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-8-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 ग्रगस्त 1976

निदेश सं० 58-कें ०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 563/18 है तथा जो कि चित्रगुप्त नगर लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 20-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- श्री स्वामी स्वरूपानंन्द सगुण

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी विवेदी

(भ्रन्तरिती)

3. विश्रेता (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ऋधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का, जो उवत श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 563/18 जो कि चित्रगुप्त नगर लखनऊ में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-8-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 श्रगस्त 1976

निदेश सं० 68-ए०/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ''उक्त ग्रिधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269 के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं बसरा नं 9732/2 इत्यादि है तथा जो कि मौजा सिरौली तुला तहसील किच्छा जिला नैनीताल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 24-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है श्रीर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर अन्तरक
(अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त
ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, भ्रथीत् :—

- 1. श्री महेन्द्र सिंह एवं श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रजीत सिंह (भ्रन्तरिती)
- 3. क्रेता (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4. व्यक्तिगत (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दो ग्राँर पदो का, जो उबत ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन नं॰ 732/2, इत्यादि नाप 14/6/10 बीधा जो कि मौजा सिरौली तुला तहसील किच्छा जिला नैनीताल में स्थित है।

ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-8-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 ग्रगस्त 1976

बन्दोबस्ती नं० 791 नाप 5375 वर्ग फीट है तथा जो कि मौजा सरायनन्दन पर० देहात श्रमानत जि० वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धतः, श्रव उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रर्यातृः—— श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ताः

(श्रन्तरकः)

2. श्री ब्रादित्य कुमार डालिमया

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका बन्दोबस्ती नम्बर 791 नाप 5375 वर्ग गज जो कि मौजा सरायनन्दन, परगना देहास अमानत जिला वाराणसी में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-8-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 ग्रगस्त 1976

निर्देश सं० 85-एम०/ग्रर्जन—अत: मुझे, ग्रमर सिंह विसेन श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या प्लाट नं० 123 है तथा जो कि मौजा रामापुरा, परगना देहात श्रमानत वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अंतर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रप्त, श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनु-सरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यवितयों, श्रर्थात् :——

- ा. श्रीमती बबुई देवी एवं श्रन्य। (अन्तरक)
- 2. श्री मुरलीमल एवं श्रन्य । (श्रन्तरिती)
- विश्रेता (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोषत संपक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रमुक्त शब्दों स्नौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 123 नाप 4895 वर्ग गज जो कि मौजा रामापुरा परगना देहात भ्रमानस जिला वाराणसी में स्थित है।

> भ्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 28-8-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन०एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 भ्रगस्त 1976

निदेश सं० 84-एम/म्रर्जन—ग्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— हपए से श्रधिक है और जिसकी

संख्या बन्दोवस्ती नं० 791 तथा 792 5500 59व०ग० है तथा जो कि मौजा रसयृ नन्दन पर० देहात अमानत जि० वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) शौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थीत् :—

- 1. श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मंजू देबी डालमिया। (श्रन्तरिती)
- 3. विकेशा। [वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति, द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रिशिनियम, के श्रद्धाय 20-क में परिकाषित है, धहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका बन्दोबस्ती नम्बर 791 तथा 792 नाप 5,500 वर्ग गज जो कि मौजा सरयू नन्दन, परगना देहात श्रमानत जिला वाराणसी में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-8-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 श्रगस्त 1976

निर्देश सं० 131-एस/प्रजंन—प्रतः मुझे प्रमर सिंह बिसेन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सी० के० 63/68 ए० है तथा जो छोटी प्यिरी, वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-1-1976।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाझत उक्त श्रिश्चित्यम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रबं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :—— 3—256GI/76

- 1. श्रीमती साबित्नी देवी व श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्याम जी सिंह (ग्रन्तरिती)
- श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ [होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान न० सी० के० 63/68 ए० स्थित मोहल्ला छोटी प्यिरी, वाराणसी गहर ।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-8-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 ग्रगस्त 1976

निदेश सं० 250 (एकु० रे०-III/76-77/कल०/544---ग्रत: मुझे, एल० के० बालसुग्रमनियन,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ह० से ग्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 180/19 है तथा जो नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रालिपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, सारीख 20-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है श्रोर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रणीत्:—-

- श्रीमती इन्दु भाटाल 140/19, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड कलकत्ता-40 ग्रधूना: 178, श्रिलिपि बाग, इलाहाबाद। (अन्तरक)
- $2\cdot$ (1) श्री निरोद बरन बनार्जी (2) सदर हसपिटाल रोड, हाजारी-बाग बिहार । (श्रन्तरिती)
- 4. रतन भाटाल, रनजित भाटाल, पार्वती भाटाल, 140/ 19 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-40 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 12 कट्टा 15 छटाक 11 स्को० फुट जमीन साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान बहिर्घर, गेराज, कम्पाउन्ड वाल इत्यादि का अविभक्त 1/4 श्रंण जो 140/19 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कल० पर श्रवस्थित और जो दिलल सं०I-293/1976 का श्रनुसार है।

एल० के० बालसुक्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 23 अगस्त 1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

न्नायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 श्रगस्त 1976

निर्देश स्० 251 /एकूरे-111/ 76-77/ कल०/538:— अतः मूझे, एल० के० बालसुझमनियन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 140/19 है, तथा जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनू-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-1-76 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानप्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, याधन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ श्रन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित्:—

- (1) श्रीमती पार्बती भाटाल, 140/19 नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड कल० 40 अघूना-178 आलिपि बाग, इलाहाबाद।
- (2) श्री निरोद्य बरन बनर्जी, 2 सदर अस्पताल रोड, हजारी बाग, बिहार ।

(ग्रन्तरिती)

(4) श्री रतन भाटाल, रनजीत भाटाल, इन्दु भाटाल, 140/19 नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कल०-40। (वह ध्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

करीब 12 कट्टा 15 छटाक 11 स्को० फुट जिमन साथ उसपर बनाया दोतल्ला मकान, बहिघर, गेराज, कम्याउंड बाल इत्यादि का श्रविभक्त 1/4 श्रा जो 140/19 नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कल० पर श्रवस्थित श्रोर जो दलिल सं० 212/ 1976 का श्रनुसार है।

> एल० के० बालसुग्नमितयन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 23-8-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ककलत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 भ्रगस्त 1976

निदेश सं० 252/एकूरे- /76-77/कल०/541:— अतः मुझे, एल० के० बालसुक्रमनियन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 140/19 है तथा जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-1-1976

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) श्री रतन भाटाल 140/19 नेप्ता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड कल०-40 ग्रधुना-178, ग्रालिपबाग, इलाहाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) निरोद बरन बनर्जी, 2 सदर अस्पताल रोड हजारीबाग बिहार । (भ्रन्तरिती)
- (4) कुमारी रनजित भाटल, इन्द्रुभाटल, पार्बती भाटल, 140/19, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कल० (वह व्यक्ति, जिसके बारे स्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

करीब 12 कड्डा 15 छटांक 11 स्के॰ फुट जमीन साथ पर बनाया दोतल्ला मकान, बहिंघर, गेराज कम्पाउंड वाल इत्यादि का श्रविभक्त 1/4 श्रंण जो 140/19 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड कल॰ पर श्रवस्थित और जो दलिल सं॰ 211/1976 का श्रनुसार है।

> एल० के० बालसुक्रमिनयन् सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंग- III, 54 रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 23-8-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज - कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 23 श्रगस्त 1976

निदेश सं० 253/एकुरे-111/75-76/कल०/535-—यतः मुझे, एल० के० बालसुन्नमिनयन् भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 140/19 है तथा जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कल० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के 15 श्रीतशत से श्रिष्ठक है श्रीर

- प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या श्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :— (1) श्री रनजित भाटल , 140/19 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलं०-40 श्रधुना-178, श्रालिपिबाग, एलाहाबाद।

(म्रन्तरक)

(2) श्री निरोध बरन बनार्जी 2 सदर हास्पिटल रोड, हजारी बाग, बिहार ।

(ग्रन्तरिती)

(4) रतन भाटल, इन्दु भाटल भौर पार्बती भाटल, 140/19 नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कल०-40 (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

करीब 12 कट्ठा 15 छटांक 11 स्के॰ फुट्रेजिमन साथ उस पर बनाया दोतल्ला मकान, बिह्मर गेराज कम्पाउंड बाल इत्यादि का अबिभक्त 1/4 शंश जो 140/19, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कल॰ पर श्रवस्थित श्रौर जो दिलिल सं॰ 210/1976 का श्रनुसार है।

एल० के० बालसुक्रमितयन् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, 54 रफी ग्रहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 23-8-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 30 ग्रगस्त 1976

निदेश सं० 354/एकुरेIII/76-77/कल०:—यतः मुझे, एल० के० बालसुग्रमनियन्

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 54 है, तथा जो ढाकुरिया स्टेशन रोड, कल० स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 30-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्री सैलेन्द्र नाथ दे 36 ए०, सियन रोड, बोम्बे-22 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चैताली साहा, 79 कांकुलिया रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)
- (3) सर्वश्री क० ल० चटार्जी, ए० सेनगुप्त, प० चौधुरी श्रौर श्रीमति र० धर (वह व्यक्ति, ग्रिधंभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय, 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

करीब 3 कठ्ठा जिमन साथ उस पर बनाया तिनपल्ला मकान जो सं० 54, ढाकुरिया स्टेशन रोड, कलकत्ता-31 पर श्रबस्थित श्रौर जो सब-रजिस्ट्रार, श्रालिपुर सदर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 553/1976 का श्रनुसार हैं।

एल० के० बालसुन्नमिनयन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III; 54, रफी श्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 30-8-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० :

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 5 कलकत्ता, कलकत्ता, दिनांक 30 श्रगस्त, 1976

निदेश सं० ए० सी० 26/ग्र० रे०-5/कल० /76-77:—-ग्रतः मुझे, एस० एस० ईमानदार

म्रायकर घिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के म्रधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 8104 है तथा जो वार्ड नं० IV सिली-गुडी, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिलीगुडी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-1~1976

16) क अधान ताराख 17-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब उवत श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों श्रथीत :——

- (1) श्रीमती बिसमिल्ला बेगम, पति, मोहम्मद नजीर (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री सतीश कुमार अनेजा(2) श्री बिनय कुमार घोष, (3) श्री श्रब्दुल हमीद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20 क में परि-भाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 0.690 एकड़ ग्रर्थांस 41.4 कट्टाह है जो प्लाट नं॰ 8104 बार्ड नं॰ IV सिलीगुडी में स्थित है, दलील सं॰ 296 ता॰ 17-1-1976

एस० एस० ईमानदार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज-5, कलकत्ता 54, रफीश्रहमद किंदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 30-8-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०- —

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मई, 1976

सं० म्रार० ए० सी० 78/76-77:—यतः मुझे, एस० वी० सुब्बाराव श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- र० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० नागरजुना सनीमा नं० 5-7 मीयोलगुड़ा है, जो मीयोलगुड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मीयोलगुड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थीत्:— (1) श्री करनाती रतनया पिता बुजी रामय्या घर नं० 17-26, मियोलगुडा/ नलगोनडा/ जिला

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 उतकुर सत्यानारायण रेड्डी घर नं० 20-20 मियीलगुडा
 - टी० मटारेड्डी सुबारेड्डी के पास मीयोलगुडा
 - 3 बैरेडी जिन्ना सयीरेडी निवासी नारामागुडा पोस्ट मीरयालगुडा
 - 4 वी० मन्नादारेड्डी निवासी दीलापुर
 - 5. वी० सीमीरेड्डी निवासी मुख्यालम्मागुटां दिरसीन जेरला पोस्ट मियीलगुडा नलगोन्डा जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रद्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस[श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नागरजुना टाकीस नं० 5-7 विस्तेन 1440 वरी यार्ड प्रोजेक्टर के साथ और फरनीचर बगैरा मियीलगुडा जिला

> एस० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-5-1976

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०--

ष्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 23 श्रगस्त 1976

सं० ग्रार० ए० सी० 148/76-77—यतः मुझे, के० एम० वेंकटरामन

न्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से म्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 19/307 है, जो कृष्णमंदिर स्ट्रीट नेल्लोर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नेल्लोर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 20-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरिक (ग्रन्तरिकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :— 4—256 GI/76 (1) श्री डी० वेंकटरामी रेड्डी, जी० पी० ए० एस० श्रीनिया-सलु रेड्डी, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तुलसी सुब्बारायडु, पिता का नाम सुब्बारायडु, निवासी—कृष्णमन्दिर स्ट्रीट, नेल्लोर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पर्शकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उनत श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : पंजीकरण कार्यालय, नेत्लोर में पंजीकृत दस्तावेज सं० 1976 का 303; कृष्णमन्दिर स्ट्रीट, नेल्लोर स्थित वार्ड सं० 19, दरवाजा सं० 307।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 23-8-1976

प्ररूप स्राई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घं (1) के श्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)
· द्यर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जुलाई 1976

निदेश सं० 4 /जन०/75-76 :—-यतः, मुझे, जी० राम-नाथन,

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 1010/2 बी है, जो पोन्नगरम रोड पलिन में स्थित है (श्रीर इससे उपायड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पत्निन (पद्य सं० 15/1976) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ के श्रनुसरण में, में उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— (1) श्रीमती राजरत्नम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० वेंकटाचलम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज पत्न में प्रकाशन की तारीख से ३५ दिन के भीतर इक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकींगे ।

स्वर्ष्टाकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ख़ौर पदों का जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

पलिन, पोन्नगरम रोड, वार्ड 16, टी० एस० सं० 1010/2 बी में 111551/2 स्क्यर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-J, मद्रास

तारीख : 22-7-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

269-घ (1) के श्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० 40/जन०/75-76 :--यतः, मुझे, जी० रामा-नायन,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- ए० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, जो कसतूरिपट्टी श्रीर संकरिदुरग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, संकरि-दुरग (पत्न 42/76) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया हैं:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— (1) श्रीमती कानिक्कै मणि

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रगम्माल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कसतूरिपट्टी गांव सखे सं० 6/1 श्रोर 6/2 में 0.24-10/22 एकड़ श्रोर संकरिदुरग गांव एस० सं० 172/1 (0.35-13/22), 172/2 (0.34-10/22), 172/4 (0.18-10/22), 172/5 (0.05-21/22), 216/1 (0.568/22), 216/2 (0.37-16/22), 216/4 (0.14-14/22) की भूमि।

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 3-9-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेण सं० 41/जन० /75-76 :—-ग्रतः, मुझे, जी० रामनाथन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० हैं, जो कस्तूरिपट्टी ग्रीर संकरि-दुरा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, संकरिदुरग (पत्र सं० 43/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आरे मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उनत श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :— (1) श्रीमती कानिककै मणि

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुलोचना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पद्दों का, जो 'उवत ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कस्तूरिपट्टी गांव सर्वे सं० 6/1 श्रीर 6/2 में 0.24_{22}^{10} एकड़, श्रीर संकरिदुरग गांव सर्वे सं० 172/1 (0.35-13/22), 172/2 (0.34-10/22), 172/4 (0.18-10/22), 172/5 (0.05-21/22), 216/1 (0.56-8/22), 216/2 (0.37-16/22), 216/4 (0.14-14/22), की भूमि।

र्जा० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 3-9-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

निदेश सं० 52/जन०/75-76:—-ग्रतः मुझे, जी० रामानाथन ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 93 है, जो ग्रवनियापुरम में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्न सं० 159/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1976 को

पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय के वायस उक्त श्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :— (1) श्री के० एम० मटराजन श्रीर स्नादि

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी० वी० कोतारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :--इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रिधित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मर्दु रै ,अविनयापुरम गांव श्रार० एस० सं० 93 में 87 सेन्ट और 295 स्कुयर फीट की खाली भूमि ।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 4-9-1976

मोहरः

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस० ' ' ' '

भ्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक । सितम्बर 1976

निदेश सं० 53/जन०/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामानाथन, ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

स्रोर जिसको सं० स्रार० एस० सं० 93 है, जो स्रवनियापुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मदुरैं (पत्न सं० 158/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिन नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं, उक्तं श्रधिनियमं की धारा 269-गं के श्रनुसरण में, मैं, उक्तं श्रधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथात्:— ्र (1) श्री के० एस० नटराजन भ्रौर ग्रादि

(म्रन्तरक)

(2) श्री वी० विनोदकुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रज़न के संबंध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गव्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, अवनियापुरम गांव भार० एस० सं० 93 में 63 सेन्ट भीर 210 स्कुयर फीट की खाली भूमि ।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 4-9-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुवत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 57/एफ०ई०बी०/75-76—श्रतः, मुझे, जी० रामानाथन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उवत ग्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 93 है, जो श्रवनियापुरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, महुरै (पन्न सं० 210/1976) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के भ्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथित्:— (1) श्री कें ० एस० नटराजन श्रीर श्रादि

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० बी० कोतारी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शन्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय-20 क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, श्रवनियापुरम गांव श्रार० एस० सं० 93 में 85 सेन्ट श्रौर 129 स्ववेयर फीट की खाली भूमि।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारो ा ंयक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 4~9-76

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

निदेश सं० 86/एफ०ई०वी०/75-76--श्रतः मुझे, जी॰ रामानाथन,

ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का ग्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है स्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 93 है, जो स्रवनियापुरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 209/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के उससे बचने दायित्व में कमी करने या में सुबिधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट के प्रयोजनार्थ कियागया थाया किया जानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिश्वनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:--

श्री के० एस० नटराजन और भ्रादि

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी० विनोदकुमार

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इ.स. सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उ≡त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्योहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुवत शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रै, भ्रवनियापुरम गांव भ्रार० एस० सं० 93 में 81 सेन्ट श्रीर 388 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, मद्रास

दिनांक : 4-9-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है और जिसकी सं ० उन्नमपालयम है, जो में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उन्नमपालयम (पत्न सं० 63/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 17-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रौर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, भर्णात् :----5---256GI/76 (1) श्री एस० मोहम्मव नैनार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच० मोहम्मद ग्रब्दुल कादर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य ध्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषितः हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मदुरै गांव, ऊन्नमपालयम गांव एस० सं० 2181/1, 2204, 2203, 2201, 2202, 2173/3 श्रौर 2202/2 में 11 एकड़ श्रौर $14\frac{1}{2}$ सेन्ट की भूमि ।

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 4-9-76 मोहर: प्ररूप श्राई०टी०एन० एस०--

(1) श्री वी० ग्रार० भक्तवतसलम वी० आर० सुन्दरसनम (ग्रन्सरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

म्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 101/2 है, जो कोमारपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पत्न सं० 1 22/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16 फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तयपाया गयाप्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः **धव** उक्त ध्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुगरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (2) श्री ती॰ ग्रर्दनारिसामी चेट्टियार श्रौर ग्रादि। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उमत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, कोमारपालयम नारायण नगर ग्राउन्ड सं० 69 (3197 स्क्वेयर फीट), 70 (3220 स्क्वेयर फीट) 83 (3197 स्क्वेयर फीट) ग्रीर 84 (3174 स्क्वेयर फीट) में 12,788 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि ।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 4-9-1976 मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकिनाडा, दिनांक 22 जुलाई 1976

सं अार ० ए० सी ० नं ० 349-ग्रत: मुझे बी ० वी ० सुब्बाराय, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूरुय 25,000/- रुपए से श्रधिक है म्मौर जिसकी सं० 21/103B2 41-4-3 है, जो राममन्ड्री में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजमन्ड्री में भारतीय रजिस्ट्र-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ध्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्सरितियों) के ऐसे (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती मन्तरण के लिए प्रतिफल, तथ पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब उस्त भिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उस्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा(1) ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्—

- (1) श्री मनचिम सेट्टी वीर वेंकटराव
- (2) श्री मनिचम सेट्टी रमण वेंकटा
- (3) श्री एम० वीराजु
- (4) महाकमीराव राजमन्ड्री

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री वेंकटारमणा श्रल्युमिनियम कंपनी
- (1) प्रबन्ध भागीदार श्री मुच्ची सत्यनारायणसे प्रभिवेदन, राजमन्ड्री
- (2) लवुड् रामुनायुड् राजमन्ड्री
- (3) कडियाला रामाराव राजमन्ड्री
- (4) कडियाला ताताराव राजमन्ड्री

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

राजमन्ड्री रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 11-2-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 405/76 निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वी० सुब्बाराय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 22-7-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1976

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 353——ग्रतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर एस० नं० 294 है, जो काते रू गाँव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजमन्ड्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, राजमन्ड्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-2-76 को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नक् लिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, श्रथीत्:— श्रीमती रिजिया बेगम पहनी श्री महमद गौस साहेबं सेषाथिमेट्टा, राजमन्द्री ।

(अन्तरक)

2. श्री गारपाटी सूर्यराव प० वेकन्ना कातेरू राजमुन्ड्री ताल्लुक। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जी उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्द्री रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 29-2-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 518/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, काकिनाडा

दिनांक: 7-8-76

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 श्रगस्त 1976

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 354---- ग्रतः मुझे बि० वि०

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक श्रौर जिसकी सं० 11-13-74 समिरेड्डी पेट हैं, जो नरसाराव पेट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नरसाराव पेट में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के **प्रधी**न 27-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से **दम्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित** की गई भ्रांर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापृष्ठांदत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) **भ**ौर (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; म्रोर/या
- (खा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया **जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के** लिए :

म्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

1. इल्लिनड्र रंगनायकुलु, पुटपर्ती

(अन्तरक)

 कामिनेनि परन्धामथ्य श्रमीनशहब पालेम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के फ्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही फ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नरसारावपेट रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 31-1-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 135/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा ।

दिनांक: 9-8-76

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 अगस्त 1976

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० ३५५—श्रतः **मुझे, बि० वि०** सुब्बाराव

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़बत श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पार से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० 5/बी है, जो नल्लपाडू ग्राम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ग्रन् भूषी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 17-1-76

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ध्रधिनियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्ति हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रिविनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-थ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, शर्यातु:---

- (1) (i) श्री नूने महेश्बरराव
 - (ii)श्री नूने ऐमनागराज कुमार, गुन्टूर ।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स बोम्मिडाला ब्रद्धं लिमिटेड मैनेजिंग डायरेक्टर श्री बोम्मिडाला भानुमूर्ती गुस्टूर। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गुन्टूर रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-76 में पिजीकृत दस्तावेज नं 90/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

बि० वि० सुन्बाराय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक: 9-8-76

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 अगस्त 1976

निदेश सं०भ्रार० ए०सी०नं० ३५६——श्रतःमुझे, बि०वि० सुक्बाराव

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 5/बी है, जो नल्लीपाडु ग्राम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-1-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) श्रश्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्मलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) (i) श्री नूने महेस्वराराष
 - (ii) नूने ऐमनागराज कुमार गुन्टूर।

(श्रन्तरक)

(2) बोस्मिडाला श्री कृष्णमूर्ती, गुन्टूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की श्रवधि का तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज पल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, उक्त ग्रिधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 31-1-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 91/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनोक: 9-8-76

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

यार्भालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 अगस्त 1976

सं० फ्रार० ए० सी० नं० 357--यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव आयकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 5/बी है, जो नल्लापाडु ग्राम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 17-1-1976 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों)श्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिक्षि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- (1) श्री नूने भट्टेस्वराराव
- (2) श्री नूने एमं० नागराज कुमार, गुन्ट्रर

(भ्रन्तरक)

2. बोम्मिडाला, लक्ष्मी ग्रन्नापूर्ण, गुन्दूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन के श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रद्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गुन्दूर रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-76 में पंजी-कृत दस्तावेज नं० 92/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

विनांक: 9-8-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 श्रगस्त 1976

सं० ग्रार० ए० सी ग्रां० 358—यत: मुझे, बि० वि० सुब्बाराव ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्राधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 488 श्रीर 489 है, जो जे० श्रन्नवरम् में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रद्विपाडु में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-1-1976

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर /या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घ्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर द्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

1. कर्री पूर्णम्मा कमबाल पालेम ।

(ग्रन्तरक)

2. भ्रत्लु भ्रप्पलाराज्, लिगमपर्टी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्रिट्टिपाडु रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पक्षिक ग्रंत 15-1-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक : 9-8-1976

मोहर ;

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, काकिनाडा

कािकनाडा, दिनांक 24 स्रगस्त 1976

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 359——यतः मुझे, बि०वि० सुब्बारावः, म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 402/1 है, जो वेट्स्पाक रायवरम में स्थित है (ग्र्मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, रामचन्द्रपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिविनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-1-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है **भौर मुझे** यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— श्रीमती बल्लूरी सब्बयम्मा, रायवरम

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी मेडपाटी क्षेषारत्नम पि० वेंकटरेड्डी, रायवरम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामचन्द्रपुर रजिस्ट्री श्रधिकारी से पक्षिक श्रंत 15-1-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 76/1976 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक: 24-8-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 24 ग्रगस्त, 76

सं० ब्रार० ए० सी० 360~-ब्रतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव ब्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 185 ए, 186,187,188 ए है, जो राविकामपाडू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से श्रिधक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर (श्रन्तरिती) (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण मैं, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

1. श्रीमती मेन्ती सत्यन्नारयणम्मा, वेलगी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मरमाटी पद्मावती ग्रनकापल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-1-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं ० 316/76 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बि० वि० सुक्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक: 24-8-76

मोहर 🕫

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 24 अगस्त, 76

सं श्रार ए ए सी 361—श्रतः मुझे बि वि सुब्बाराव श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं०43/14 ब्लाक नं०8 वार्ड नं० 2 है, जो गांधी नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कािकनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर भ्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया ग्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्स ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, श्रव उक्त म्रिधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रिधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, मर्कात्:—

- श्रीमती डाटल्ला पद्मावती लक्ष्मीनरसापुरम (श्रन्तरक)
- वस्तवाया सुक्रमन्य विश्वनाथ राजु काकिनाडा ।
- धश्ववाया वेंकट सत्यक्षारयण राजु काकिनाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवंत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही शर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 29-2-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 544/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्स (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक : ₍₂₄₋₈₋₇₆₎

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन, दिनांक 4 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 80/76-77 :—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रयूटन नायर

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है, जो ईस्ट चालकृटि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चालकृटि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16-1-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्री नमबियालन नमवियालन भट्टनिरिपाड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० हरिहरन

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री एन० मनिश्रय्यर (2) पी० एन० संकरन नमबूतिरि (3) इ० सी० बेबि । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धन्निध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी धन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों थ्रौर पदों का, जो उवत श्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u> सूची

36 Cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 120 dated 16th January 1976,

एस० एन० चन्द्रयूटन नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीखा: 4-9-1976

परूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाड़ा, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

सं श्रार ० ए० सी० नं ० 263:—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कर्मागार है, जो कासिबुग्गा में स्थित है (श्रीर जिससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, कासिबुग्गा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 22-1-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरिक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरिन तियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं, उक्तं श्रिधिनियमं की धारा 269मं के श्रनुसरण में, मैं, उक्तं श्रिधिनियमं की धारा 269मं की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्निलिखितं व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) फिस प्रोडक्टस लिमिटेड, काकिनाडा प्रतिनिधि (1) प्रबन्ध निदेशक श्री बालुम्मल मिक एडवर्ड ग्रौर
 (2) स्युक्त प्रबन्ध निदेशक श्री वि० कृष्णाराव काकिनाडा,

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. मैसर्स परासा ट्रेडर्स एण्ड इनडसर्टीज विसाखपटनम 2. श्रीमित धनकम्मा प्रेन्स पः बि० जे० प्रेन्स, एर्नाकलम
 - श्रीमित सन्तम्मा मेत्थु प: बि० जे० मेन्थु कोचीन-7
 श्रीमित नेल्ली एन्तानी प: बि० जे० एन्तोनी
 - श्री जोसफ प्रेन्को पि: बि० जे० प्रन्को एनिकुलम
 श्रीमित सोन्ना एडवर्ड प: बि० एस० एडवर्ड
 - कोचीन -7 ७. श्री मनिक प्रसाद पि: वि० एस० एडवर्ड विसाख-
 - पटनम 8. श्रीमति बेबी पाली प: बि० पि० पाली काकिनाडा
 - श्रीमति वि० झादिलक्ष्मी प० रामसुब्बाराव श्रनपती साकज
 - 10. श्री वि० प्रदमन भम पि3 वि० एन० एन० मूर्ती
 11. कुमारी रेबेक्का जकरम्मा पि० के० वि० श्रव्रहम
 कुरिश्वर

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो जक्त श्रिक्षिनियम, के श्रध्याय 20क में परि-भाषित, है वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कासिबुग्गा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक श्रन्त 31-1-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 66/76 से निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती ।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रन्ज-III, कलकत्ता

तारीख : 6-9-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की** धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 364~यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उबत श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 233, 107, 106, 231 श्रीर 105 है, जो कापवरम ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सामलकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-2-1976 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिक है श्रीर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जबत श्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- (1) श्रीमती बुर्राचिट्टी कामराजम्मा प० अप्पलाराजु मल्लाम (भ्रन्तरक)
 - (2) 1. श्री देवरपल्ली कासी विश्वनाधम पिः सुरस्न
 - 2. श्री देवरपल्ली वेंकटरमण मृति पि: कासीविस्वनाधम
 - 3. श्री देवरपल्ली सुरन्ना पि: कासीविस्वनाधम
 - 4. श्री क्षेत्ररपल्लो सीताराम चन्द्रमूर्ति पि: कासीविस्वनधम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

हमक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सामल्कोट रिजस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 29-2-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 203/76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज एम वि काकिनाडा

तारीख: 6-9-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 2 सितम्बर, 1976

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 362:—यतः मुझे, बि० वि०-सुब्बाराव

स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूरुय 25,000/— ह० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27/2/271 है, जो मिचलीपटनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 19-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के घ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब उक्त मधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, ग्रर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमति वि० लीलावति
 - 2. वि० एस० एल० नरसिंहाराव विजयवाड़ा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जमि० हनुमन्तराव, मचलीपटनम

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ
 किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री ग्रधिकारी से मही ग्रन्त 31-1-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 53/76 में निगमित ग्रनुसुची सम्पत्ति ।

> बि० वि० सुड्याराय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 2-9-1976

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269भ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 111-204/ग्रर्जन /76-77/1667 :——यतः मुक्ते श्रजय कुमार सिन्हा,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चोत् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी अ सं० 128, वार्ड सं० XVII है, तथा जो वमपास, देवघर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-1-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:——7—256जी०शाई०/76

(1) श्री परिमल चन्द्र घोष बल्द स्व० हरेन्द्र कुमार घोष, 38, पाण्डितिय टेरेस, कलकत्ता-29

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयप्रकाण यादव (नाबालिग) वस्त श्री जगदीण यादव, सा० पुराना भीमा बाजार (कोपाल), देवधर जिला संथालपरगना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जी उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्रर्थ होगा, जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबालगभग 12 कड्डा के साथ मकान जो मोहल्ला वमपास शहर देवघर में है तथा शहर प्लौट सं० 1292 ओ० सं० वार्ड सं० XVII है श्रौर जिसका वर्णन दस्तावेज सं० I/91 दिनांक 8-1-1976 में पूर्ण है।

> अजय कुमार सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, परिक्षेज, बिहार पटना

तारीख: 6-9-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार,

पटना, दिनांक 6 सितम्बर, 76

निदेश स० 111-205/प्रर्जन/76-77/1668 :-- यतः मुझी, ग्रजय कुमार सिंहा,

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिधिक है,

ग्रीर जिसकी स० प्लौट स० 64 एव 246 तथा वार्ड स० 11 है, तथा जो चक्रधरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध भ्रनु-सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 20-1-76

को पूर्वोक्स

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिये तय पाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ हन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनुसरण, में मैं, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन य्यक्तियों, निम्नलिखित श्रथीत्ः— (1) श्रीमित शशका मजरीदेवी जोजे स्व० राजा लक्ष्मी नारा-यण सिंह सा० चक्रधार पुर, जिला सिंहभूम, वर्तमान निवासी, 10 स्टेफेन कोटि, 18/ श्र पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

(2) एम०/एस० छोटाभाई जेठा भाई पटेल एवं० क०, 3 ए०, रूपचन्द राय स्ट्रीट कलकत्ता-६ वर्तमान चक्रधरपुर, जिला सिंहभूम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रधिनियम, के श्रध्याय 20 क में पिर्शाधित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 1.86 एकड़ सहित पुराना मकान जो बार्ड सं०-11 चक्रधरपुर, जिला सिंहभूम में हैं तथा जिसका खाता स० 108 प्लौट सं० 64 एवं 24 6 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 292 दिनांक 20-1-76 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख: 6-9-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 111-206/ श्रर्जन/ 76-77/1669 :—यत: मुझे, श्रजय कुमार सिन्हा

न्नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० वा० सं० 11 है, तथा जो चक्रधरपुर में में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-1-76

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरिक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिति (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उसके बचने में भुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घ्राय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उनत ग्रधिनियम या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित य्यवितयों, श्रर्थात:—— (1) श्रीमित शशंका मंजरी देवी जोजे स्व० राजा लक्ष्मी नारायण सिंह, सा० चक्षधर पुर जिला सिंहभूम, वर्त्तमान 10, स्टेफेन कोर्ट, 18/ग्र०, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता।

(ग्रग्तरक)

(2) एम० /एस० छोटा भाई जेठाभाई पटेल एवं कं०, 3 ए०, रूपचन्द राय स्ट्रीट कलकत्ता-6, वर्त्तमान चक्रधर पुर जिला सिंहभूम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के</mark> लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

पुरानी मकान जो वार्ड सं० 11 चक्रधरपुर जिला सिंहभूम, में है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 801 दिनांक 28-1 76 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख : 6-9-76

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक ग्राधकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 6 सितम्बर 76

निदेश सं० 111-207/श्रर्जन | 76-77 | 1670 :—यतः मुझे, श्रजय कुमार सिन्हा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी प्लौट सं० 67 है, तथा जो चक्रधर-पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-1-76

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्सित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रबं उक्तं ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखत व्यक्तियों ग्रथीत् :— (1) श्रीमती शशंका मंजरी देवी जौजे स्व० राजा लक्ष्मी नारायण सिंह, सां० चक्रधरपुर , जिला सिंहभूम, वर्त्तमान -90, स्टेफेन कोर्ट, 18/अ० - पार्क स्ट्रीट कलकत्ता ।

(भ्रम्तरक)

(2) एम०/ एस० छोटाभाई जंठाभाई पटेल एवं० कं०, 3 ए., रूपचन्द राय स्ट्रीट कलकत्ता-6, वर्समान-चक्रधर पुर , जिला सिंहभूम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 62 डिस मिल जो वार्ड सं० 11 चक्रधरपुर जिला सिंहभूम में हैं,प्लौट सं० 67 है तथा जिसका वर्णन दस्ता-वेज सं० 361 दिनांक 22-1-76 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजेन रेंज, पपिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख: 6-9-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० -

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-II, मद्राप्त-600006

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निवेश सं० 2833/76-77:——यतः मुझे, एस० राजरट-नम श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 14/3 सिवान्नदा नगर है तथा जो कोयम्ब-तूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गान्दिपुरम (डाकुमेन्ट 92/76) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 22-1-1976

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री डाक्टर वी० श्रीरामुलु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० वेलुमनि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों स्नौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० 14/3 सिवाझद नगर, कोयम्बतूर (टी० एस० सं० 11, प्लाट सं० 37, श्रौर टी० एस० सं० 54/5)

एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-9-76

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 5035/76-77:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5, प्लाट सं० 13 ए०, है, तथा जो ग्रीम्स रोड, मद्रांस 6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेन्ट 30/76) में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 19-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है, ग्रौर ग्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रर्भात् :--- (1) श्रीमती कलपथम रामकृष्णन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जेतानन्द बी० खन्ना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 5, प्लाट सं० 13 ए०, ग्रीम्स रोड, मद्रास-6।

एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-9-76

भोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

न्नायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 2855/76-77:--यतः मुझे, एस० राजरटनम म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है थ्रौर जिसकी सं० डोर सं० 23/360, श्रोप्पनकारा स्ट्रीट कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाक्मेन्ट 17/76) में, जे० एस० ग्रार० रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976 को पुर्वोशत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, श्रब उदत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उदत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रणीत्:— (1) श्री डी० गोविन्दन, श्रीमती मानिकम्माल श्रीमती पत्मावती ग्रौर श्रीमती चन्द्रा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० पलनिसामि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत णब्दों श्रीर पदों का, जो उबत ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, श्रोप्पनकार स्ट्रीट, नया डोर सं० 23/360 (टी० एस० सं० 6/1215) में भूमि श्रौर मकान ।

एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-]Í, मद्रास

तारीख : 6-9-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्र<mark>िधिनियम, 1961 (1961 का 43)</mark> की धारा 269-घ (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 2856/76-77:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- स्पए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 6/5 कामराज रोड, कोयम्बतूर, 23 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) में स्थित है (श्रीर हससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० III कोयम्बतूर (डाकुमेंट 128/76) में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख जनवरी, 1976 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त के पद्ध प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य घ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय कर घ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रिधिनियम, या धन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः म्रब उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, म्राथीत्:---

(1) श्री डी० विदय प्रकाश

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० पत्वनाबन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर कृष्नरायपुरम गांव, टी० एस० सं० 10/1086/3 में 23 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) जिसका डी० सं० 6/5 (भाग) कामराज रोड, कोयम्बतूर ।

एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्]ा , मद्रास

तारीख: 6-9-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-U, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 7 सितम्बर 1976

निदेश सं० 2864/ 76-77:—यतः मुझे, एस० राजरटनम, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— क्पए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० होर सं० 1, श्रीनिवास स्ट्रीट, है तथा जो ईरोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० I, ईरोड (डाकुमेंट 164/76) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 23-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से श्रिष्ठक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रान्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धन-कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

8-256 GI/76

(1) श्री एम० शण्मुग सुन्दरम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० संपन्द मूर्ति

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ईरोड, श्रीनिवास मुदलि स्ट्रीट, डोर सं० 1 में भूमि श्रौर मकान (टी० एस० सं० 1353/1, नया वार्ड सं० 25, ईरोड)

एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-9-1976

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 2864/76-77:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिक री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० टी० श्रीनिवास मुदलि है तथा जो स्ट्रीट ईरोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० 1 ईरोड (डाक्मेंट 173/76) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से ग्रिधक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, झब उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्ति :—

(1) श्री एम० पंचाशरम (मैनर) सखणन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० सम्पन्द मूर्ति

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध,
 जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति

 हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हिसबद्ध विसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गव्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ईरोड, 60 श्रीनिवास मुदलि स्ट्रीट डोर सं० 1 (टी० एस० सं० 1353/1 मि०) में भूमि श्रीर मकान ।

एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-9-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निवेश सं० 3500/76-77 — यतः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

धौर जिसकी सं० तिरुचि, के० अपिशोकपुरम गांव, टी० एस० सं० 385 (भाग) में भूमि और मकान में स्थित है (धौर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचि (डाकुमेंट 239 आय सं० 18/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिक्त (अन्तरिको) की बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या निसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- (1) श्रीमती टी० वि० सनिदा देवी श्रौर श्री प्रेम कुमार (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० एल० ए० ग्रन्नामले चेट्टियार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रवाहन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पद्यों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

तिरुचि के० ग्रिबिशेकपुरम गांव, 48-ब्लाक, टी० एस० सं० 385 भाग में 6 भूमि श्रीर मकान (डाकुमेण्ट 239/76 श्राय सं० 18/76)

> एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-मद्रास

तारीख: 6-9-1976

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्राज्ञकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 5046/76-77—यतः मुझी, एस० राजरटनम आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 18/1 ग्रीम्स रोड, मद्रास 6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट 14/76) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः म्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा(1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० ग्रालफ्रेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत ध्यवितयों में से किसी व्यवित होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटि: करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिक्षितियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, ही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मब्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 18/1 में भूमि श्रौर मकान । (श्रार० एस० सं० 41/7 श्रौर 41/8)

> ् एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, मद्रास

तारीख: 6-9-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

(1) श्रीमति के०सी० करुप्पक्काल

(ग्रन्तरक)

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निदेश सं० 2852/76-77--यतः मुझे, एस० राजरटनम ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 43/1 ए, श्रौर 43/2 बी० है तथा जो कारमर्ड गांव, श्रविनाशि सालुका में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजरट्रीवर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मेडुपालयम (डाकुमेंट 1967/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-12-1975

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) श्रन्तरण से हुई विसी श्राय की बाबत उभत श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रम्य भास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, **मर्थात्** :--- (2) श्री रामकृष्णा ग्रावसीजन लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यदितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूथींबत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य ध्यवित होरा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथंहोगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रविनाणि तालुका, कारमैंड गांव, एस० सं० 43/1 ए० श्रौर 43/2 बी० में 8.25 एकड़ की भूमि ।

> एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-9-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० 28/जनवरी/1976 ---- यतः मुझे, जी० रामा-नाथन

भ्रायकर भ्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत भ्रिमित्यम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर सं० 1-बी, प्लाट सं० 4 सी० है, जो स्परटानक रोड, एगमोट, मडरास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो० वेसट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मान प्रति-फल के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भश्चिक है और श्रन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधियनम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269--ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269--घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- (1) श्रीवी० एल० ग्रसरानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शेरिफ सालमेन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, क्षारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर सं० 1 बी० प्लाट सं० 4 सी० स्परटनक रोड, एगमोट मद्रास, भ्रार० एस० सं० 471/1 (भाग) में 1 ग्रोनड 200 स्कोयर पुट का खाली भूमि ।

जी० रामा यन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-9-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० 62/जनवरी/76 — यतः मुझे, जी० रामा-नाथन

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर सं० 1 बी०, प्लाट सं० 4 बी० है, जो स्परटानक रोड, एगमोर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बढ़ श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० धार० श्रो० वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री- करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16 जनवरी, 76

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपक्ष का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरफ के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं 'उक्त श्रधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयनि:--- (1) श्री टी० श्रीनिवासन

(धन्तरक)

(2) श्री गेरीफ़ सांलमन

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यकितयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उबत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

घर सं० 1-बी० प्लाट सं० 4-बी० स्परटानक रोड, एगमोर मद्रास, म्रार० एस० भ्रो० सं० 471 /1 (भाग) में 1 ग्रोन्ड 24 स्कोयर फुट का खालि भूमि।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त</mark> (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-¹, मद्रास

तारीख : 10-9-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

यायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-!, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

निदेश सं० 37/ जनवरी/76 — यतः मुझे, जी० रामा-नाथन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 84/1 है, जो एरसक्कनायक्कन्र ग्राम, मदुरें डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्री० विश्वमन्तर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई, है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधक है ग्रीर ग्रन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अक्षः, अब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुक सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- (1) श्री वी० श्रीनिवासन श्रोर ग्रादि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० राजेन्द्रन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यधाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया भया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 84/1 (पट्टा सं० 123) एरसक्कनायकक्नूर ग्राम चिन्तमनूर, मदुरै डिस्ट्रिक्ट में 3 एकड़ भूमि ।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 4-9-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मन्नास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

निदेण सं० /जनवरी/76—श्रतः, मुझे जी० रामानाथन, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 84/1 है, जो एरसक्कनूर ग्राम मदुरै डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रो० चित्रममूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन जानवरी, 1976 को एर्योक्त सम्पत्ति के उचित हाजार मत्य से कम के क्रयमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रौर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों, को जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—
9—256G1/76

- (1) श्री बी० श्रीनिवासन श्रीर ग्रादि (भ्रन्तरक)
- (2) श्री वी० राजेन्द्रन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पद्दों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्थे सं० 84/1, (पट्टा सं० 123), एरसक्कनायक्कनूर ग्राम, चिननमनूर, मदुरै डिस्ट्रिक्ट में 3 एकड़ (ग्रभिन्न भाग 6 एकड़ें) भूमि ।

> जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-^I, मद्रास्

तारीख: 4-9-1976

प्ररूप ध्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1976

निदेश सं० 42/जनवरी/75~76—श्रतः, मुझे जी० रामानाथन आयकर श्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत श्रधिनयम' वहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रूपए से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 116/7, 116/3, 166/3 एफ०, 166/2 डी० है, जो मीनक्सीपालयन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेलूर (पन्न सं० 41/76) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिप्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रव, उन्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उन्त ध्रधिनियम, की धारा 269 ध की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्रीमती एट्टम्माल ग्रीर तम्ब राज् (ग्रन्तरक
- (2) श्री के० एम० पलानयघ गऊन्डर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष के प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थायर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुवत सब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त श्रिक्षितियम', के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सेलम जिल्ला , नामक्कल तालुक मीनकशी पालयम गांव एस० सं० 116/7, 116/3, 166/1 एफ० ग्रीर 166/2 डी० में 1.59 एकड़ खेती की भूमि।

> जी० रामानाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 4-9-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० 44/जनवरी/76--यतः, मुझे जी० रामानाथन ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्रधिक है म्रौर जिसकी सं० घट सं० 15/3 है, जो मासिलामनि मुदलियार हासटल रोड, वेरुलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० न्नार० म्रो० $^{
m I}$, वेल्लूर में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के म्राधीन जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्रीमती श्रमीना भी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मियानशहीडा बेगम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस, व्यवितयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदा किसी भ्रन्य व्यक्ति क्षारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों स्नौर पदों का, जो उक्त स्राधिनियम, के ऋध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 15/3, मासिलामनी मुद्दिलियार हास्टल रोड, बेल्लूर में भूमि ग्रौर घर 16,583 स्कोयर फूट (टी० एस० सं० 317/2, ग्रौर 316)।

> जी० रामानाय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मग्रास

तारीख: 10-9-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

भीर जिसकी सं० सर्वे सं० 555 है, जो पन्न सं० 51/76 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो० कीलकरैं में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1976

जनवरा, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त प्रश्निनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय अायकर झिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उन्त ग्रधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीतु:—

(1) श्री दसतगीर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रमीरवीन

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

ह्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उबत श्रीक्षितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

सर्थे सं० 555, पत्न सं० 51/76, में खेति की भूमि 9 एक इ. 13 सेनत ।

> जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, मद्रास

तारीख : 10-9-1976

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस० --

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० 47/जनवरी, /76—यतः, मुझे जी० रामानाथन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर सं०-1(नयी वार्ड सं० 3) है, जो श्ररनमने साउथ स्ट्रीट, रामनाथपुरम टाउन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० श्रो० 1 रामनाथपुरम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वस के दृश्यमान प्रति-फल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिप ल वेः पन्ट्रह प्रतिणत से श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उवत श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधनियम या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्:—— (1) श्री वी० सखनपान्डियसामि तेथर

(मन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री एस० एन० रेनगानातन चेट्टियार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध विसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण :--इसमें प्रगुक्त मध्दों स्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के स्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 1, श्ररनमने साऊथ स्ट्रीट, रामनाथपुरम टाउन में एक घर नयी वार्ड सं० 3 (पुराना वार्ड सं० 5) (6322 स्कोयर फुट) और क्षरना

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारीख :10-9-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ' ' '

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० 87/फरवरी/76— अतः, मुझे जी० रामानाथन आयकर भिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनयम', कहा गया है) की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है

भ्रौर जिसकी सं नयी घर सं 2 (नयी वार्ड सं 3) है, जो भ्ररनमने साऊथ स्ट्रीट रामनातपुरम टाउन में स्थित है (भ्रौर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० श्रो०-1 रामनातपुरम्, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन फरवरी, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- (1) श्री कीर्ति गौसामी अलयास पोन्ध्रुसामि तेवट ग्रौर 5 दूसरा (श्रन्सरक)
- (2) श्री एस० एन० गानेसा चेट्टियार (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं०2, धरनमनै साऊथ स्ट्रीट, रामनातपुरम टाउन में एक घर नयी वार्ड सं० 3 (पुराना वार्ड सं० 5) (6367 स्कोयर फुट) गालि भूमि 280 स्कोयर फुट और भरना

> जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

सारीख: 10-9-1976

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० 55/जनवरी/76—अतः, मुझे जी० रामानाथन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० — है, जो एलबमपट्टी ग्राम, तिरूपततूर तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रो० तिरुपततूर , में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत श्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत्:— (1) श्री पी० एस० श्रबदुल सलाम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कोलनवै गोनडर

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्डंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्परक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 203/1, 203/4, 205/2, 207/3, 227/1 (13 एकड़ 74 सेन्ट) एलवंपट्टी ग्रा०, तिरुपततूर तालुका में खेती की भमि।

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, मद्रास

तारीख: 10-9-76

प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० /जनवरी/76—म्प्रतः, मुझे जी० रामानाथन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उबत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 363 (भाग) है, जो तिरुप्पतूर टाउन नार्थ श्रारकाट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो० तिरुप्पतूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी धाय या विसी धन या ध्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घ्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उवत श्रिधिनियम, या धन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातः :— (1) श्री जी० रामनाथ चेटिटयार

(मन्तरक)

- (2) 1. डाक्टर बी० के० सिवप्रकासग
 - 2. वी० के० शनमुगम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्वधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्वधि, जो भी ध्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

टि॰ एस॰ सं॰ 363 (भाग), प्लाट सं॰ 1, 2, 3 श्रौर 4 (10606 3/4 स्कोयर फुट) ग्रार प्लाट सं॰ 7, 8 श्रौर 9 (8585 स्कोयर फुट) ए० डिविशन, वार्ड सं॰ 1, प्लाट सं॰ 16 तिरुपत्र टाउन, नार्थ ग्रारकाड डिस्ट्रिक्ट में घर का खालि भूमि।

जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ब्रु

तारीख :10-9-76 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 57/जनवरी/76—म्प्रतः, मुझे औ० रामानाथन म्रायकर म्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० —— है, जो कुरिसिलापटड ग्राम तिरुपततूर तालुका में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रो० तिरुपततूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी 1976

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रबं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

10-256 GI/76

(1) सर्वश्री 1. ग्रम्मयप्पन

2. मुरुगन श्रीर

सेलबराज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कम्नु (मुता गोन्डर)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पक्षों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सर्वे सं० 181/1बी०, 181/2-बी०, 182/2, कुरिसिलाप्पटङ ग्राम तिरुपततूर तालुका में 4 एकड़ 62 सेन्ट खेली की भृमि।

> जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 10-9-1976

प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 58/जनवरी/76—यत:, मुझे जी० रामानाथन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 18/1-ए० है, जो संकरप्पेरि ग्राम पोलनायकन पेटटै, तुतुकुडि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० ग्रो० II, तुतुकुडि में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- (1) 1. श्री ग्रार० थालगुरुसामि श्रीर
 - (2) श्री भी गुनसुन्दरि श्रम्माल । (श्रन्तरक)
- (2) भ्रमी तेरैंस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 18/1ए०, सन्करपेरि ग्राम, पोल नामकन पेटटैं तूसुकुडि (75 सेन्ट) वार्ड सं० 1 का घर (डाक्मेन्ट सं० 83/76) \

जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 10-9-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 59/जनवरी/76—ग्रतः, मुझे जी० रामानाथन भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

भोर जिसकी सं० सर्वे सं० 1, 2, 13/1,14/1/हैं, जो वी० वेडप्पट्टि ग्राम विलक्तिकुलम, केविलपट्टि तालूका में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रिजस्ट्रार तूर्तिकोरिन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, वा धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री एस॰ पी॰ सुभ्भैया मुद्दलियार श्रौर 4 दूसरा (श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० एस० सिवराज मोहन (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिप्तबद्ध किसी श्रन्य यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्षत शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं। वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 1, 2, 13/1, 14/1, वी० वेडपिट्ट ग्राम, विलाति-कुलम, कोविलपट्टी तालुका में 20.05 हेक्टेयर (3/4 भाग) खेति की भूमि ।

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांक: 10-9-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ

(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Ш, नई दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, विनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू०/III/एस०भ्रार०-II/जनवरी/ 1130/(10)/75-76--ग्रतः मुझे, एस० सी० पारीजा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उबत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से म्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 36, रोड नं० 52, है, सथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9 जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक से है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- किशन सिंह, सुपुत्र श्री बारू सिंह, निवासी 3-सी/6, रोहतफ रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

 श्री शम्शोर सिंह कुकरेजा, सुपुत्र श्री राम सिंह, निवासी ए-25, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ़ीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका नं० 36, रोड नं० 52 पर है, जिसका क्षेत्रफल 1088.88 वर्ग गज है, क्लास 'बी' पंजाबी बाग दिल्ली में चार दीवारी के साथ, मादीपुर गांव के राजस्व एस्टेट, दिल्ली रज्य में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : प्लाट नं० 34 पर बनामकान पश्चिम : प्लाट नं 38 पर बनामकान

उत्तर : रोड नं० 52 दक्षिण : सर्विस लेन

> एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, नई विल्ली

दिनांक: 30-6-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफग्रली मार्ग, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 6 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु॰/I/एस० ग्रार० 3/1067/जन०-1/(16)/75-76--- ग्रतः मुझे सी० थी० गुप्ते ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० ई० 501 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक

16—1—1976
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्स भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः, ग्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत् :— 1. श्रीमती प्रतीभा खुराना बेवा स्व०हरवेल सिंह खुरादा ग्रपने लिए तथा ग्रपनी पुत्री कुमारी रोबिना खुराना के लिए और कुमारी शलीना खुराना के लिए निवासी 23 चावड़ी बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तेजा सिंह खुराना पुत्र लाला खान चन्द, श्री खान चन्द पुत्र श्री सोहन मल श्रीर श्रीमती [हुकम देवी पत्नी लाला खान चन्द द्वारा उनके कानूनी श्रटारनी लाला खान चन्द सभी निवासी 126-डी, नई मंडी, शिरणा (हिसार)। श्री सन्त राम पुत्र स्व० बोध राज निवासी 2060 गंज मीर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खां, दरिया गंज, दिल्ली ।

उक्स सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुखी

प्लाट नं० 501, ब्लाक ई जिसका क्षेप्रफल 248 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :--

उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : सड़क पूर्व / प्लाट नं० ई/499 पश्चिम : प्लाट नं० ई/503

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

दिनांक : 6 सितम्बर, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रश्रीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 9-9-1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आरं०- | 1057/दिसम्बर-II (25)/75-76-प्रतः मुझे, चं० वि० गुप्ते ग्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 24-ए है, तथा जो ब्लाक नं ए० कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपःल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपःल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपःल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है धौर यह कि श्रस्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उमरा अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'जनत अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्री बलदेव भगत, पत्नी श्री पी० सी० भगत निवासी डब्ल्यू०
 ग्रेटर केलाश-I, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्री देवेन्दर कुमार जैन, श्री सतीन्द्र कुमार जैन झौर श्री राकेश कुमार जैन सभी पुत्रगण स्व० श्री सुन्दर लाल जैन निवासी 6549, कुतव रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त भव्यों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का हिस्सा जिसका नं ० ए/24-ए क्षेत्रफल 1004.9 वर्ग गज है जिसका अन्दरूनी हिस्सा बना हुआ है जिसमें सभी प्रकार की सुविधायें उपलब्ध हैं जो कि निवासी कालोनी के गांव जमुराद-पुर दिल्ली में है जो कि मुनिसिपल कारपोरेशन दिल्ली कि हद में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : प्लाट नं॰ ए/25 पश्चिम : प्लाट नं॰ ए/24

उत्तर : सडक

दक्षिण : प्लाट नं० एल/6, एल/7 भ्रौर एल/8

वं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 9 सितम्बर 1976

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1976 4/14क, श्रासफअली मार्ग, नई दिल्ली

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु०-I/एस०आर० III/1083/जन० II/(9)/75-76--श्रतः मुझे, सी० बी० गुप्ते श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रीधिक है और

जिसकी सं० 44-बी० (प्राउन्ड पलोर की दुकान) खान मार्केट, नई विल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रथिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 24-1-1976 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है झौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबस, उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम (वा प्रक्रिक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम (वा प्रक्रिक्त का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्निखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जगदीश प्रसाद पुत्र लाखा भीम सेन निवासी 22, मैन बाजार, लोधी रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)

 श्री सुधीर बावा त्र डा० जी० एस० बाबा निवासी फ्लेट नं० 46 खान मार्केट, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीज होल्ड पुकान नं० 44-बी० (ग्राउन्ड फ्लोर) क्षेत्रफल 489 वर्ग फुट (ज्यादा या कम) जो कि खान मार्केट नई दिल्ली में हैं।

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 9 सितम्बर, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) $% \left(\frac{1}{2} + \frac{1$

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०एक्यू०/II/1216/76-77--श्रत: मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, ब्लाक नं० 33 रोशनम्रारा एक्सटेंशन स्कीम, (शक्ती नगर) दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त स∓पत्ति के उचित बाजार मृत्य से नम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास बरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल या पन्द्रह प्रतिकता से अधिक है भीर भन्तरक (भ्रान्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रशीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथति:— श्री नेम चन्द जैन, सुपुत्न श्री सालीग राम, नियासी 2053, किनारी बाजार, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कान्ता जैन, पत्नी श्री नेम चन्द जैन, निवासी 2053,िकनारी बाजार, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति हैं प्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सदंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रशाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य ध्यवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 7, ब्लाक नं० 33 है, भौर क्षेत्रफल 137.2 वर्ग गज है, रोशनग्रारा एक्सटेंशन स्कीम (शक्ती नगर), दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व : प्लाट नं० 33/9 पश्चिम : प्लाट नं० 33/5 उत्तर : लेन दक्षिण रोष्ट ।

> एस० एन० एल० श्रग्नश्वाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 2 सितम्बर, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)
- ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1
- 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली
- नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1976

निर्वेश सं० श्राई०ए०सी०/एनयु०/II/1217/76-77-भतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल
श्रायफर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से श्रिधिक है भीर

जिसकी सं० प्लाट नं० 40, रोड नं० 5 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रबं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

1. श्री सुरीन्द्र नाथ छावड़ा, सुपुत्र डा० मोहन लाल छाबड़ा निवासी 4875, चौक ग्रहाता किदारा, बाड़ा हिन्दु राव, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बनारसी लाल भाटिया, सुपुत श्री कान्शी राम भाटिया, निवासी मकान नं० 10742, झंडेवालन रोड, नाबी करीम, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रिष्ठितियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं धर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान ओ कि 277.5 वर्ग गज क्षेत्रफल हैं फ्रीहोल्ड प्लाट पर बना हुग्ना है, जिसका नं० 40 हैं, रोड नं० 5, पंजाबी बाग दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व : जायदाद नं० 38 पश्चिम : जायदाव नं० 42 जन्मर : रोड नं० 5

उत्तर: रोड नं० 5 दक्षिण: सर्विस लेन

> एस० एन० एल० श्रग्नघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 2 सिसम्बर, 1976

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु०/11/1218/76-77--श्रतः मुझे, एस० एन० ए ल० अभ्रवाल

न्नायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी०-29 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रत: भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :---

1. श्री तुलसी सिंह पुत्र श्री सन्ता सिंह 20, नोर्थ एवेन्य पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती 2. श्री मदन गोपाल पुत्र मेहता भोला राम शांती देवी पत्नी श्री मदन गोपाल 3. श्री सुरेश कुमार 4. श्री नरेश कुमार सभी पुत्रगण मेहता मदन गोपाल निवासी सी--20 बाली नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 181.3 वर्ग गज जो कि नं० सी-29 बाली नगर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है ।---

उत्तर: खुली हुई जमीन दक्षिण : जायदाद नं० सी-28

पूर्वः सङ्क

पश्चिमः सर्विस लेन

एस० एन० एल० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 14-9-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—— भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक थ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/II/1219/76-77--श्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2755 (नया) ग्रीर 1988 (पुराना) ग्ली राम रूप, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्व रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राथिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् —

1. श्रीमती बिरभो देवी बेवा स्व० श्री डिप्टी मल जैन खुद व एस० पी० ए० 2. श्री नेम चन्द जैन पुत्र स्व० डिप्टी मल जैन 3. श्रीमती शकुन्तला जैन 4. श्रीमती विमला जैन 5. श्रीमती माया जैन सभी पुत्रियां स्व० श्री डिप्टी मल जैन निवासी 2788 गली राजपूताना सब्जी मंडी दिल्ली 6. निरलोक कुमार जैन पुत्र स्व० श्री डिप्टी मल जैन निवासी 2788 गली राजपूताना सब्जी मंडी दिल्ली खद एवं स्पेशल श्रटारनीश्री गियान चन्द जैन पुत्र स्व० श्री डिन्टी मल जैन निवासी 2788 गली राजपूताना, सब्जी मंडी, दिल्ली। (ग्रन्तरक)

- 2. 1 श्री इन्दरमल पुत्न श्री दुर्गा प्रसाद 2 श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र श्री इन्दर मल 3. श्री त्रिज मोहन
- 4. श्री थम्नु मल पुत्रगण श्री प्रभु दयाल सभी निवासी 2755 गली राम रूप, सब्जी मंडी, दिल्ली।
- 3. 1. श्री इन्दर मल

(ग्रन्तरिती)

- 2. श्री रमेश चन्द
- 3. श्री नाथ्राज
- श्री देवी राम प्रसाद
- 5. श्री चन्दगी राम
- 6. श्री प्रेम नारायन
- 7. श्री राम स्वरूप
- 8. श्री बनवारी लाल
- 9. श्री भोपाल सिंह

(वह व्यक्ति जिसके ग्रभिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उवत श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ढाई मंजिल मकान जिसका म्युनिसिपल नं० 2755 (नया) स्प्रीर 1988 (पुराना) जो कि 382 वर्ग गज जमीन पर बना है जो कि रूप राम गली, सब्जी मंडी दिल्ली में है तथा निम्न प्रकार से घरा है:—

उत्तर : दूसरों की जायदाद दक्षिण : दूसरों की जायदाद

पूर्व : दूसरों की जायदाद : गली राम रूप

पश्चिम : दूसरों की जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली ।

दिनांक 14 सितम्बर 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्वेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यु०/।।/1220/76-77-म्रतः मुझे, एस० एन० एल० म्रग्नवाल
म्रायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्राधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के म्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से म्राधिक है भौर जिसकी सं० 9/25(ब्लाक नं० 9) है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से व्याणत है) रजिस्ट्रीकर्ता म्राधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्राधीन दिनांक जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए।

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्री ग्रत्तर सिंह पाहवा पुत्र श्री भगवान सिंह निवासी 9/25 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. सर्वश्री सुशील कुमार जैन श्रीर श्री राज कुमार जैन पुलगण लाला रोशन लाल जैन निवासी 4866 बारा टूटी, फूटा रोड़, विल्ली:

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 1/2 मंजिली जायदाद जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज जिसका नं० 9/25 (ब्लाक नं० 9) ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घरा है:--

उत्तर: सड़क

दक्षिण: सर्विस लेन

पूर्व: गली

पश्चिम : दूसरों के क्वार्टर

एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रज्नं रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 14 सितम्बर, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

4/14क, आसफअला माग, नई दिल्ला नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यु०/II/1221/76-77--श्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल

आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4829/1, प्लाट नं० 45 श्रीर नं० 24 हैं तथा जो दरयागंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है, ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत ग्रिंघक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उनत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :—

- (1)1. श्री सुन्दर सिंह लूथरा
 - श्री सतपाल सिंह लूथरा पुत्रगण
 श्री गुरदीत सिंह निवासी एफ० 1/22, माडल टाउन, दिल्ली।
 - श्री मनजीत सिंह खुराना पुत्र श्री गुरुमुख सिंह खुराना निवासी एफ०-2/15 माडल टाउन, दिल्ली।
 - 4. श्री सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र स्व० श्री प्रीतम सिंह
 - सरदारनी नरेन्द्र कौर पत्नी सरदार जगजीत सिंह आहूजा निवासी 1565-67 चर्च रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
 - सरदारनी मन मोहन ग्रौर पत्नी श्री गुरुमुख सिंह निवासी एफ० 2/15 माडल टाउन दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मैंगो देवी सुपत्नी श्री ग्रजीत प्रसाद, निवासी 2320, धर्मपुरा दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि करीब 180-89 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है जिसका प्लाट नं० 45, जायदाद नं० 4829/1, खसरा नं० 51 है, 24 दिरया गंज, दिल्ली में है । यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 4830 पश्चिम : मकान नं . 4838 उत्तर : प्रहलाद लैन 20' चौड़ी दक्षिण : जायदाद नं० 4837

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज-II, बिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 14 सितम्बर, 1976

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस० ----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ाा, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० 9/ग्रार०-11/कल/76-77--श्रतः मुझे, श्रार० भी० लालमीया

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 32-पी० है तथा जो निउ रोड, श्रालीपुर, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार श्रवं एसुरेन्सेस कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 12-2-76

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) फ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः— 1. श्री महाराज कुमार श्रभय चांद महनाव बहादुर32-डी०, निउ रोड, श्रालीपुर, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

- (1) श्री श्रोम प्रकाश कातोरिया,
- (2) श्रीमती सावित्नी देवी कातोरिया
- (3) श्रीमती सुशिला देवी कातोरिया
- (4) श्री ग्रंजन कुमार कातोरिया4. क्लाईव रोड, कलकत्ता-22।
- (5) श्रीमती भागीरती देवी
- (6) श्रीमती चप्पा देवी कातोरिया
- (7) श्रीमती सोभा देवी कातोरिया
- (8) श्रीमती विमला देवी कातोरिया
- 5. जानकी साहा रोड, कलकत्ता-22।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उसत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेस नं 32 मि निउ रोड, आलीपुर, कलकत्ता अवस्थित 1 विध 1 छढाक 61 स्कीयर फुट जमीन के ऊपर एक इमारत है।

म्रार० भी० लालमीया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 13-9-76 मोहरः प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० 10/श्रार०-II/कल०/76-77-- अतः मुझे श्रार० भी० लालमीया श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1 बी० है तथा जो जानकी साहारोड, कलकत्ता-22 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूपसे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकरी के कार्यालय, रिजस्ट्रार, स्रव एसुरेन्सेस कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्क्त ग्रिधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उम्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उम्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :—

- 1. श्रीमती लक्ष्मी देवी, 1 वी, जानकी साहा रोड, कलकसा (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री सराज कुमार जैन,
 डि०-20, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-1
- (2) श्री मनोज कुमार जैन, 26-ए बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1।
 - (3) श्री प्रदीप कुमार जैन, 14 भ्रालीपुर रोड, नई दिल्ली।
- (े4) श्री श्रनिल कुमार जैन, 2 जानकी साहा रोड, हेस्टिग्स, कलकत्ता-22 । (श्रन्तरिती)
- 3. श्री जदीश राय, 1 बी, जानकी साहा रोड, कलक सा (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुवत शब्दों श्रौर पदों का, जो उवत अधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमिसेस नं ० 1 वी जानकीसाहा रोड, हेस्टिंग्स, कलकत्ता

ग्रार० भी० लालमीया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड,कलकत्ता-16

दिनांक: 13-9-76

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं०टी० ग्रार० 256/सी० 253/कल०—1/75—76—— धतः मुझे, स० क० चक्रवर्ती

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 /- रुपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 27 बी, है तथा जो केमेक स्ट्रीट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सं० गवर्नमेंट प्रेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात् :— 1. श्रीमती पुष्पा देवी गोयन्का

(भ्रन्वरक)

2. श्री देवकी नन्दन घलिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 बी, केमेक स्ट्रीट, फलकत्ता में श्रवस्थिक पांच तल्ला में 1980 वर्ग फिट ओयेंस्टिन वे का 1/6 हिस्सा।

> स० क० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 10-9-76

से श्रधिक है

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकरश्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, 1 कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदण सं० टी० ग्रार० 262/सि०-247/कल-I/75-76-ग्रतः, मुझे, सं० क० चक्रवर्ती ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' क्हा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/-रु०

श्रीर जिसकी सं० 27 बी, है तथा जो केमेक स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से और वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 21-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत श्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिये;

श्रतः ध्रब उनत ध्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथींत:—— 12—256GI/76

1. श्री श्ररविन्द कुमार गोयेंन्का

(ग्रन्तरक)

2. श्री देवकी नन्दन धालिया

(अन्तरितगी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथ। वर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्राय व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों आर्थर पदों का, जो उक्त श्रिक्षितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 बी केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता, में श्रवस्थित पश्चिमी खाड़ी क्षेत्रफल 1980 व०फु० का 1/6 हिस्सा।

> ्स० क० चऋबर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक 10-9-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रीमती सरस्वती देवी गोयेन्का

(भ्रन्तरक)

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, I कलकता 16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० टी० आर०-250/सी०-259/कल०-1/75-76----श्रतः मुझे स० क० चक्रवर्ती

श्रायकर श्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वारा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पये से श्रिकिक है और जिसकी सं० 27 बी,

है तथा जो केमेक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री- कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, 5, गपर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रध्य है और श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) श्रीर श्रन्तरितीं (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उस्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या विसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः ध्रव, उपत श्रधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, मैं, उपत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:— 2. श्रीमली देवकी नन्दन धलिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पण्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 बी, केमेक स्ट्रीट कलकत्ता में प्रवस्थित पश्चिमी खाडी क्षेत्रफल में 1980 वर्ग का 1/6 हिस्सा।

> स० क० चक्रवर्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 10-9-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० टी० श्रार०-253/सी०-254/कल-1/75-76--- श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 27 बी०, है तथा डो केमेक स्ट्रीट में स्थित है (भ्रौर इसके उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस नार्थ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-1-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल रे; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-न ने श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:-- 1. श्री विनय कुमार गोयेन्का

(भ्रन्तरक)

2. श्री देवकी नन्दन धलिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के **अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तरसंदंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तार के से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर संपत्ति में हितबढ़ पिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों र्द्यार पदों का, जो उक्षत श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में यद्या परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

27 बी०, केमेक स्ट्रीट कलकत्ता में **श्रवस्थित, पांच** तल्लामें ग्रभिष्टार्ण बेका 1980 वर्ग फुट 1/4 हिस्सा ।

> एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, कसकत्ता-16

तारीख: 10-9-76

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 - घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० टी० ग्रार० #257/सी०-252/कल-I/75-76—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है छोर जिसकी सं० 27 बी० है तथा जो केमेक स्ट्रीट में स्थित है

श्रीर जिसकी सं० 27 बी० है तथा जो केमेक स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेट प्रेस, नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरितों (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तयपाया गयाप्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उम्त श्रधिनियम, की धारा 269 ग के श्रनु-सरण में, मैं उनत श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा(1) के श्रधीन निम्निखिखत व्यक्तियों, अर्थात:— 1. श्रीमती सुमिता देवी गोयेन्का

(भ्रन्तरक)

2. श्री देवकी नन्दन धलिया

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का, जो उवत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 बी० केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित, पांच तल्ला 1980 वर्गफुट श्रोयेस्टर्ण बेका 1/6 हिस्सा।

> एस० के० चऋवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 10-9-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० टी० ग्रार०249/सी०-258/कल-1/75-76--ग्रतः मुझे, एस० के० चऋवर्ती ग्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जि.से इसमें इसके पक्ष्चात् 'खबत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से

श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 27 बी०, तथा जो केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस (नार्थ) कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पग्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिहिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:— 1. श्रीमती सरस्वती देवी गोयेंस्का

(भ्रन्तरक)

2. श्री गोबिन्द प्रसाद ढालिया, माइनर उपस्थापक पिता देवकीनन्दन ढालिया

(ग्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उषत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी। व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गुचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध विसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ऋधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपस्टोकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का, जो उबत अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1980 स्को० फुट श्रौर जो 27 बी०, केमेक स्ट्रीट, कलकसा पर श्रवस्थित उसका चार तल्ला पूर्वीश जिसका परिमाप 1/6 श्रंश ।

> एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकक्षा

तारीख: 13-9-76

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर ऋधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रॅज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश र्सं० टी० धार० 252/सी०-257/कल-1/75-76--अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती श्रायकर द्राधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्धित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 27 बी है तथा जो केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्रेस (नार्थ), कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से तम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है, और अन्तरिक (अन्तरिकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं वियागया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई वि.सी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—— श्री विसय सुमार गोर्थेकाः

(भ्रन्तरक)

2. श्री गोबिन्द प्रसाद ढालिया, माइनर, उपस्थापक—-पिता देवकीनन्दन ढालिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उपत ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1980 स्को: फुट थ्रौ जो 27 बी॰, केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित चार तल्ला का पुर्बाश जिसका परिमाप उसका 1/4 श्रंश।

एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I. कलकत्ता-16

तारीख: 10-9-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

স্থাতকर মুधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, सलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० टी० आर०-251/सी०-260/कल-1/75-76— श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती श्रायवार श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ध के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/ रु० से शिधक है श्रीर जिसकी सं० 27 यी० है तथा जो केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता

श्रीर जिसकी सं० 27 बी० है तथा जो केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता में रिथत है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से वींणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्रेम (नार्थ), कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-1-76

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ट्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसरो वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिणीत् ;— 1. श्रीमती पुष्प देवी गोयंका

(श्रन्तरक)

2. श्री गोबिन्द प्रसाद ढालिया, माइनर उपस्थापक-पिता देवकी नन्दन ढालिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1980 स्वी० फुट श्रीर जो 27 बी०, केमेक स्ट्रीट, कलकसा पर श्रवस्थित चार तल्ला का पुर्वाश जिसका परिमाप उसका 1/4 श्रंश।

एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 13-9-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

द्यायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-J, कलकत्ता,

कलकत्ता-16, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेण सं० टी० श्रार० 256/सी०-255/कल-1/75-76—- अत: मुझे, एस० के० चक्रवर्ती श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 27 बी० हैं तथा जो केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण इप से वर्णित) है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्रेस (नार्थ) कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त म्रिधिक् नियम, के म्रिधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसरो बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—- श्री अरबिन्द कुमार गोयेंका

(ग्रन्तरक)

2. श्री गोबिन्द प्रसाद ढालिया माइनर उपस्थापक—पिता देवकी नन्दन ढालिया ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भर्जंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1980 स्को० फुट श्रीर जो 27 बी०, केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता पर श्रवस्थित चार तल्ला का पुबर्शि जिसका परिमाप उसका 1/6 अंश।

> एस०के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, कलकता- 16

तारीख: 13-9-76

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस ०----

1. श्रीमती सुमित्रा देवी गोयेंका

(ग्रन्तरक)

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० टी० ग्रार०-255/सी०-256/कल-1/75-76— श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ ६० से श्रिधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० 27 बी०, है तथा जो केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्रेस (नार्थ), कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908) (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-1-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिनित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रोर/ या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 13—256G1/76 श्री गोबिन्द प्रसाद ढालिया, माइनर उपस्थापक ——पिता देवकी नन्दन ढालिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों स्त्रीर पदों का, जो उनत श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

1980 स्को० फुट भ्रौर जो 27 बी०, केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता पर भ्रवस्थित है चार तल्लाका पुर्बाण जिसका परिमाप उसका 1/6 अंश।

> एस० के० चऋवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ¹, कलकत्ता-16

तारीख: 13-9-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई श्रीमती के० जी० पी० श्रायुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 1 सितम्बर 1976 निदेश सं० ग्राई०-3/966/जन० 76—-ग्रतः मुझे ग्रार० जी० नेरुरकर

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/— रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० नं० 99, हिस्सा न० 5 है, जो एकसर बोरीवली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1909 (1908 का 16) के ग्राधीन 15-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उवत ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:—

- श्री बाबी भाई राजाराम पाटिल, एकसर, बोरीवली (प), वस्बई। (ग्रन्सरक)
 - 2. (1) रतीलाल एम० पटेल
 - (2) लल्लूभाई बी० पटेल
 - (3) श्री धीरजलाल बी० गला
 - (4) श्री दयालाल एम० मेहता
 - (5) श्री कालूचंद एच० शाह
 - (6) श्री मूलचन्द के० रंक
 - (7) श्री जेथमल एच० रंक
- (8) श्री बाबू लाल पी० जैन (9) बसंत डी० गला इस्माइल बाग ग्रानंद रोड, मलाड (प०) बम्बई । (ग्रान्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो कि एकसर में स्थित, मौजूद पड़ा है श्रौर पहले बोरिवली तालुका में था, किन्तु श्रव बृहतबंबई में, बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिला व बंबई उपनगर जिले में श्रा गया है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 5 है। यह माप से करीब 2 एकड़ 1 3/4 गुंठा या 9891 वर्गगज श्रथवा 8259 वर्ग मीटर है श्रौर उत्तर की श्रोर जिसका कुछ भाग उस भूखंड से घरा हुश्रा है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 1 है एवं बह वामन गणपत पाटिल का है, श्रौर कुछ भाग उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 99, सिस्सा नं० 4 श्रौर वह गोविंद नारायण कीणी का है। दक्षिण व पिचम की श्रोर उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 95 है श्रौर वह दादाजी सामंत का है। पूर्व की श्रोर उस जमीन से, जिसका सर्वे नं० 99 हिस्सा नं० 3 श्रौर वह विष्णु दामोदर काकर की है श्रौर कुछ भाग जी० वी० नि० की जमीन से, जिसे वल्लभ नगर कहा जाता है श्रौर जिसका सर्वे नं० 98 है। (1/6 हिस्सा)।

श्चार० जी० नेरूरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 1 सितम्बर 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी० श्रायुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002 बम्बई, दिनांक । सितम्बर 1976

निर्देश सं० ग्राई०-3/967/जन० 1976--श्रत: मुझे श्री भ्रार० जी० नेरूरकर आयकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 5 है, जो एक्सर, बोरीवली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-1-1976 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर श्रन्तरिती (म्रन्तरितियो) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, **प्रशांत**:—

- श्री ग्रनुभाई काणीनाथ महत्त्रे एकसर, बोरीवली (प०) गम्बई। (ग्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री रतीलाल एम० पटेल
 - (2) श्री लल्लूभाई बी० पटेल
 - (3) श्रीधीरजलाल बी० गला।
 - (4) श्री दयालाल एम० मेहता
 - (5) श्री कालुचंद एच० शाह
 - (6) श्री मूलचंद के० रंक
 - (7) श्री जेथमल क० रंक
 - (8) श्री बाबू लाल पी० जैन
 - (9) श्री वसंत डी० गला
- (10) ज्ञान चंद बी० गाला इस्माइल बिल्डिंग, ग्रानन्व रोड, मलाड (प०) बम्बई। (ग्रन्तिरती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के श्रर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उधत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो उवत श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन का मैदान का वह तमाम दुकड़ा या भाग, जोकि एकसर में स्थित, मौजूद पड़ा है और पहले बोरीवली तालुका में था, किन्तु बृहत बम्बई में, बांद्रा रिजस्ट्री उप-जिला व बंबई उप नगर जिले में प्रा गया है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 5 है। यह माप से करीब 2 एकड़ 1 दे गुंठा या 9891 वर्गगज ग्रथवा 8259 वर्ग मीटर है और उत्तर की और जिसका कुछ भाग उस भूखंड से घरा हुग्रा, है, जिसका सर्वें० नं० 99, हिस्सा नं० 1 है एवं वह वामन गणपत पाटिल का है, और कुछ भाग उस भूखंड से, जिसका सर्वें नं० 99, हिस्सा नं० 1 है एवं वह वामन गणपत पाटिल का है, और वह गोविंद नारायण कीणी का है। दक्षिण व पश्चिम की श्रोर उस भूखंड से, जिसका सर्वें नं० 95 है श्रौर वह दादाजी सामंत का है। पूर्व की ग्रोर उस जमीन से, जिसका सर्वें नं० 99 हिस्सा नं० 3 श्रौर वह विष्णु दामोदर ठाकर की है श्रौर कुछ भाग जी० वी० नी० की जमीन है, जिसे वल्लभ नगर कहा जाता है श्रौर जिसका सर्वें० 98 नं० है (1/6 हिस्सा)

श्रार० जी० नेरूरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

सारीख: 1**-9-**76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी० स्रायुर्वे<mark>दिक हास्</mark>पीटल विव्हिंडग, नेताजी सुभाष रोड, वम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर 1976

निर्देश सं० श्राई० 3/968/जन० 1976—यतः, मुझे, श्रार० जी० नेरूरकर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 99, हिस्सा नं 5 है, जो एकसर, वोरीवली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हए से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 15-1-1976
को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और ध्रन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या द्रान्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:--

1. श्रीमती जमुनाबाई लक्ष्मन पाटिल, एक्सर, बोरीबली (प०) बम्बई । (श्रन्तरक)

2. सर्व श्री 1. रतीलाल एम० पटेल, 2. लल्लूभाई बी० पटेल, 3. धीरजलाल बी० गला, 4. दयालाल एम० मेहता, 5. कालूचंद एच० शाह, 6. मूलचंद के० रंक, 7. जेथमल के रंक, 8. बाबूलाल पी० जैन, 10. बसंत डी० गला 9. पानचंद ह्वि० गला इस्माइल बाग श्रानंद रोड, मलाड (प्र०) बंबई नं० 64. (श्रन्तरिती)

4. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रापजल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यवितयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उवत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जोकि एकसर में स्थित, मौजूद पड़ा है ग्रीर पहले बोरीबली तालुका में था, किन्तु बृहत बम्बई में, बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिला व बम्बई उप नगर जिले में थ्रा गया, जिसका सर्वे नं० 99 हिस्सा नं० 5 है । यह माप से करीब 2 एकड़ 1-3/4 गुंठा या 9891 वर्गगज श्रथवा 8259 वर्ग मीटर है श्रौर उत्तर की श्रोर जिसका कुछ भाग उस भूखंड से घिरा हुया है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 1 है एवं यह वामन गणपत पाटिल का है, भ्रौर कुछ भाग उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 99; हिस्सा नं० 4 भ्रौर वह गोविंद नारायण गीणी का है । दक्षिण व पश्चिम की श्रोर उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 95 है श्रौर वह दादाजी सामंत का है । पूर्व की ग्रोर उस जमीन से, जिसका सर्वे नं० 99 हिस्सा नं० 3 ग्रौर वह विष्णु दामोदर ठाकर की है ग्रौर कुछ भाग जी० बी० नि० की जमीन है, जिसे वल्लभ नगर कहा जाता है और जिसका सर्वे नं० 98 है (1/6 हिस्सा) ग्रार० जी० बे० ।

> श्रार० डी० नेरूरकर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III बम्बई

तारीख: 1 सितम्बर, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी० श्रायुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002 बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर 1976

निर्देश सं० ग्राई०-3/969/जन-1976—-यतः, भुक्ते, श्रार० जी० नेरूरकर,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उधत म्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 च के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 5 है, जो एकसर बोरीबली में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्ष हरी के कार्यालय, सब रिजिस्ट्रार का कार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-1-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है श्रौर श्रम्तरिक (श्रम्तरिकों) श्रौर श्रम्तरिती (श्रम्तरितियों) के श्रीच ऐमे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उबत श्रम्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उनत श्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--

1. श्री 1. श्रामन हरी महत्रे, 2. तुलसीबाई वामन महत्रे एफसर, बोरीबली (प०) बम्बई (ग्रन्तरक)

2. श्री 1. रतीलाल एम० पटेल 2. लल्लुभाई बी० पटेल, 3. श्रीरज लाल बी० गला, 4.. दयालाल एम० मेहता, 5. काल्चंद एच० शाह, 6. मूलचंद के० रंग, 7. जेथमल के० रंग, 8 बाबूलाल पी० जैन, 9. पन्नचंद बी० गला, 10. वसंत डी० गला, इस्माइल बाग, ग्रानंद रोड, मलाड (प०) अम्बई 64। (श्रन्तरिती)

4. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जोकि एकसर में स्थित, मौजूद पड़ा है भ्रौर पहले बोरीबली तालुका में था, किन्तु श्रब बृहुत् बम्बई में, वांद्रा रजिस्ट्री उप-जिला व बम्बई उपनगर जिले में ग्रा गया है, जिसका सर्वे नं० 99. हिस्सा नं० 5 है। यह माप से करीब 2 एकड़ 1-3/4 गंठा या 9891 वर्गगज ग्रथवा 8259 वर्ग मीटर है श्रौर उत्तर की श्रोर जिसका कुछ भाग उस भूखंड से घिरा हुया है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 1 है एवं वह वामन गणपत पाटिल का है, भ्रौर कुछ भाग उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 4 ग्रौर वह गोविंद नारायण कीणी का है । दक्षिण व पश्चिम की श्रोर उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 95 है श्रौर वह दादाजी सामंत का है । पूर्व की श्रोर उस जमीन से जिसका सर्वे नं० 99 हिस्सा नं० 5 ग्रौर वह विष्णु दामोद्दर ठाकर की है ग्रौर कुछ भाग जी० बी० नि० की जमीन से, जिसे वल्लभ नगर कहा जाता है और जिसका सर्वे न० है (1/6 हिस्सा) भ्रार० जी० बे०।

> ग्रार० जी० नेरूरकर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 1 सितम्बर 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई श्रीमती के० जी० एम० पी० श्रायुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002 बम्बई, दिनांक 7 सितम्बर 1976

निर्देश सं० भ्राई०-3/985/जन-76—यतः, मुझे, भ्रार० जी० नेरूरकर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रुपए से श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 8 (पार्ट), III सी० टी० एस० नं० 488 (1 से 28) टिका नं० 62 है, जो एकसर पहाड़ी गोरे गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के श्रधन, तारीख 22-1-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्स ग्रिशिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या भ्रत्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उपत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:—

 श्री हरिलाल गोर्धनदास सोना बाला, सोनावाला बिल्डिंग, 67, मरीन ड्राइब, बम्बई-20

(भ्रन्तरक)

- राजचंद्र के सागर,
 द्वारा, सरदार बच्चन सिंह
 सरदार बच्चन सिंह चाल,
 ब्लाक नं० 12, सोना वाला मेन रोड, गोरेगांव (पूर्व)
 बम्बई-63।
 - रमेण श्रमृतलाल मेहता,
 विद्या बिल्डिंग पहला माला, प्लाट निं न० 1
 एस० बी० रोड, कांदिवली (प०) बम्बई-67।.
 - 3. जगदीण रामकृष्ण मेहता, 127, जवाहर नगर, गोरेगांव (प०) बम्बई-62
 - 4. महेन्द्रकुमार हिम्मतमल परमार, ए-7, नवजीवन को० ग्राप० हाउ० सो०, 5 वां माला, न्लाक नं० 18, लिमिंगटन रोड, बम्बई-8 (अन्तरिती)
 - कराएदार के ब्रिधिभाग में यह संपत्ति (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'जक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो सोना वाला रोड पर सोनावाला स्ट्री ट में, गोरेगांव (पूर्व), गांव एकसर पहाड़ी, जो पहाड़ी भी कहलाती है, रजिस्ट्री जिला व उप जिला बम्बई नगर व बम्बई उपनगर में स्थित है, माप से 10549 वर्गगज (8820 वर्गमीटर) या उसके श्रासपास है, उस पर खड़ी इमारतों ढोंचों सहित, श्रौर जिसका सर्वे सं० 8 (भाग') 3 (भाग) सी० टी० एस० सं० 488 (1 से 28 तक) टिक्का नं० 62, पहाड़ी गोरेगांव हैं श्रौर इस प्रकार से घरा हुआ है कि पूर्व में या पूर्व की श्रोर सार्वजनिक सड़क है, पिश्चम में या पिश्चम की श्रोर पिश्चम रेल की जायदाद, उत्तर में या उत्तर की श्रोर सर्वे नं० III (भाग) श्रौर दिक्षण में या दक्षिण की श्रोर सर्वे नं० III (भाग) हैं।

श्रार० जी० नेरूरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7 सितम्बर 1976:

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०——— भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई
श्रीमती कें जी एम पी ज्यायुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग
नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर 1976

निर्देश सं० भ्राई०-3/990/जन० 1976—यतः मुझे, भ्रार० जी० नेरूरकर,

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 5 है, जो एकसर, बोरीबली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिक है श्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व भें कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः---

1.1. श्री माऊराव हरी महन्ने, 2. मालतीबाई भाऊराव महन्ने, 3. हेमंत भाऊराव महन्ने, 4. प्रदीप भाऊराव महन्ने, 5. श्ररविंद भाऊराव महन्ने एकसर, बोरीबली (प०) बम्बई (श्रन्तरक)

2.1. श्री रतीलाल एम० पटेल, 2. लल्लू भाई बी० पटेल, 3. धीरजलाल भी० गला, 4. दमालाल एम० मेहता, 5. कालूचंद एच० शाह, 6. मूलचंद के० रंक, 7. जेथमल के० रंक, 8. वाबूलाल पी० जैन, 9. पन्नाचद वी० गला, 10. वसंत डी० गला, इस्माइल बाग, आनंद रोड, मलाड (प०) बम्बई-64 (श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह ध्यक्ति, जिसके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जोकि एकसर भूं-में स्थित , मौजूद पड़ा है श्रौर पहले बोरीबनी तालुका में था, किन्तु ग्रब बृहत् बम्बई में, बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिला बम्बई उपनगर जिले में श्रा गया है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सानं० 5 है । यह माप से करीब 2 एकड़ 1 3/4 गुठा या 9891 वर्गगज भ्रथवा 8259 वर्ग मीटर है श्रौर उत्तर की स्रोर जिसका कुछ भाग उस भूखंड से घिराहुस्रा है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 1 है एवं वह वामन गणपत पाटिल का है, श्रीर कुछ भाग उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं । 99, हिस्सा नं० 4 श्रौर वह गोविंद नारायण कीणी का है । दक्षिण व पश्चिम की फ्रोर उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 95 है ग्रौर वह दादाजी सामंत का है । पूर्व की ग्रोर उस जमीन से, जिसका सर्वे नं० 99 हिस्सा नं० 3 श्रौर वह विष्णु दामोदर ठाकर की है श्रौर कुछ भाग जी० बी० नि० की जमीन से, जिसे वल्लभ नगर कहा जाता है भौर जिसका सर्वे नं० 98 है (1/6 हिस्सा)।

> श्रार० जी० नेरूरकर स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 1-9-76

प्ररूप थाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी० श्रायुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002 बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर 1976

निर्देश सं० ग्राई०-3/991/जन०-1976—यतः, मुझे ग्रार० जी० नेरूरकर,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 5 है, जो एक्सर, बोरीबली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्टार का कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उयत श्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाधत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: ग्रब, उनत श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निःनलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :--

हीराजी हरी महत्ते, 2. जानकीबाई हिराजी पहत्ते, 3. हरीश हीराजी महत्ते, 4. रेखा हीराजी महत्ते, 5. प्रतिलाहिरा महत्ते, 6. नंदा हीराजी महत्ते एकसर बोलीबली (प०) बम्बई

2. श्री 1. रतीलाल एम० पटेल, 2. लल्लुभाई बी० पटेल, 3. धीरजलाल बी० गला, 4. दयालाल एम० मेहता, 5. कालूचद एन० शाह, 6. मूलचंद के० रंक, 7. जेथमल के० रक, 8. बाबूलाल पी० जैन, 9. पन्नाचद वी० गला, 10. वसत डी० गला, इस्माइल बाग, ग्रानंद रोड, मलाड (प०) वस्वई-64

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति **के प्रर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - - इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जोिक एकसर में स्थित है, मौजूद पड़ा है और पहले बोरीबली तालुका में था, किन्तु प्रव बृहत बम्बई में, बांद्रा रिजस्ट्री उप-जिला में बम्बई उपनगर जिले में था गया है, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 5 है, यह माप से करीब 2 एकड़ 1 3/4 गुंठा या 9891 वर्गगज अथवा 8259 वर्ग मीटर है और उत्तर की घोर जिसका कुछ भाग उस भूखंड से घरा हुग्रा है, जिसका 'सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 1 है एवं लह वामन गणपत पाटिल का है, और कुछ भाग उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 99, हिस्सा नं० 4 और वह गोविद नारायण कीणी का है। दक्षिण पश्चिम की घोर उस भूखंड से, जिसका सर्वे नं० 95 है और वह वादाजी सांमंत का है। पूर्व की छोर उस जमीन से जिसका सर्वे नं० 99 हिस्सा नं० 3 और वह विष्णु दामोदर ठाकर की है और कुछ भाग जी० वी० नि० की जमीन से, जिसे बल्लभ नगर कहा जाता है और जिसका सर्वे नं० 98 है (1½ हिस्सा)।

आर० बी० नेरूरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 बम्बई

ता**रीख**ः 1-9-76

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-1, बम्बई
ध्रायबेंटिक धास्पीटल बिल्डिंग.

श्रायुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002 बम्बई दिनांक 2 सितम्बर 197

निर्देश सं० श्राई०-1/1492-6/जन०-76—यतः, मुझे, वी० श्रार० श्रमीन,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रपये से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० एन० नं० 7261, सी० एस० नं० 127 का कांबाला मलबार्ड हिल डिवीजन है, जो वालकेण्वर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रवि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

श्री प्रवीनचद द्वारिकादास

(ग्रन्तरक)

2. पमीर को० भ्राप० हाउ० सो० लि०

(ग्रन्तरिती)

1. श्री मध्कांत एन० शाह

- श्री हरगोविद दासं बी० हैंसागर श्रौर श्रीमती इंदिरा बेन एच० सागर
- 3. श्री बाब्लाल एम० जाजू 🕽
- श्री पोपटेलाल एम० शाह भीर श्री वसंतलाल पी० शाह

14-256जीआई/76

- 5. श्री बालभाई मोहनलाल
- 6. श्रीमती ग्रंजुलाबेन मंजुलाबेन जयन्तिलाल ग्रीर श्री जयन्तिलाल के० बोरा
- 7. श्रीमती हीरालक्ष्मी जे० मोदी
- 8. श्री चन्द्रलाल एम० गांधी
- 9. श्री जयेन्द्र धीरजलाल
- 10 श्रीमती पद्मावती धीरजलाल
- 11. श्री महेश डी० झवेरी
- 12 श्रीमती मंगला गौरी द्वारकादास
- 13. श्री दिलीप कुमार डी० दलाल
- 14. श्री चन्द्रकांत जी० पटेल

(यह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही श्रथें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

पूर्व स्वामित्व की जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी वाड़ियों, किराए के भावासों का निवास घरों सहित, जो बालकेश्वर , बम्बई द्वीप भौर रजिस्दी उप-जिले में स्थित, मौजूद पड़ा हुन्ना है, ताज पैमाइश से चार सौ दस वर्ग गज यानी 340.80 वर्ग मीटर के बराबर या ग्रासपास थोड़ा कम या ज्यादा हो सकता है, श्रीर भूराजस्व कलक्टर के यहां पुराने सं० 39 श्रीर नए सर्वे नं० 7261 से दर्ज है श्रीर जिसका मलबार हिल डिवीजन कलेक्टर सर्वे नं० 127 है, एवं महानगर पालिका द्वारा डी० वार्ड नं० 3120 स्ट्रीट नं० न० 258.60 वालकेश्वर रोड के श्रधीन निर्धारित होता है भ्रौर उत्तर-पश्चिम की भ्रोर नाथुराम राम नारायण प्रा० लि० की जायदाद, उत्तर-पूर्व की श्रोर कुर्बेलिया राजस्व श्रीमती नर्वादाबाई केशवजी की जायदाद, पश्चिम की श्रोर नवी चाल, श्रौर वक्षिण की ग्रोर श्रीमती मंगलागौरी द्वारका दास एवं ग्रन्य टास्टियों की गंगा निवास नामक जायदाद से तथा पूर्व की ग्रोर बालकेश्वर रोड से घिराहुआ। है। 🖁

> ्वी० ग्रार० ग्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 2 सितम्बर 1976 मोहर : प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई श्रायुर्वेदिक श्रस्पताल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-2 बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निर्देश सं० म्राई०-1/1507-11/जन०-76---यतः, मुझे, वी म्रार० म्रमीन,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ए० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 940 ए० वार्ड नं० 23 डी० फोड डिवीजन है, तथा जो डा० डी० एन० रोड बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत :——

- 1. बीना इनवेस्टमेंट्स प्रा० लि० (अन्तरक)
- 2. गैलानी कन्स्ट्रकसन्स कं० प्रा० लि०

(अन्तरिती)

- 3. 1. डा० एस० बी० शिरवियाकर
 - 2. श्री जांन सोलोमन
 - 3. श्री कस्तूरी लाल ए० भाटिया
 - 4. श्री ग्रहम डी० भाटिया
 - 5. श्री जहांगीर डी० मानजी
 - 6. श्री सिलवर जुबली कुल्ब
 - 7. श्री ताहेर नायब सोनी
 - 8. श्री जभील भ्रहमद
 - 9. श्री ग्ररशद हसैन
 - 10. श्रीमती श्रनवरी श्रलीम श्रौर श्री वली । (जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिप्तश्रद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्वामित्त पट्टे की जमीन या मैवान का यह तमाम टुकड़ा, या भाग उस पर स्थित "डसवर हाऊस" नामक ताडी किराए के ग्रावास का निवास घर सहित जो दादाभाई नीरोजी रोड पर मौजूद है, नाप से 156 वर्ग गज यानी 130.43 वर्ग मीटर या उसके ग्रास पास है भ्रौर रजिस्ट्री उप-जिला, बम्बई नगर व बम्बई उप नगर में स्थित है ग्रौर जिसका कंडेस्ट्रेल सर्वे नं० 940, फोर्ट डिबीजन ग्रौर महानगर पालिका ए-वार्ड नं० 2360, स्ट्रीट नं० 197-198 है।

वी० ग्रार० ग्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10 सितम्बर 1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुदत (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं 141/76- 77/एसीक्यू--यतः मुझे, एस० नरसिंहन, ध्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1977 है, जो गणपत गल्ली, बेलगम में स्थित है श्रोर इंससे उपाबक ध्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बेलगम

प्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1977 है, जो गणपत गल्ली, बेलगम में स्थित है घोर इससे उपाबक धनुसूची में घोर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम डाक्युमेंट नंबर 3227 के घन्तर्गत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. (1) श्री केणय हनुमंत जमखंडी
 - (2) श्री ग्रानंद केशव जमखंडी
 - (3) श्रीश्रीनिवास केशव जमखंडी
 - (4) श्री वेंक्रटेश केशव जमखंडी, सभी महादेव गल्ली, बेलगम के रहवासी (ग्रन्तरक)
- श्री रामचन्द्र हनुमंत जाधव मार्फत मेसर्स, रामचंद्र हनुमंत जाधव पुस्तक व्यापारी श्रीर प्रकाशक गणपत गल्ली, बेलगम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी। करके पूर्वोक्त संपत्ति के <mark>धर्जन के लिए।</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थिर घ्रास्ति जिसमें दुकान, गोडाऊन, खाली जगह है जिसके सर्वे नंबर 1977 है, जिसका विस्तीण 156 चदरयार्ड है, जो गणपत गली बेलगम में उपस्थित है।

> एस० नरसिंहन् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 13-9-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०~~~-

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, धारवाड़ कार्यालय

धारवाड़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 140/76-77/ए० सी० क्यू--यतः, मुझे, एस० नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269 ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उच्चित बाजार मृक्य 25,000/— रुपए से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० लेंड रिजस्टर नं० 20781 (पणजी) है, जो गोवा बेलह में स्थित है श्रीर (इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पणजी में डाक्युमेंट नं० 15 के अन्तर्गत तारीख 6-1-1976 के दिम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्राधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
 - स्व) ऐसी कसी भ्राय या विसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उवत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- श्री फिलिप कस्टोडियो लोबो और उसकी पत्नी श्रीमती
 मेरिया पाल्मीरा मार्सेलिना लोबो समोलिम, बार्डेझ (गोषा)
 के रहवासी । (श्रन्तरक)
- 2. श्री दशरथ यशवंत सावंत वेरेम, रीस भगोस, बार्डेझ, गोवा । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उम्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविधाया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थिर श्रास्ती जिसमें नारियल के पेड, रहने का घर, नौकरों का घर जो उप जिला इल्हास (गोधा) के गोबा बेलहा में उपस्थित हैं 'श्रोन्लीचेम भाट'' या "फागोसो भाट'' नाम से कहलाया जाता है श्रौर जिसकी सीमाएं इस प्रकार के हैं:—— पूर्व दिशा में——जगह जिसके मालिक कृष्णा सिनाय थे, श्रब एस० जे० कामत संकवलीकर है।

पिष्चम दिशा में—-भमुनिडेड गोत्रा वेल्हा के पेडी का खेत । उत्तर दिशा में--- अन्तर भाग का बचा हुद्या जगह जो 'श्रोन्लीचेम भाट" कहलाया जाता है ।

दक्षिण दिशा में -- प्रगासिम -- पणजी सार्वजनिक रास्ता ।

एस० एन०निरसहन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 13-9-1976 :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd August 1976

No. P/1876-Admn.I.—On transfer from the Government of Maharashtra, Smt. Rani Jadhav, an officer of the I.A.S., assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 11th August, 1976, until further orders.

A. N. KOLHATKAR Under Secy. Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS) ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 13th August 1976

No. 25/4/76.—The following Assistant Enforcement Officers have been appointed to officiate as Enforcement officers in this Directorate w.e.f. the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :—

	Name			Place of posting	Date of assumption of charge		
	S/Shri				·		
1.	S. L. J. Gallyo	t	-	Bombay	29-7-76	(FN)	
2,	S. L. Haldar			Varansi	26-7-76	(AN)	
3.	Gokal Chand			Jaipur	19-7-76	(FN	
4,	G. S. Sood			Calcutta	17-7-76	(FN	
5.	Sahdey Gupta			Jullundur	19-7-76	(FN	
6.	R. K. S. Nim			Jullundur	12-7-76	(FN	

J. N. ARORA Deputy Director (Admn).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st September 1976

CORRIGENDUM

No. O-II-31/76-Estt.—Para 2 of this Directorate General notification of even number dated 24-7-76 may please be amended to read as under:—

Shri Trivedi took over charge of the post of D.I.G. in the office of I.G.P. Sector II, C.R.P.F. Calcutta on the forenoon of 7th July 1976.

The 2nd September 1976

No. A.VI-9/76-Estt.—Shri R. N. Agarwal, Office Supdt. of the C.R.P. Force is promoted as Section Officer on ad-hoc basis in the Directorate General, C.R.P. Force, New Delhi with effect from the forenoon of 31-7-1976.

No. O-II-237/69-Estt.—On the expiry of 89 days LPR granted to him, Shri Boor Singh, Dy. S.P. (Coy. Comdr.) 36th Bn., C.R.P.F. will stand retired from Govt. service w.e.f. the afternoon of 5-11-1976,

The 6th September 1976

No. O.II-1048/75-Estt.(CRPF).—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Choudhury Kshirod Chandra Das, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on *ud-hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the foremon of 21st Aug., 1976.

No. O-II-906/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Saroj Kumar Mohapatra, J.M.O. 12th Bn. C.R.P.F. w.e.f. the afternoon of 2nd July 1976.

The 8th September 1976

No. O-II-972/74-Estt.(CRPF).—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Kailash Chandra Panda, J.M.O. 40th Bn., C.R.P.F. w.e.f. the forenoon of 17th June, 1976.

No. O-II-985/72-Estt.—Consequent on the expiry of LPR for 89 days, Shri Nawal Singh Dy. S.P. (Coy. Comdr.) 22nd Bn. CRP Force retired from Govt. service on the atternoon of 3-8-1976.

The 9th September 1976

No. T-IX-9/76-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Subedar Vasdev Bhanot as Dy. S.P. (Coy. Comdr./Q.M.) in the CRPF w.e.f. the forenoon of 29-7-76 in a temporary capacity against a short term vacancy until further orders.

2. He is posted to 1st Sig. Bn., CRPF and has taken over charge of his post on the forenoon of the same date.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th September 1976

No. 11/10/76-Ad.I.—In continuation of this office notification No. P/K(1)-Ad.J dated, 28th February 1976, the President is pleased to continue the reemployment of Shri H. S. Kwatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1st September 1976.

No. 11/10/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical), as Deputy Director of Census Operations, in office of the Director of Census Operations, Delhi, on an ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 28th August, 1976 upto the 28th February, 1977.

The headquarters of Shri Jagdish Singh will be at Delhi.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 4th September 1976

No. 779/A.—The undersigned hereby appoints Shri S. T. Pawar, Inspector Control, C.N.P., Nasik Road (Class III non-Gazetted), to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted post) in New Currency Note Press in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the leave vacancy of Shri S. V. Chandwadkar, Dy. Control Officer with effect from 3-9-1976.

No. 780/A.—The undersigned hereby appoints the following Inspectors Control (Class III non-Gazetted), India Security Press, Nasik Road as Deputy Control Officers (Class II Gazetted post) in India Security Press, in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on short-term officiating basis with effect from 2nd September, 1976.

- 1. Shri I, H. Sayyed
- 2. Shri R. Venkataraman

N. RAMAMURTHY Sr. Dy. General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 26th August/3rd September 1976

No. Admn.I/5-5/Promotion/76-77/1543.—The ant General, Central Revenues, New Delhi has appointed Shri K. B. Mathur, permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200 w.e.f. 24-8-1976 (F.N.).

The 26th August/4th September 1976

No. Admn.I/5-5/Promotion/76-77/1531.—The Accountant General, Central Revenues, New Delhi has appointed Shri N. K. Nagar, permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200 w.c.f. 23-8-1976 (F.N.).

The 8th September 1976

No. Admn. I/5-5/Promotion/76-77/O.O. 95/1591.—Consequent upon his attaining the age of superannuation (58 years), Shri O. P. Tyagi, A.O. (Permanent) of this office retired from Government Service w.e.f. 31-8-76 (A.N.).

His date of birth is 1-8-1918

H. S. DUGGAL Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 9th August 1976

No. ESI/A4-76-77/391.—Shri K. S. Venkatasubba Rao, Officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Karnataka Bangalore is appointed in substantive capacity in the grade of Accounts officer with effect from 1-7-76 in the same office.

D. H. VEERAIAH Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 31st August/7th September 1976

No. Admn.I/1038-IV/2712.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from 1-9-76 or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts officer in this office until further orders:—

S/Shri

- 1. Nani Gopal Chakraborty
- 2. Sudhir Chandra Halder
- 3. Swadesh Ranjan Bhattacharjee.

Shri Sudhir Chandra Halder on being released by D.A.G. (Admn.) office of the A.G. Central may report to Sr. Deputy Accountant General (Admn.) of this office to take over his new assignment as Accounts Officer in this office.

The inter-se-seniority of the officers will be indicated in due course and will not depend on the dates of taking over charge as Accounts Officers.

GHANSHIAM DAS
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)
West Bengal

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 2nd September 1976

No. Estt.A/V/VII/9-86/Vol.II/132.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the following permanent Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers in the same office with effect from the dates shown against each, until further orders.

- 1. Shri Abraham Thomas-31-8-1976 A.N.
- 2. Shri P. V. Sebastian-31-8-1976 A.N.

R. S. AIER Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, COMMERCE, WORKS & MISCELLANEOUS

New Delhi, the 6th September 1976

No. Admn.I/2(4)/2671-80.—The Accountant General, Commerce, Works & Misc., New Delhi has been pleased to promote on temporary and provisional basis Shri G. S. Mittal, Permanent Section Officer as an Accounts Officer in the office of the A.G.C.W. & M., New Delhi with effect from 11-8-76 (F.N.) until further orders.

B. B. DEB ROY Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH II

Gwalior, the 7th September 1976

No. OE VI/PF-NSK/1069.—Shri Narayan Shankar Rao Kapse a permanent Accounts Officer, in the office of the Accountant General, Madhya Pradesh II, Gwalior, retired from Govt. service on attaining the age of superannuation, w.c.f. 31-8-76 (A.N.).

M. M. NARSINGHANI Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, NORTHERN RAILWAY

New Delhi-110001, the 8th September 1976

No. Admn/17-14/72.—Shri Om Narain Kapoor, Section Officer (Audit) a permanent member of subordinate Railway Audit Service is appointed to officiate as Audit Officer at Railway Electrification Allahabad and R.D.S.O. Lucknow w.e.f. 23rd July 1976 (F.N.) until further orders.

K. S. RANGAMURTI Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE

CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 6th September 1976

No. 18360/AN-II.—On his selection for appointment to the Indian Administrative Service, Shrl M. L. Tayal, Assistant Controller of Defence Accounts, has been struck off the strength of the Department with effect from 10-7-1976 (AN).

The 8th September 1976

No. 18258/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri C. G. Ramanathan, Assistant Controller General of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 28-2-1977 (AN).

(2) Shri C. G. Ramanathan has been sanctioned leave pending retirement with effect from 1-11-76 to 28-2-77.

CORRIGENDUM

(3) Notification bearing this office even No. dated 13-7-76 published in the Gazette of India No. 33 dated 14-8-76 in

Part III, Section 1 page 7123 in respect of Shri C. G. Ramanathan, A.C.G.D.A., is hereby cancelled.

No. 18225/AN-II.—On attaining the age of 52 years, Shri S. P. Khanna, Assistant Controller General of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-3-77 (AN).

P. K. RAMANUJAM
Additional Controller General of Defence
Accounts (Admin.)

New Delhi, the 31st August 1976

No. 40011(2)/76/AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Ser Nu	ial mber	Name with Roster No							Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
	Sarvasi	hri									
1.	M. Para	meswaran Nair (P/127)	•	•			•	•	Permanent Accounts Officer.	31-10-1976	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
2.	Gauri Sl	hankar Mathur (P/412)	•	•	•	•	٠		Permanent Accounts Officer.	31-3-1977	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun—on deputa- tion with 1ARI, New Delhi.
3.	K. C. M	iani (P/479)	-	٠	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer,	31-3-1977	Controller of Defence Accounts (Air Force) —On deputation with NCC Directorate, Kerala, Trivandrum.
4.	S. H. Da	amle, (P/494)	٠				٠	1	Permanent Accounts Officer.	31-3-1977	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
5.	Bhagat l	Ram Sharma (P/632)	•	٠		•	٠	•	Permanent Accounts Officer.	31-3-1977	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun,
6,	Dharam	Bir Abrol (O/251) .	٠				•		Officiating Accounts Officer.	31-1-1977	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.
7.	K. K. N (NYA)	celakantan		•	•	•	•	-	Officiating Accounts Officer.	31-1-1977	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.

⁽²⁾ Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) Civil Service Regulations, Volume I, Shri T. S. Vaideeswaran, Officiating Accounts Cffeer (Rester No. 0/85) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of 28th February, 1977.

- Shri T. S. Vaideeswaran has been granted carned leave for 42 days from 1-3-77 to 11-4-77 and half pay leave for 110 days from 12-4-77 to 30-7-77 beyond the date of voluntary retirement under Rule 39(6) of the Central Civil Services (Leave) Rules 1972.
- (3) The following is added as sub para to para (2) of this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 2-6-76:—
 - "Shri P. N. Srinivasan has been granted 17 days earned leave from 10-5-76 to 26-5-76 and Half pay leave for 106 days from 27-5-76 to 9-9-76 beyond the date of voluntary retirement under Rule 39(6) of the Central Civil Services (Leave) Rules 1972".
 - S. V. SUBRAMANIAN Dv. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 2nd September 1976

No. 66/76/G.—On attaining the age of superannuation, the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each:—

- Shri N. C. Sengupta, Offg. O.S. (Permt. A.S.O.—31st July 1976 (Λ/N).
- Shri D. P. Srivastava, Permt. O.S.—31st July 1976 (A/N).

The 6th September 1976

No. 67/76/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, Shri K. M. G. Nair, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th June, 1976 (A/N)

No. 68/76/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, Shri Lucas Reis, Subst. and Permt. Manager, retired from service with effect from 30th April, 1976 (A.N.),

No. 69/76/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. R. Irani, Offg. Asstt. Manager (Subst. and Permt. Foreman), retired from service with effect from 31st May, 1976 (A.N.).

> M. P. R. PILLAI Asstt. Director General, Ord. Fys.

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad, the 3rd September 1976

No. 2A(2)76-Adm.I/18926.—Shri Jai Prakash has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in the Directorate-General of Mines Safety on probation for two years with effect from the forenoon of 16th June.

(Sd./-) ILLEGIBLE Director-General. PARTIES OF THE PROPERTY OF THE

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/755/65-Admn(G)/5663,-Shri B. N. Ramarathnam, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay who was on deputation to Santa Cruz Electronic Export Processing Zone, Bombay expired on 13-7-1976

> A. S. GILL Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (DEPARTMENT OF SUPPLY)

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 1st September 1976

No. A-1/1(886).—Shri N. L. Parmeswaran, permanent Dock Inspector and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1976 under FR. 56(k).

No. A-1/1(1054).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri Dev Raj, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same Die. General at New Delhi with effect from the forenoon of 6th August, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri Dev Raj as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

> K. L. KOHLI Deputy Director (Administration)
> for Director General, Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 6th September 1976

No. A-1/1(485).—The President is pleased to appoint Shri C. A. Venkateswaran. Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Assistant Director (Grade I) in the same Dte. General with effect from the forenoon of 13th August, 1976.

2. Shri Venkateswaran will be on probation for one year from 13-8-76 to 12-8-77.

K. L. KOHLI Deputy Director (Administration)

(Admn. Sec. A-6)

New Delhi, the 26th August 1976

No. A-6/247(58)/57-II.—On reversion from Grade II of IIS (Engg. Branch) Group A to the grade III of this service, Shri M. C. Aich relinquished the charge of the post of Dy. Director of Inspection (Engg.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Inspection Circle Calcutta from the forenoon of 11-6-76.

The 1st September 1976

No. A-6/247(414).—Shri M. R. Alvi, a permanent Examinor of Stores (Engg.) and officiating Asstt. Inspecting Officer of this Directorate General of Supplies and Disposals who was on deputation to ISM London as Technical Officer (Grade III) has been dismissed from Govt. service.

The 6th September 1976

No. A-6/57(8).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officiating Assistant Inspecting Officers (Met.) substantively against the permanent posts of Asstt. Inspecting Officers (Met.) with effect dates noted against each :-

S. N	o. Name								Post held at present	Permanent post in which appointed substantively	Date of substantive appointment
1	2		 			 			3	4	5
	S/Shri		 			 					
1.	C. P. Sinha	•		•	•		-	•	Asstt. Inspecting Officer (Met.)	Asstt. Inspecting Officer (Met.)	12-8-1965
2.	S. K. Nag								Do.	Do.	1-4-1969
3,	R. K. Palit								Do.	Do.	23-12-1969
4.	S. Sen Gupta								Do.	Do.	Do.
5.	M. M. Bagchi								Do.	Do.	Do.
6.	A. K. Majumdar	•							Do.	Do.	Do.
7.	S. K. Majumdar								Do.	Do.	Do.
8.	D. K. Paul								Do.	Do.	Do.
9.	K. S. K. Raman								Do.	Do.	Do.
10.	V. Srinivasulu								Do.	Do.	Do.
11.	P. K. Guha					_			Do.	$\mathbf{D_0}$.	Do.
12.	A. K. Chatterjee	;	•	-	-				Do.	Do.	Do.

1	2									3	4	5
	S/Shri						~		_	Asstt. Inspecting	Asstt. Inspecting	23-12-1969
13.	R N. Puri									Officer (Met.)	Officer (Met.)	
14.	C. S. Bhari .									Do.	Do.	Do.
15.	S. S. Sharma									Do.	Do.	Do.
16.	K. P. Pillai .			·						Do.	Do.	Do.
17.	M. M. Sarkar		-							Do.	Do.	Do.
18.	P. Chatterjee .	•	•							Do.	Do.	Do.
19 .	B. K. Das		•			Ċ				Do.	Do.	15-7-1971
20.	A. S. Rana .	•			_		-	_		Do.	Do.	Do.
21.	C. K. S. N. Rao.		•							Do.	Do.	Do.
22.	V. Raghavindiram		•	•			Ċ	Ċ		Do.	Do.	Do.
23.	R. S. Dubey		•	•	-				_	Asstt. Director	Do.	17-1-1974
٠.	11.01.12430)	•	•	•	•	•	-	-	-	Inspection (met.)	- **	
24.	S. D. S. Rawat .								_	Asstt. Inspecting	Do.	29-1-1974
_ 7.	D. D. D. MIWAL	•	•		•	•	•	•	•	Officer (Met.)	20.	20 (10)
25	B. M. Khurana									Do.	Do.	1-11-1974

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
For Director General of Supplies and Disposals

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 6th September 1976

O.O. No. Admn(CDN)/35.—On attaining the age of Superannuation, Shri I. J. Chawla, a permanent Accounts Officer in the Office of the Chief Controller of Accounts, Department of Supply, New Delhi has refired from service with effect from the afternoon of 31-8-76.

P. P. GANGADHARAN Chief Controller of Accounts

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the

September 1976

No. El-2(2)/71.—Shri Sudhir Kumar Chandra, Superintendent, is hereby appointed to officiate in the post of Deputy Assistant Iron & Steel Controller with effect from September 1, 1976 (F.N.) vice Shri Sunil Kumar Roy, proceeded on leave.

T. GHOSH Iron & Steel Controller

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 1st September 1976

No. C-5132/579-A.—Shri Radhey Shiam Sharma, officiating as Establishment and Accounts Officer, Surveyor General's Office, Survey of India (Group 'B' Service) is confirmed in his appointment with effect from 1st December 1975.

The 2nd September 1976

No. E1-5132/825-Officers.—Shri Parimal Das Gupta, retired Assistant Head Engraver, Eastern Circle in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in Group 'B' (Non-Gazetted) is re-employed as Assistant Head Engraver @ Rs. 650/- p.m. reduced by Rs. 92/- on his re-employment in the Engraving Section, Eastern Circle, Survey of India, Calcutta w.e.f. 13-4-1976 (FN) for a period of 3 months upto 12-7-1976 (AN).

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 4th September 1976

No. F.70-2/74-Estt./16312.—On the recommendation of the D.P.C., Smt. Manika Guha, Senior Zoological Assistant, working as Assistant Zoologist on ad-hoc basis in the Zoological Survey of India, is appointed to officiate as Assistant Zoologist in the same Department with effect from 12th August, 1976, on regular basis in the scale of pay of Rs. 650—1200, until further orders.

DR. S. KHERA Joint Director-in-Charge, Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st Scptember 1976

No. 10/15/76-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to promote and appoint Shri Y. Johnson from Senior Engineering Assistant to the Cadre of Assistant Engineer at All India Radio, Mangalore in an officiating capacity with effect from 2-8-76 (F.N.).

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 1st September 1976

No. 6(88)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. C. Majumdar, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, Calcutta at Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from the 5th August, 1976 and until further orders.

No. 5(35)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. N. Chattopadhyay, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, Calcutta as Programme Executive, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from the 12th July, 1976 and until further orders.

The 2nd September 1976

No. 5(31)/67-SI.—The Director General. All India Radio hereby appoints Shri S. K. Mitra, Transmission Executive, Upgraha Doordarshan Kendra, New Delhi as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 17th August, 1976 and until further orders.

Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi-1, the 2nd September 1976

No. 2/4/68-SII.—In supersession of this Directorate's Notification No. 2/4/68-SII dated 22-5-76. Shri M. D. Dwivedi, Administrative Officer (ad-hoc), News Services Division. All India Radio, New Delhi is granted an extension in service beyond the age of superannuation for a period of one year with effect from 1-4-76 to 31-3-77.

No. A-12026/2/76-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. L. Sharma, Senior Investigator, Central Statistical Organisation, Department of Statistics. Ministry of Planning, New Delhi to the post of Statistics. Ministry of Planning, New Delhi to the post of Statistical Officer in the Directorate General, All India Radio, New Delhi in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—40—1000—EB—40—1200 on deputation, on ad hoc basis from 24-8-76 to 31-12-1976, vice Shri N. P. Varia, Statistical Officer sent on deputation for appointment as Economist in the Department of Coal, Ministry of Commerce, New Delhi.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration for Director General

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 4th September 1976

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 168.—Shri R. N. Gupta, Inspector, Office of the IAC, Varanasi has been promoted to officiate as Income-tax Offi-

cer, Class II (Group B) in the Pay Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB —40—1200. On promotion he joined as ITO, G-Ward, Circle I, Varanasi, on 15-6-1976 in the forenoon.

No. 169.—Shri V. N. Singh, Inspector, I.T. Office, Circle II, Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Class II (Group-B) in the Pay Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer Head Quarters Tech. I, Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow on 14-6-1976 in the forenoon.

No. 170.—Shri Mukand Lal Agarwal, Inspector, Office of the Tax Recovery Officer, Barelly has been promoted to officiate as Income-tax Officer, Class II (Group-B) in the Pay Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, F-Ward, Moradabad on 15-6-1976 in the forenoon.

No. 171.—Shri Jagram Kanojia, Inspector, Audit Party, Office of the IAC (Audit), Lucknow, has been promoted to officiate as ITO, Class II (Group-B), in the Pay Scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB—40—1200. On promotion he joined as Public Relations Officer, Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow, on 10-6-1976 in the forenoon.

S. K. LALL Commissioner of Income-tax, Lucknow.

(1) Shri Safdar Ali Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bashiruddin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that chapter.

Lucknow, the 27th August 1976

Ref. No. 69-B/IAC(Acq.).—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 195/28/1 situated at Gola Ganj Jagat Narain Road. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 195/28/1 situate at Gola Ganj Jagat Narain Road, Lucknow.

> A. S. BISEN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Date: 27-8-1976

(1) Smt. Sheo Kumari Devi and others.

(Transferor)

(2) Smt. Subhashni Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1976

Ref. No. 130-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 222/Y situated at Mauja Nagwa Pargna Dehat Amanat, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 4-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 222/Y measuring 1.46 Acre, situated at Mauja Nagwa Pargna Dehat Amanat Teh. and Distt. Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 27-8-1976

(1) Shri Mahendra Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1976

Ref. No. 37-J/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No.

Khasra No. 732/2 etc. situated at Mauja Sirauli Tula Parg Rudrapur Teh Kichha Distt. Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Haldwani on 21-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(2) Shri Jasbir Singh

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Personal

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A land bearing No. 732/2, etc. measuring 14/6/10 Bighas situated at Mauja Sirauli Tula Teh. Kichha Pargna Rudrapur Distt. Nainital.

A. S. BISEN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-8-1976

(1) Shri Swami Swarupa Nand Shagun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamla Devi Trivedi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Lucknow, the 28th August 1976

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 58-K/Acq.—Whereas, L. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 563/18 situated at Chitra Gupta Nagar,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Lucknow on 20-1-1976,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house No. 563/18 situated at Chitra Gupta Nagar, Lucknow.

> A. S. BISEN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-8-1976

FORM ITNS----

(1) Shri Mahendra Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

....

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1976

Ref. No. 68-A/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khasra No. 732/2 etc. situated at Mauja Sirauli Tula, Teh. Kichha Distt. Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 24-1-1976,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any median or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ajit Singh.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Personal.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A land bearing no. 732/2 etc. measuring 14/6/10 Bighas situated at Mauia Sirauli Teh, Kichha, Distt. Nainital.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-8-1976

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Rajendra Prasad Gupta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Aditya Kumar Dalmiya.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1976

Ref. No. 69-A/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bandobasti No. 791, 5375 sq. ft. situated at Mauja Saraunandan Pargs. Dehat Amanat Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 29-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Person in occupation of the property)

(3) Seller.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Bandobasti No. 791 measuring 5375 sq. ft. which is situated at Mauja Sarau Nandan, Pargna Dehat Amanat Distt. Varanasi.

A. S. BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1976

Scal:

(1) Smt. Babual Devi and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Murlimal and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1976

Ref. No. 85-M/Acq.-Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of tho Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 123 situated at Mauja Ramapura Pargana Dehat Amanat, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 23-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---16-256GI/76

(3) Seller, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 123 measuring 4895 sq. ft. situated at Mauja Ramapura, Parg. Dehat Amanat, Varanasi.

> A. S. BISEN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-8-1976

(1) Sh. Rajendra Prasad Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manju Devi Dalmiya.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1976

Ref. No. 84—M/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bandobasti No. 791 and 792, 5,500 sq. ft. situated at Mauja Sarai Nandan, Parg. Dehat Amanat, Varanasi.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Varanasi on 29-1-1976,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing No. 791 and 792 measuring 5,500 sq. ft. which is situated at Mauja Sarai Nandan Pargana Dehat Amanat Distt, Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1976

Scal:

(1) Smt. Savitri Devi and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1976

Ref. No. 131-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CK 63/68A situated at Chhoti Piyahi, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 7-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent coansideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(2) Shri Shyamji Singh.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C.K. 63/68-A, situate at Mohalla Chhoti Piyahi, Varanasi.

A. S. BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-8-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 23rd August 1976

Ref. No. 350/Acq.R-JH/76-77/Cal/544.—Whereas, I. L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 140/19 situated at Netaji Sobhas Chander Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alipore on 20-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Indu Vatal,

140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calculta-40.

(Presently at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(Transferor)

(2) Nirode Baran Banerjee

2, Sadar Hospital Road, Hazaribagh, Bihar,

(Transferee)

(4) Sri Ratan Vatal, Sri Ranjit Vatal and Smt. Parvati Vatal.

140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-40

(Now at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The 4th undivided share of land measuring 12 cottahs 15 chittacks and 11 sq. ft. together with a 2-storeyed building, outhouses garages, compound walls etc. situated at 140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta as registered under deed No. I-293 of 1976 date 20-1-1976.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 23-8-1976

FORM ITNS----

140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-40. (Presently at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(1) Srimati Parvati Vatal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd August 1976

Ref. No. 351/Acq.R-III/76-77/Cal/538.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 140/19, situated at Netaji Subhas Chandra Bosc Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 16-1-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely:—

Shri Nirode Baran Banerjee,
 Saddar Hospital Road, Hazaribagh, Bihar.

(Transferce)

(4) Sri Ratan Vatal, Sri Ranjit Vatal and Indu Vatal, 140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta, (Presently at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The 4th undivided share of land measuring 12 cottahs 15 chittacks and 11 sq. ft. together with a 2 storied building outhouses garages, compound walls etc. situated at 140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta as registered under deed No. I-212 of 1976 date 16-1-1976.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 23-8-1976

Scal:

(1)Shri Ratan Vatal,

140/19, Notaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta.

(Presently at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd August 1976

Ref. No. 352/Acq.R-III/76-77/Cal/541.—Whereas, I L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 140/19, situated at Netaji Subhas Chaudra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Alipore on 16-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nirode Baran Bancrjee,
 Saddar Hospital Road, Hazaribagh, Bihar.

(Transferee)

(4) Sri Ranjit Vatal, Smt. Parvati Vatal and Indu Vatal, 140/19, Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta. (Presently at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The 1th undivided share of land measuring 12 cottahs 15 chittacks and 11 sq. ft. together with a 2-storied building, outhouses garages, compound walls etc. situated at 140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta as registered under deed No. I-211 of 1976 dt. 16.1.76.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 23-8-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd August 1976

Ref. No. 353/Acq.R-JII/76-77/Cal/535.—Whereas, I. L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 140/19, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Alipore on 16-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ranjit Vatal,

140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-40.

(Presently at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(Transferor)

(2) Nirode Baran Banerjee

2. Saddar Hospital Road, Hazaribagh, Bihar.

(Transferce)

(4) Sri Ratan Vatal, Smt. Parvati Vatal and Indu Vatal, of

140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta (presently at 178, Alipi Bag, Allahabad).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The 4th undivided share of land measuring 12 cottahs 15 chittacks and 11 sq. ft. together with a 2-storeyed building, out of houses garages, compound walls etc. situated at 140/19, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta as registered under deed No. I-210 of 1976 dated 16-1-1976.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 23-8-1976

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th August 1976

Ref. No. 354/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 54 situated at Dhakuria Station Rond, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Alipore Sadar on 30-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sailendra Nath Dey 'Upendra Nivas' 36A, Sion Road, Bombay-22.

(Transferor)

(2) Chaitali Saha. 79, Kankulia Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Sarvasree K. L. Chatterjee, A. Sengupta, P. Chowdhuri and Mrs. R. Dhar, 54, Dhakuria Station Road, Calcutta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs more or less together with a three storeyed building erected thereon at 54 Dhakuria Station Road, Calcutta-31, as per deed No. 553 of 1976 registered before the Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 30-8-1976

(1) Smt. Bismilla Begum w/o Md. Nazir.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 30th August 1976

Ref. No. AC-26/ Λ cq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, J, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Plot

No. 8104 situated at ward No. IV siliguri, Distt. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Siliguri on 17-1-1976,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
17—256GI/76

(2) 1. Shri Satish Kumar Aneja,

- 2. Shri Benov Kumar Ghosh.
- 3. Shri Abdul Hamid.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.690 acre i.e. 41.4 cottahs situated at Plot No. 8104 in ward No. IV, Siliguri, Distt. Darjeeling more particularly as per deed No. 296 dated 17-1-1976.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 30-8-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th May 1976

Ref. No. RAC.No. 78/76-77.—Whereas, I. S. V. SUBBA-RAO.

being the competent authority under

Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nagarjuna Talkics situated at (5-7) Miryalguda, Nalgonda-Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Miryalguda on 22-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Karnati Ratnaiah s/o Shri Buchiramiah, R/o H. No. 17-26 at Miryalguda, Nalgonda-Distt. (Transferor)
- (2) (1) Shri Vootukuru-Satyanarayanareddy H. No. 20-20 Miryalguda,
 - Shri Mattareddy R/o Subbaredyguda, Miryalguda-Tq,
 - (3) Shri, Baireddy Chinnasaidireddy, R/o Narammaguda Post Miryalguda,
 - (4) Shri V. Manmadhareddy R/o Dllavarpur-Tq. Miryaalguda,
 - (5) Shri V. Somireddy R/o Mutyalammagunta, Daisincherla Post Miryalguda, Nalgonda-Distt.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Nagarjuna Talkies, Bearing No. 5-7 Area: 1440 sq. yds. with Projector, and furniture, etc. at Miryalguda, Nalgonda Distt.

S. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-5-1976

Seal,

FORM ITNS_

(1) Shri D. Venkataramireddy, G.P.A.S. Sreenivasulu Reddy, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd August 1976

Ref. No. RAC No. 148/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19/307 situated at Krishnamandiram Street, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore on 20-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Tulasi Subbarayudu S/o Subbarayudu R/o Krishnamandiram, Street, Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property covered by Doc. No. 303 of 1976 registered at the Registration office Nellore. Bearing Ward No. 19 Door No. 307 situated at Krishnamandiram, Street, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date; 23-8-1976

 Smt. Rajarathinammal, W/o M. Narayanasamy Chettiar, 25-C, Thirumalsamypuram, Bodinayakkanpatti, Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. Venkatachalam (minor) By mother and guardian Smt. G. Palani Ammal, W/o Shri A. K. M. Govindasamy Chettiar, No. 33, Society Street, Dindigul.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 22nd July 1976

Ref. No. 4/JAN/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 1010/2-B situated at Ponnagaram Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palani (Doc. No. 15/1976) on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 11,155\frac{1}{2} sq. ft. with Furniture and Fittings at T.S. No. 1010/2-B, Block 26, New Ward No. 16, Ponnagaram Road, Palani.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 22-7-1976.

 Smt. Angammal, W/o Shrl Thambiran, No. 18, Paluthu Street, Tiruchengode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd September 1976

Ref. No. 40/JAN/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. , situated at Kasturipatti village & Sankaridurg village, Salem district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sankaridurg (Doc. No. 42/1976) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kanickai Mani, W/o A. S. Deenadayalan Albert, 16/B1, Salem Main Road, Sankari, Salem district. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands bearing the following survey Nos. and measurements at:

					·	
Kasturipatti: Survey Nos. 6/1 & 6/	/2 .		,			Acres 10 0 ·24—
Sankaridurg:						
Survey No. 172/1 .		•				$0.35\frac{13}{22}$
Survey No. 172/2 .						$0.34\frac{10}{22}$
Survey No. 172/4 .		ı				$0.18 \frac{10}{22}$
Survey No. 172/5 .			•			$0.05\frac{21}{22}$
Survey No. 216/1 .				•		$0.56\frac{8}{22}$
Survey No. 216/2 .						$0.37\frac{16}{22}$
Survey No. 216/4 .						$0.14\frac{14}{22}$

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 3-9-1976.

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd September 1976

Ref. No. 41/JAN/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. , situated at Kasturipatti & Sankarldurg villages, Salem district

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridurg (Doc. No. 43/1976), on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kanickai Mani, W/o Shri A. S. Deenadayalan Albert, 16/B1, Salem Main Road, Sankari.
 (Transferor) (2) Smt. Sulochana, W/o Shri M. Ayanarappan, Mandapathukadu, Sankari taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands bearing the following survey Nos, and measurements at:

Kasturipattl :						Acres
Survey Nos, 6/1 and 6	5/2 .					$0.24\frac{10}{22}$
Sankaridurg						
Survey No. 172/1 .		•	i			$0.35\frac{13}{22}$
Survey No. 172/2 .	٠	•				0·34 <u></u> 22
Survey No. 172/4 .			٠		•	$0.18\frac{10}{22}$
Survey No. 172/5 .			-	•		$0.05\frac{21}{22}$
Survey No. 216/1 .		•		•		$0.56\frac{8}{22}$
Survey No. 216/2 .		•	•	•	•	$0.37\frac{16}{22}$
Survey No. 216/4 .				•	• '	$0.14\frac{\overline{14}}{22}$

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Madras-6.

Dated: 3-9-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 52/JAN/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to, believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 93, situated at Avaniapuram, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Officer at Madurai (Doc. No. 159/76) on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri K. S. Natarajan & his wife Smt. N. Parvatham, No. 12, Kanakku Pillai Street, Avaniapuram, Madurai-12. Miss Bagam Piriyal (alias) Uma, N. Jaya Baskar & N. Jayanthi minors by father & guardian Shri K. S. Natarajan. Shri K. S. N. Ramasubramanian, N. Villi Mayil & N. Chandrasekharan By Power of Attorney Agent Smt. N. Parvatham.

(Transferor)

(2) Shri B. V. Kothari, No. 120, South Masi Street,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 87 cents and 295 sq. ft. in survey No. 93, Avaniapuram village, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 4-9-1976,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 53/JAN/75-76.—Wherens, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R.S. 93, situated at Avaniapuram, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Officer at Madurai (Doc. No. 158/76) on January, 1976 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri K. S. Natarajan & Smt. N. Parvatham, No. 12, Kanakkupillai St., Avaniapuram, Madurai Miss Bagam Piriyal (alias) Uma, N. Jaya Baskar & N. Jayanthi minors by father & guardian Shri K. S. Natarajan. Shri K. S. N. Ramasubramanian, N. Valli Mayil & N. Chandrasekharan By Power of Attorney Agent Smt. N. Parvatham.

(Transferor)

(2) Shri V. Vinodkumar, (minor) by guardian Shri V. M. Kothari, No. 21, South Street, Singarayar Colony, Madural,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 63 cents and 210 sq. ft. in survey No. 93, Avaniapuram village, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 4-9-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 57/JAN/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 93, situated at Avaniapuram village, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 210/77) on February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18-256GI/76

 Shṛi K. S. Natarajan & Smt. N. Parvatham Ammal, Miss Bagam Piriyal (alias) Uma, Shri N. Jaya Baskar, N. Jayanthi minors, by father & guardian Shri K. S. Natarajan. Shri K. S. N. Ramasubramanian, N. Valli Mayil & Shri N. Chandrasekharan. By Power of Attorney Agent Smt. N. Paravatham Ammal.

(Transferor)

(2) Shri J. V. Kothari, No. 11-12, Jadamuni Kovil St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 85 cents and 129 sft. in R.S. No. 93, Avaniapuram village, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 4-9-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 86/FEB/75-76,—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 93, situated at Avaniapuram village, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 209/76) on February 1976 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K, S. Natarajan, Miss Bagam Piriyal (alias)

> Uma, Shri N. Jaya Baskar & N. Jayanthi minors by father and guardian Shri K. S. Natarajan. Smt. N. Parvatham Ammal, Shri K. S. N. Ramasubramanian, N. Valli Mayil & N. Chandrasekaran. By Power of Attorney Agent Smt. N. Parvatham.

> > (Transferor)

(2) Shri V. Vinodkumar, minor by father & guardian Shri V. M. Kothari, No. 21, South Street, Singarayar Colony, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 81 cents and 388 sft. in R.S. No. 93, Avaniapuram village, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 4-9-1976.

(1) Shri S. Mohamed Nainar Ravuthar, Uthamapalayam, Madurai district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. Mohamed Abdul Kader Ravuthar, Uthamapalayam, Madurai district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 60/JAN/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. , situated at Uthamapalayam,

Madurai district

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at Uthamapalayam (Doc. No. 63/1976) on 17-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act'. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Uthamapalayam village, Madurai district bearing the following survey Nos. and measurements:

			Acre	Cents
1			2	3
Survey No. 2181/1 .		 		18
Survey No. 2204 .			1	69
Survey No. 2203			2	72
Survey No. 2201 .			3	19
Survey No. 2202	,		1	22-
Survey No. 2173/3 .		,	0	08
Survey No. 2202/2 .			0	06
			11	14

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 4-9-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 30/FEB/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 101/2, situated at Narayananagar, Komarapalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Komarapalayam (Doc. No. 122/76) on February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. V. R. Bakthavatsalam & V. R. Sudarsanam, By Power of Attorney agent, Shri R. V. Ramachandra Chettiar, No. 3, Raja Street, Komarapalayam, Salem district.

(Transferor)

 M/s. I, V. Ardhanarisami Chettiar, 2. V. Arumugam,
 V. Kandasamy & 4. V. Gunasekaran (minor) by guardian V. Ardhanarisami Chettiar, Kathalaipettai, Komarapalayam town, Salem district.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant building sites measuring 12,788 sft. in ground Nos. 69 (3197 sft.) 70 (3220 sft.), 83 (3197 sft.) and 84 (3174 sft.) Narayananagar, Komarapalayam, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated: 4-9-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd July 1976

Ref. No. Acq. File No. 349 J. No. 256/2-76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Door No. 21(103B2(41-4-3) Morampudi Road, Rajahmundry,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 11-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

Shri 1. Manchimsetty Vceravenkatarao, S/o Mahalaxmi 2. M. Venkataramana, S/o Vceravenkatarao
 M. Veeraju S/o Veeravenkatarao 4. M. Mahalaxmirao M/G S/o Vceravenkatarao, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) M/s Sri Venkataramana Alluminium Co., Represented by Managing partner, 1. Muchi Satyanarayana, RAJAHMUNDRY. 2. Lavudu Ramunaidu RAJAHMUNDRY. 3. Kadiyala Ramarao RAJAHMUNDRY. 4. Kadiyala Tatarao RAJAHMUNDRY.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 405/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended 15-2-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 22-7-1976

(1) Smt. Rajia Begam, W/o Sri Mohd. Ghouse Saheb, Seshayimetta, RAJAHMUNDRY.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Garapati Suryarao, S/o Venkanna, KATHERU, Rajahmundry Taluk.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 7th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acq. File No. 353.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 294, situated at Kateru Village (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Rajahmundry on 25-2-1976 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 518/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 29-2-1976.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-8-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 254.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. No. 11-13-74, situated at Ramireddi Peta,

Narasaraopeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Narasaraopeta on 27-1-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Illindra Ranganaikulu, S/o Gurunadham, Saibaba Asramam PUTTAPARTI.

(Transferor)

(2) Kamineni Parandhamaiah, S/o Venkayya, Aminsahebpalem, Narasaraopeta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per the registered document No. 135/76 registered before the Sub-Registrar, Narasaraopeta during the fortnight ended on 31-1-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range, Kakinada.

Dated: 9-8-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA.

Kakinada, the 9th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 355.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5/B, situated at Nallapadu village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Guntur on 17-1-1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Nooney Maheswararao S/o Subrahmanyam, 2. Nooney Hemanagaraj Kumar MG Father Maheswararao, Guntalammasetty Street, GUNTUR. (Transferor)

(2) Bommidala Bros, Ltd., Represented by Managing Director, B. Bhanumurty, GUNTUR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 90/76 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended 31-1-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range, Kakinada.

Dated: 9-8-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 356.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5/B, situated at Nallapadu village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 17-1-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19--256G1/76

(1) 1. Nooney Maheswararao S/o Subrahmanyam, 2. Nooney Hemanagaruj Kumar, M/G father Maheswararao, Guntalammasetty Street, GUNTUR.

(Transferor)

(2) Bommidala Sri Krishnamurty, S/o Kotiratnam, Ravindranagar, GUNTUR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 91/76 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended 31-1-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisiton Range, Kakinada.

Dated: 9-8-1976.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 357.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5/B, situated at Nallapadu village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 17-1-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Nooney Maheswararao, S/s Subrahmanyam, 2.
 Nooney Hemanagarajkumar, M/G, father Maheswararao, Guntalammasetty Street, GUNTUR.

(Transferor)

(2) Bommidala Laxmi Annapurna, W/o Sreekrishnamurty, Rabindranagar, GUNTUR.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 92/76 reigstered before the Sub-Registrar, Guntur during the Fortnight ended 31-1-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 9-8-1976.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 358,--Whereas, I, B. V. SUBBARAO being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. Nos. 488 & 489 situated at J. Annavaram Sivaru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Prathipadu on 3-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of апу income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Karri Pooramma, W/o Ayyanna, J. Annavaram Sivaru, Kambalapalem, Prathipadu Taluk.

(Transferor)

(2) Allu Appalaraju, S/o Veeraraju, Lingamparti Prathipadu Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3/76 registered before the Sub-Registrar, Prathipadu during the fortnight ended on 15-1-1976.

> B. V. SUBBARAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 9-8-1976.

(1) Shrimati Valluri Subbayamma, W/o Venkataraju, Rayavaram, Ramachandrapuram Taluk.

(Transferor)

(2) Kumari Medapati Sesharatnam M/G Father Venkatareddy, RAYAVARAM.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 359.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-pnd bearing

No. R.S. No. 402/1, situated at Vedurupaka of Rayavaram (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ramachandrapuram on 9-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 76/976 registered before the Sub-Registrar, Ramachandrapuram during the fortnight ended 15-1-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 24-8-1976.

(1) Smt. Merla Satyanarayanamma, W/o Krishnamurty VELANGI.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th August 1976

Ref., No. Acq. File No. 360.—Whereas, I, B. V. SUBHARAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. No. R.S. Nos. 185A, 186, 187, 188A situated at Ravikampadu Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on Jan. 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Yeramati Padmavati, W/o Satyanarayana, C/o Sri Venkatalaxmi Srinivasa Stores, Grandhalayam Street, ANAKAPALLI.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 316/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-1-1976.

> B. V. SUBBARAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 24-8-1976.

 Shrimati Datla Padmavati, W/o Venkatapathi Raju, Laxminarasapuram, Anaparthi post, E. G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakin'ada, the 24th August 1976

Ref. No. Acq. File. No. 361.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34/14 Block No. 8 Ward No. 2, Gandhi Nagar, Kakinada (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 19-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vastavaya Subrahmanya Viswanathraju, S/o Veera Venkata Stayanarayanaraju,

 Vatsavaya Venkata Satyanarayanaraju, Adopted S/o Suryanarayana sitaramachandraraju, Datla Street, Gandhinagar, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per the registered document No. 544/76 registered before the sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended 29-2-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 24-8-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 'IYOTHI BUILDING', GOPALA

Cochin-682011, the 4th September 1976

PRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682011

No. Ref. I.. C. No. 80/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at East Chalakudy
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Chalakudy on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri. Nambiathan Nambiathan Bhattathiripad, S/o Smathan Nambiathan Bhattathiripad, Moothamanackal, Chowara, Alwaye.

(Transferor)

(2) Mhariharan, S/o Mani Iyer, General Merchant, Ayinikkakathu Madhom, Palace Road, East Chalakudy.

(Transferee)

- (3) (i) Shri N. Mani lyer, General Merchant, East Chalakudy.
 - (ii) P. M. Sankaran Namboodiri, P. M. Ayurveda Vaidyasala, Chalakudy.
 - (iii) E. C. Baby Fair Price Shop, East Chalakudy (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

36 cents of land with building as per schedule attached to document No. 120 dated 16-1-1976.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 4-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1976

Ref. No. Acq. File. No. 363.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory situated at Kasibugga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasibugga on 22-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under sald Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

1. Fish Products Ltd., Kakinada Represented by Mg, Director Sri Balummel Manie Edward and Jt. Mg. Director Sri V. Krishnarao, Kakinada.

(Transferor)

2. 1. M/s Palasa Trades and Industries, Visakhapatnam 2. Mrs. Thankamma France, W/o B. J. France, Chittoor Road, Ernakulam.

3. Mrs. Santhamma Mathew, W/o B. J. Mathew.

Balummel House, Kannamaly Cochin-7.

4. Mrs. Nelly Antony, W/o B. J. Antony, Kannamaly, Cochin-7.

5. Hoseph Franco, S/o B. J. Franco, Ernekulam.
6. Soona Edard, W/o B. M. Edward, India Sea Foods, Cochin-5

Cochin-5.
7. Manik Prasad, S/o B. M. Edward, Visakhapatnam.
8. Mrs. Baby Paly, W/o B. P. Paly, Kakinada.
9. Smt. V. Adilakshmi, W/o V. Ramasubbarao, Anaparthy Savuram, R. C. Pur Tq.
10. Sri V. Padmanabham S/o V. L. N. Moorthy, Anaparthy Savaram, R. C. Pur Tq.
11. Mrs. Rebecca Zechariah, D/o Dr. K. V. Abraham. Kattayil Kalayil House, Kurinnoor, Allepy Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 66/ 76 registered before the Sub-Registrar, Kasibugga during the fortnight ended on 31-1-1976.

> B. V. SUBBARAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Seal:

Date: 6-9-1976

Burra Chitti Kamarajamma W/o Appalaraju, Mallam, Pithapuram Taluk

(Transferor)

(Transferce)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 - TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

11111101, 1501 (15 01 1501)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1976

Ref. No. Acq. File. No. 364.—Whereas, I, B. V. SURBARAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

233, 107, 106, 231 & 105 situated at Kapavaram Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samalkota on 18-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20-256GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property

dham Sanyasiralla Street, Pithapuram

Devarapalli Kasi Viswanadham S/o, Suranna
 D. Venkataramanamurty S/o Kasi Viswanadham

4. D. Seetharamachandramurty, S/o Kasi Viswana-

3. D. Suranna S/o Kasi Viswanadham

may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 203/76 registered before the Sub-Registrar, Samalkota during the fortnight ended on 29-2-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 6-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd September 1976

Ref. No. Acq. File. No. 362.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO.

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27/271 situated at Pataramannapeta Machilipatnam (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on 19-1-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Shrimati V. Leelavathi, W/o Satyanarayana,
 Sri V. S. Narasimharao, W/o Satyanarayana, 14-14-4, Mallikarjuna Street, Hanumanpeta, Vijayawada.
 (Transferor)

 Shri Jami Hanumantharao, Port Road, Pataramannapeta, Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 53/76 registered before the Sub-Registrar, Machipatnam, During the Month ended on 31-1-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 2-9-1976

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 6th September 1976

Ref. No. III-204/Acq/76-77/1667.—Whereas, I, A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 128, W. No. XVII situated at Bompass, Deoghar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 8-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parimal Chandra Ghosh S/o Late Harendra Kr. Ghosh of 34, Panditiya Terrace, Calcutta-29. (Transferor)

(2) Shri Jai Prakash Yadav (Minor) S/o Sri Jagdish Jadav at Purana Mina Bazar (Cowpal) Deoghar, Dt. S.P.

(Transferce)

(3) Transferee

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land more or less 12 kathas with building in mohalla-Rompass Town Deoghar, Town plot No. 1292, H. No.-128, W. No.-XVII as described in deed No.-I-91 dated 8-1-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 6-9-1976

 Shrimati Shashanka Manjari Devi W/o late Raja Lakshmi Narain Singh. At—Chakradharpur, Dt— Singhbhum, Presently at—10, Stephen Cowet, 18/A, Poock Street Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD,

PATNA

Patna, the 6th September 1976

SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 64 & 246 W.No.-II situated at Chakradharpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Ref. No. III-205/Acq/76-77/1668.—Whereas, I, A. K.

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta 20-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s Chhotabhai Jethabhai Patel & Co. 3A, Rupchand Roy Street Calcutta-7, Branch Office at Chakradharpur, Dt-Singhbhum.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1.86 aers with old building in W. No.-11 at Chakradharpur, Dt-Singhbum, Khata No. 108, Plot No. 64 & 246 as described in deed No. 292 dated 20-1-1976.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 6-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE QF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 6th September 1976

Ref. No. 11I-206/Acq/76-77/1669.—Whereas, I, A. K. SINHA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W.No.-11 situated at Chakradharpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shashanka Manjari Devi W/o Late Raja Lakshmi Narain Singh, At-Chakradhar Dt-Singhbhum, Present by at-10, Stephen court, 18/A, parki Street Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s Chholabhai Jethabhai Patel & Co., 3A, Rupchand Roy Street Calcutta-7, Branch office at Street Calcutta.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupaton of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old building in W. No.-11 at Chakradharpur, Dt-Singhbhum as described in deed No-401 dated 24-1-76.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 6-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 6th September 1976

Ref. No. 111-207/Acq/76-77/1670.—Whereas, I. A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 67 situated at Chakradharpure.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 22-1-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the folfollowing persons, namely:—

 Shrimati Shashanka Manjwei Devi w/o Late Raja Lakshmi Narain Singh, At Chakradharpure Dt. Singhbhum, Presently at: 10, Stephen Court 18/A Park Street Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Chhotabhai Jethabhai Pate & Co. 3A, Rupchand Roy Street Calcutta-7, Branch office at Chakradharpure Dt. Singhbhum.

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 62 dec. in W. No.-11 at Chakradharpure Dt.-Singhbhum, Plot No. 67 as described in deed No. 371 dated 22-1-76

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar,
PATNA

Date: 6-9-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1

Madras-6, the 13th September 1976

Ref. No. F. 2833/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 14/3

situated at Sivananda Nagar, Sanganur village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 92/76) on 22-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act: to the following persons, namely:—

Dr. V. Sriramulu
 S/o Shrl Venkitasami Naidu,
 No. 3/90 Sirukaliamman Koll St.,
 P. N. Palayam, Coimbator.

(Transferor)

(2) Shri N. Velumani S/o Shri Narayanasami Naidu, No. 23, Eye Hospital St., Siyananda Nagar, Coimbator.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 14/3 Sivananda Nagar, Sanganur village, Coimbator-12 (T. S. No. 11;, Plot No. 37 and T.S. No. 54/5).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-, Madras-6

Date: 13-9-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1

Madras-6, the 13th September 1976

Ref. No. 5035/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5, Plot No. 13A, situated at Greams Road, Madras-6.

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at T. Nagar (Doc. No. 30/76) on 19-1-1976.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Kalpagam Ramakrishnan No. 1, Balajinagar First St., Madras-14.

(Transferor)

(2) Shri Jethanand B. Khanna No. 482, Poonamallee High Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of Door No. 5, Plot No. 13A, Greams Road, Madras-6 along with the share of $6\frac{1}{2}/52$ over the unidivided land measuring an extent of 3 grounds 450 Sft.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 13-9-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 6th September 1976

Ref. No. F. 2855/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New D. No. 23/360, situated at Oppanakara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

ISR III Coimbatore (Doc. No. 17/76) on January 1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of anv income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

21-256GI/76

(1) 1. Shri D, Govindan; 2. Smt. Manickammal;

3. Smt. Padmavathi and 4. Smt. Chandra, No. 24/15

R. G. Street, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri S. Palanisami No. 23/29 Pozhikarar Lane, Edayar St., Coimbator.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing New D. No. 23/360 Oppanakara St., Colmbatore (Old D. No. 17/197; T. S. No. 6/1215)

S. RAJARATNAM,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 6-9-76.

Scal:

-(1) Shri D. Vidya Prakash S/o Shri G. R. Damodaran 6/5 Kamraj road, Red Fields, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE-II

Madras-6, the 6th September 1976

Ref. No. F. 2856/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D. No. 6/5, sintated at Kamraj road Red fileds, Coimbatore.. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

JSR III Coimbatore (Doc. No. 128/76) on January 1976 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri D. Padmanabhan S/o Shri G. R. Damodaran 6/5 Kamraj road, Red Fields, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing D. No. 6/5 Part Namaraj Road, Red Fields, Coimbatore (T. S. No. 10/1086/3). (Document No. 128/76 —P. No. 6/76).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 6-9-76.

(1) Shri M. Shanmugasundaram S/o late Manicka Mudaliar No. 25, Sai Babha Colony Coimbatorc-38.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. Sambandha Murthy S/o Shri P. Muthusami Gounder, No. 62, Gandhiji Road, Erode.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 6th September 1976

Ref. No. 2864/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New D. No. 1, situated at T. Srinivasa Mudaliar St., Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 164/76) on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than

in the said instrument of transfer with the object of :--

parties has not been truly stated

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Capter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing New Door No. 1 (Old Door No. 2) T. Srinivasa Mudali St., Erode (T. S. No. 1353/1—New Ward No. 25).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 6-9-76.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 6th September 1976

Ref. No. 2864/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

New D. No. 1, situated at T. Srinivasa Mudali St., Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR I Srode (Doc. No. 163/76) on 23-1-1976.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri M. Panchatcharam 2. Shri Saravanan (Minor) represented by Shri M. Panchatcharam, Srinivasa Mudali St., Erode.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri M. Sambandha Murthy S/o Shri P. Muthusami Gounder, No. 62, Gandhlji Road Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a person of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing New D. No. 1 T. Srinivasa Mudali Sa., Erode (Old Door No. 2) (T. S. No. 1353/1—New Ward No. 25).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 6-9-76.

(1) T. V. Savitha Devi D/o Shri K. C. M. Venkatachala Reddiar and Shri Prem Kumar No. 20 Williams road, Cantonment, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri PL. A. Annamalai Chettiar, S/o Shri Palaniappa Chettiar, B-29, Thillainagar North Extension Trichy. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

Madras-6, the 6th September 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 3500/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

No. T. S. No 385/Part, situated at Block No. 48, K. Abhishckapuram village, Trichy.

THE SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 239/76—I. No. 18/76) on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Land & building bearing T. S. No. 385/Part Block No. 48, Abhishekapuram village, Trichy (Doc. No. 239/76—I. No. 18/76).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> S. RAJARATNAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Date: 6-9-76.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

persons namely :-

FORM ITNS ----

(1) Smt. Burra Alamelu 1-2-288/16 Gangan Mahal Road, Hyderabad-500029.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-6, the 6th September 1976

Ref. No. 5046/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 18/1 Greams Road, situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 14/76) on 8-1-1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri P. Alfred 110/2 Kodambakkam High Road, Madrus 600034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and ground bearing D. No. 18/1 Greams Road, Madras-6 (R. S. No. 41/7 and 41/8).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 6-9-76.

FORM ITNS----

(1) Smt. K. C. Karuppakkal W/o Shri K. Chinna Palaniappa Mudaliar Main Road, Karamadai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Sri Ramakrishna Oxygen Ltd. Karamadai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1

Madras-6, the 15th September 1976

Ref. No. F. 2852/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 43/1A & 43/2B, situated at Karamadai village, Avinashi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Mettupalayam (Doc. No. 1967/75) on 24-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8,25 acres and bearing S. No. 43/1A and 43/2B Karamadai village. Avinashi Taluk (Doc. No. 1967/75)

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 15-9-76.

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-1

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 28/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 1-B. No. 4C, situated at Spurtank Road Egmore,

Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. O. West Madras (Document No. 63/76) on January,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sri V. L. Asrani, S/o. Lakshmichand, No. 401-B, Poonamallee High road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri Sheriff Salman, S/o, Mohideen Sheriff, No. 34, Second line Beach, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Vacant Land bearing Plot No. 4-C, in No. 1-B, Spurtank Road, Egmore, Madras, bearing R. S. No. 471/1 (part) (Extent:1 ground 200 sq. Ft.)

> G. RAMANATHAN Competent Authority. Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 62/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4-B, in 1-B situated at Spurtank Road, Egmore, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

S.R.O. West Madras (Document No. 30/76)

on January, 1976.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-256GI/76

 Sri T. Srinivasan, S/o. Thulasingam, No. 60-A, Egmore High Road, Madras-8,

(Transferor)

(2) Shri Sheriff Salman, S/o Mohideen Sheriff, No.34, Second Line Beach, Madras-1,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land bearing Plot No. 4-B, in 1-B, Spurtank Road, Egmore, Madras, measuring 1 Ground 24 sq. Ft. in R. S. No. 471/1 (part).

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 10-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 37/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 84/1 situated at Erasakkanayakkanur Village, Madurai District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. O., Chinnamanur (Doc. No. 68/76) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri V. SRINIVASAN S/o Sindhappuli Velsamy Nayakkar, Sukkankalpatti Village, Odaipatti, Uthamapalayam Taluk, and SHRI RADHAKRISHNAN, (MINOR) BY FATHER AND GUARDIAN SHRI V. SRINIVASAN

(Transferor)

(2) Shri V. Rajendran, S/o. Sindhappuli S. V. Veerappa Nayakkar, Thiagaraja Nagar, Theni, Periakulam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 acres (out of undivided share of 6 acres) in Survey No. 84/1 (Patta No. 123) at Erasakkanayakkanoor village, Chinnamanur, Madurai District, with 1/6th Share in well, motor-pumpset and electrical accessories.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated :4-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 38/JAN/76.--Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 84/1 situated at Erasakkanayakkanoor Village, Madurai District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Chinnamanur (Doc. No. 72/76) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Srinivasan, S/o, Sindappuli Velsamy Nayakkar, Sukkanakalpatti, Odapatti village, Uthamapalayam Taluk, and SHRI RADHAKRISHNAN (MINOR) BY FATHER AND GUARDIAN SHRI V. SRINIVASAN (Transferor)
- (2) Shri V. Rajendran, S/o, Sindappuli S. V. Veerappa Nayakkar, Thiagaraja Nagar, Theni, Perlakulam Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 3 acres (out of undivided share of 6 acres) in Survey No. 84/-1 (Patta No. 123) at Erasakkanayakkanoor village, Chinnamanur, Madurai District, with 1/6th Share in well motor-pumpset and other electrical accessories.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 4-9-1976

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 4th September 1976

Ref. No. 42/JAN/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 116/7, 116/3, 166/1F &/2D situated at Meenakshipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 41/76) on January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ettammal & 2. Shri Thamba Raju, Mcenakshipalayam, Konthalam P. O. Namakkal taluk, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri K. M. Palaniappa Gounder, Meenakshipalayam, Konthalam P. O. Namakkal taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.59 acres in Survey Nos. 116/7 (O. 43 acres), 116/3 (O. 23 acres), 166/1F (O. 86 acres) and 166/2D (O. 07 acres), Meenakshipalayam, Namakkal taluk, Salem district, with share in well and 10 HP oil engine.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 4-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 44/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Door No. 15/3, situated at Masilamani Mudaliar Hostel Road, Villore, N. A. District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J. S. R. O.-I, Vellore (Document No. 115/76) on January, 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ameena Bee, W/o. M., F. Shereef, 15/3 Masilamani Mudaliar Hostel Road, Vellore, North Arcot District.

(Transferor)

(2) Smt. Miyan Shahecda Begum, W/o K. Mohd. Anwar Basha Saheb, No. 64, Bakiath Street, Vellore-4, North Arcot District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in door No. 15/3, Masilamani Mudaliar Hostel Road, Vellore, measuring 16,583 Sq. Ft. in the following T. S. Nos.

 T. S. No.
 Extent

 317/2
 12548 Sq. Ft.

 316
 1389 Sq. Ft.

 316
 2646 Sq. Ft.

 Total.
 16583 Sq. Ft.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 10-9-1976

FORM ITNS----

 Sri Dasthageer, West Street, Kilakkarai (P.O.), Ramnad District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-6.

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 46/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 555, Situated at Covered by Document No. 51/76, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Kilakkarai (Document No. 51/76) on January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(2) Sri Ameerdeen, S/o, Habeeb Mohamed Kasim, West Street, Kilakkarai (P. O.) Ramnad District. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands covered by Document No. 51/76 measuring 9 acres 13 Cents in survey No. 555.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 10-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 47/JAN/76.-Whereas I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Door No. (New) 1, situated at Aranmanai South, Steet, Ramanathapuram Town (New Ward No. 3)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. O.-I, Ramanathapuram (Doc. No. 23/76) on January,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:-

- (1) 1. V. Saravanapandiasamy Thevar S/o. Late Velusamy Thevar,
 - Minor Soundari Rani, Minor Gana Devi

By father and Minor Manimozhi Minor Muthuselvi guardian Sri V. Saravanapandiasamy

Minor Kumarayelan Thevar

Minor Shanmuganathan

All residing at Kallal village, Paramakudi Taluk, Ramanathapuram District.

(Transferor)

(2) Sri S. N. Renganathan Chettiar, S/o, Narayanan Chettiar, No. 29-A, Pundu Theru, Velippattinam. Ramanathapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in Door No. (New, 1, Aranmanai South Street, Ramanathanpuram Town. New Ward No. 3 (Old Ward No.5) measuring 6322 Sq. Ft. with Well and fittings.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 87/FEB/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New Door No. 2 situated at Aranmanai South Street,

Ramanathapuram Town (New Ward No. 3)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J. S. R. O-I, Ramanthapuram (Doc. 35/76) on February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Karthigaisamy alias Ponnusamy Thevar.
 - 2. Minor Vasuki Rani By father and
 - 3. Minor Manomani guardian Karthigaisamy Minor Mahendravaralias Ponnusamy Thevar. man
 - Minor Karikalan Ravindran S/o Karthigaisamy alias Ponnusamy Thevar, all residing at Gangaikondan village, Paramakudi Taluk, Ramanathanpuram District.

(Transferor)

(2) S. N. Ganesan Chettiar, S/o Narayanan Chettiar, No. 29-A, Pudhu Theru, Velippattinam. Ramanathapuram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in Door No. (New) 2. Aranmanai South Street, Ramanathapuram Town, New Ward No. 3 (Old ward No. 5) measuring 6367 Sq. Ft. and vacant site measuring 280 sq. Ft. in ward No. 3 with well.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-9-1976

FORM ITNS ----

(1) P. S. Abdul Salam, S/o. P. Sabjee Sahib. Mysore Street, No. 18, Samraj Pettai, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Kolandai Gounder, S/o, Krishna Gounder, Elavampatti, Thirupathur Taluk. North Arcot District.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 55/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. ..., situated at Elavampatti village, Thirupathur TK., North Arcot District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. O. Thirupathur (Doc. No. 178/76) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring 13 acres 74 cents at Elavampatti village Thirupathur Taluk, North Arcot District in the following survey numbers:

Survey No.	Extent
	A.C.
203/1 203/4	5.26 2.40
205/4	0.38
207/3	0.42
227/1	5.28
Total.	13.74

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1976

Seal:

23-256GI/76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 55/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T. S. No. 363 (part) situated at Thirpuathur Town, North Arcot District

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. O. Thirupathur (Document No. 154/76) on January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri G. Ramanatha Chettiar, S/o. Govinda Chettiar, Door No. 83, Railway Station Road, Thiupathur Town, North Arcot District.

(Transferor)

1. Dr. V. K. Siyaprakasam,
 V. K. Shanmugam, Advocate. Sons of
 V. K. Kaliappa Gounder, Valattiyur, Jolaspet Tirupathur Taluk, North Arcot District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(A) Vacant site in T. S. No. 363 (part), Plot No. 1, 2, 3 & 4, measuring 106061 Sq. Ft. and (B) vacant site in T. S. No. 363 (part), Plot No. 7, 8 & 9, measuring 8585 Sq. Ft. in A Division. Ward No. 1. Block No. 16, Thirupathur Town, North Arcot District (Covered by document No. 154/76)

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-9-1976

FORM ITNS----

(1) 1. Ammayappan,

Murugan &
 Selvaraj, Sons of Ammayappan, Perumappattu (Pallavalli) Thirupathur TK.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 57/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No.........

exceeding Rs. 25,000/- and bearing......

situated at Kurisilapattu village, Thirupathur Tk. (covered by Document No. 157/76)

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. O. Thirupathur (Doc. No. 157/76) on January, 1976, for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Sri Kannu Alias Mutha Gounder, S/o. Koonan alias Perianna Gounder, Kurisipattu village, Thirupathur Tk. North Arcot Distict.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Kurisilapattu village, Thirupathur Tk. North Arcot District measuring 4 acres and 62 Cents in the following Survey Nos.

181/1B 181/2B 182/2	Extent A.C. 2.27 1.10 1.25
Total	4.62

G. RAMANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-9-1976

(1) 1. R. Balaguruswamy & 2. B. Gunasundari ammal, Ettayapuram Road, Tuticorin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anne Therise, for The Tutlcorin Congregation of Little sisters of Poor La tour St. Joseph Rance, 30, Crecope Street, Tutlcorin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 58/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 18/1A, situated at Sankarapperi village, Pol Nayakkanpettai, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at

J. S. R. O.-II, Tuticorin (Doc. No. 83/76) on January, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building measuring 75 cents (out of 23 Acres 83 cents) in Survey No. 18/1A, Sankarapperl village, Pol Nayakkanpettal Tuticorin (Municipal Ward No. 1) Covered by Document No. 83/76.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

> OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

> > Madras-6, the 10th September 1976

Ref. No. 59/JAN/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at V. Vedappatti village, Vilattikulam, Kovilpatti Taluk, Tirunelveli Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

District Registrar, Tuticorin. on January 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) 1. S. P. Subbiah Mudaliar

 - V. C. Subbiah Mudaliar.
 V. C. Thaialbaga Mudaliar,
 V. C. Uluganatha Mudaliar,
 S. T. Theetharappa Mudaliar, Chidambara Nagar, Tuticorin.

(Transferor)

(2) M. S. Sivaraj Mohan, S/o. Sivasami, No. 66, Thattar Street, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3th share in 20.05 Hectares of Lands at V. Vedapatti village, vilattikulam, Kovilpatti Taluk, Tirunclveli Dt., in the following survey numbers, with Palm trees.

urvey No.	Extent
•	Hectars
1,	5.75
2.	9.87
13/1.	2.69
14/1.	1.74
Total.	20 05

G. RAMANATHAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 30th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/Jan 1130(10)/75-76.---Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 36 on Road No. 52 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 9th January 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Shri Kishan Singh S/o Shri Baru Singh, 3-C/6, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shamsher Singh Kukreja. S/o Shri Ram Singh A/25, Kirtl Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing plot No. 36 on Road No. 52 measuring 1088.88 sq. yds. Class 'B' situated at Punjabi Bagh, Delhi with boundary walls built on the spot, in the revenue estate, of vill:—Madipur, Delhi State and bounded as under:

North: Road No. 52

East: Built house on Plot No. 34 South: Service Lane

West: Built house on Plot No. 38.

S. C. PARIJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Dato: 30-8-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1067/Jan.I(16)/75-76—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-501, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shrimati Pratibha Khurana Wd/o Late Harbel Singh Khurana for herself & on behalf of her minor daughter Miss Robina Khurana & Miss Shalina Khurana r/o 23, Chawari Bazar, Delhi.
- (2) Shri Teja Singh Khurana s/o Lala Khan Chand, Shri Khan Chand s/o Shri Sohna Mal and Shrimati Hukam Devi w/o Lala Khan Chand through her constitued Attorney Lala Khan Chand, all r/o 126-D New Mandi, Sirsa (Hissar).
 (Transferor)
- Shri Sant Ram s/o Late Shri Bodh Raj r/o 2060. Gunj Mir Khan, Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land bearing Plot No. 501, in Block 'E' admeasuring 248 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II situated in village Bahapur in the Union Territory of Delhi bounded as under:—

Territory of Delhi bounded as under:
North: S. Lane
South: Road
East: Plot No. E/499
West: Plot No. E/503

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 6-9-1976

FORM INTS-

Smt. Baldevi Bhagat, W/o Shrt P. C. Bhagat, resident of W-41, Greater Kailash-I, New Delhl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dovender Kumar Jain, Shri Satinder Kumar Jain, and Shri Rakesh K. Jain Sons of Late Shri Sunder Lal Jain, r/o H. No. 6549, Qutab Road, New Delhi-110055.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 9th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1057/Dec. II(25)/75-76.---Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and house bearing

No. 24-A situated at Block No. A, Kailash Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30th December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferred to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. A/24-A, measuring 1004.9 Sq. Yds. together with the entire structure built thereon and all fittings and structure fixtures provided therein, with all rights, title, interests, easements, privileges, and appurtenances thereto situated in the residential colony known as Kailash Colony at Village Zamuradpur in the Union Territory of Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

East: Plot No. A/25 West: Plot No. A/24

North: Road

South: Plot Nos. L/6, L/7 and L/8.

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1976

FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jagdish Parshad, S/o Lala Bhim Sen, R/o 22, Main Market, Lodhi Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Bawa, S/o Dr. G. S. Bawa, R/o Flat No. 46, Khan Market, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 9th September 1976

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/1083/Jan.II(9)/75-76. ~ Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44-B (Ground Floor Shop) situated at Khan Market, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, 24-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A lease-hold Shop No. 44-B, (Ground Floor) measuring 489 sq. feet (may be a little more or less) situated in Khan Market, New Delhl.

> C. V. GUPTE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 9-9-1976

Seal:

24--256GI/76

(1) Shri Nem Chand Jain s/o Shri Salig Ram r/o 2053 Kinari Bazar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kanta Jain w/o Shri Nem Chand Jain r/o 2053 Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1216/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7 Block 33 situated at Roshanara Ext Scheme (Shakti Nagar), Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in January 1976,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may by made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 137.2 sq. yds. bearing plot No. 7 Block 33 situated in Roshanara Ext. Scheme (Shakti Nagar) Delhi and bounded as under:—

North: Lane South: Road East: Plot No. 33/9

West: Plot No 33/5

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-9-1976

 Shri Surinder Nath Chhabra s/o Dr. Mohan Lal Chhabra r/o 4875 Chowk Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1217/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40 Road No. 5 situated at Punjabi Bagh, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in February 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Banarsi Lal Bhatia s/o Shri Kanshi Ram Bhatia r/o House No. 10742 Jhandewalah Road, Nabi Karim, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storyed house constructed on a free-hold plot of land measuring 277.5 sq. yds. bearing Plot No. 40 on Road No. 5 situated in the colony known as Punjabi Bagh Delhi and bounded as under:—

North: Road No. 5 South: Service Lane East: Property No. 38 West: Property No. 42

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 2-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI-1**

New Delhi-110001, the 14th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1218/76-77.--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatte, referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-29 situated at Bali Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Sald Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tulsa Singh S/o Sh. Santa Singh, 20 North Avenue Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Madan Gopal S/o Shri Mehta Bhola Ram,
 - 2. Smt. Shanti Devi W/o Shri Madan Gopal
 - 3. Shri Suresh Kumar
 - 4. Shri Naresh Kumar Ss/o Shri Mehta Madan Gopal R/o C-29 Bali Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storyed house constructed on a land measuring 181.3 sq. yds bearing No. C-29 Bali Nagar, New Delhi and bounded as under :-

North: Open land South: Property No. C-28

East: Road West: Service Lane.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 14th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1219/76-77,--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2755 (New) & 1988 (Old) situated at Gali Ram Roop. Subzi Mandi, Delhi,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ Of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Birmo Devi Wd/o Late Shri Depty Mal Jain Smt. Birmo Devi Wd/o Late Shri Depty Mal Jain seli' and S.P.A. of 2. Sh. Nem Chand Jain S/o L. Shri Deputy Mal Jain, 3. Smt. Shakuntala Jain, 4. Smt. Bimla Jain, 5. Smt. Maya Jain all Ds/o Late Shri Deputy Mal Jain all R/o 2788 Gali Rajputans Subzi Mandi Delhi. 6. Tarlok Kumar Jain S/o L. Sh. Deputy Mal Jain R/o 2788 Gali Rajputana Subzi Mandi, Delhi self and special Attorney of Shri Gian Chand Jain S/o L. Shri Depty Mal Jain R/o 2788, Gali Rajputtana, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Inder Mal S/o Shri Durga Parsad

2. Shri Om Parkash S/o Shri Inder Mal

3. Shri Brij Mohan

Shri Dhannu Mal Ss/o Shri Prabhudayal All Rs/o 2755, Gali Ram Roop, Subzi Mandi

(Transferce)

(3) 1. Shri Inder Mal

- Shri Ramesh Chand Shri Nathu Ram
- Dhri Devi Ram Parshad
- Shri Chandgi Ram Shri Prem Narain Shri Ram Saroop

- Shri Banwari Lal
- 9. Shri Bhopal Singh

[Persons in Occupation of property]

Objections, if any, to the tequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storyed house bearing M.C. No. 2755 (New) and 1988 (old) built on land measuring about 382 sq. yds situated at Gali Ram Roop, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under

North: Properties of others South: Properties of others East: Properties of others. Gali Ram Roop.

West: Properties of others.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-9-1976

FORM ITNS----

 Shri Attar Singh Pahwa S/o Sh. Bhagwan Singh R/o 9/25, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 14th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1220/76-77.-Whereas, 1, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/25 (in Block No. 9) situated at East Patel Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in January 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Shri Sushil Kumar Jain and Shri Raj Kumar Jain Ss/o Lala Roshan Lal Jain R/o 4866, Bara Tooti, Phoota Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storyed house constructed on a land measuring 200 sq. yds. situated at No. 9/25 (in block No. 9) East Patel Nagar, New Delhi & bounded as under:—

North: Road South: Service Lane East: Gali West: Other Qrts.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-9-1976

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi. the 14th September 1976

Ref. No. JAC/Acq.II/1221/76-77.--Whereas, I, S. N. L. **AGARWALA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4829/1 Plot No. 45 situated at No. 24 Darya Ganj, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in January, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Sh. Sunder Singh Luthra 2. Sh. Satpal Singh Luthra Ss/o Shri Gurdit Singh

Residens of F-1/22, Model Town, Delhi 3. Shri Manjit Singh Khurana S/o

Sh. Gurmukh Singh Khurana R/o F-2/15, Model Town, Delhi.

4. Shri Surender Pal Singh S/o Late Shri Pritam Singh
5. Sardarni Narender Kaur W/o

S. Jagjit Singh Ahuja R/o
1565-67, Church Road, Kashmere Gate, Delhi.
6. Sardarni Man Mohan Kaur W/o
Shri Gurmukh Singh R/o F-2/15, Model Town, Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Memo Devi W/o Shri Ajit Pershad Jain R/o 2320 Dharampura, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storyed house with land underneath measuring about 180.89 sq. yds bearing Plot No. 45 Property No. 4829/ I, Khasra No. 51 situated at No. 24 Darya Ganj, Delhi and bounded as under :-

East: Property No. 4830 West: Building No. 4838 North: Prahlad Lane 20' wide South: Property No. 4837

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14th Sept. 1976

(1) Maharaj Kumar Abhoychand Mahtab Bahadur, 32D, New Road, Alipur, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1976

Ref. No. Acq.-9/B-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 32P, situated at New Alipore Rd. Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 12-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the (consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the sald instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

(2) 1. Om Prakash Kanoria, 2. Sm. Savitri Devi Kanoria, 3. Sm. Sushila Devi Kanoria, 4. Anjan Kumat Kanoria, all residing at No. 4, Clyde Row, Hastings, Calcutta-22, 5. Smt. Bhagirathi Devi Kanoria, 6. Smt. Champa Devi Kanoria, 7. Smt. Bimla Devi Kanoria & 8. Smt. Sobha Devi Kanoria, all residing at No. 5, Janki Sbah Road, Hastings, Calcutta-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 1 Chittak & 42 sq. ft. together with structure at premises No. 32P, New Rd., Alipore, Cal.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 13-9-1976

(1) Laxmi Devi, 1B, Janki Shah Road Hastings,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1976

Ref. No. AC-10/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R, V. LALMAWIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1B, situated at Janki Shah Rd., Hastings, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurance, Calcutta on 30-1-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

25-256GI/76

(2) 1. Sri Swaraj Kumar Jain, D-20, Connaught Place, New Delhi-1, 2. Sri Vinod Kumar Jain,

26A, Barakhamba Road, New Delhi-1, 3. Sri Pradeep Kumar Jain, 14, Alipore Road, New Delhi, & 4. Sri Anii Kumar Jain,

2, Janki Shah Road, Calcutta.

(Transferee)

3(3) Shri Jagdish Rai, 1B Janki Shah Road, Hastings, Calcutta. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 1B Janki Shah Road, Hastings, Calcutta.

R. V. LALMAWIA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16.

Date: 13-9-1976

(1) Smt. Puspa Devi Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deokinandan Dhalia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1976

Ref. No. TR-256/C-253/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calculta on 21-1-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of the 4th floor Western Bay area 1980 sqft. at 27B, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-9-1976

(1) Shri Arvind Kumar Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deokinandan Dhalia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1976

Ref. No. TR-262/C-247/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76, for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesald property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of the 4th floor Western Bay area 1980 sqft, at premises No. 27B, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1976

FORM ITNS----

(1) Smt. Saraswati Devi Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deokinandan Dhalia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1976

Ref. No. TR-250/C-259/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of the 4th floor Western Bay area 1980 sqft, at 27B, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-9-1976

FORM ITNS ---

(1) Shri Benoy Kumar Gocnka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deokinandan Dhalia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1976

Ref. No. TR-253/C-254/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of the 4th floor Western Bay area 1980 sqft. at 27B, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-9-1976

(1) Smt. Sumitra Devi Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deokinandan Dhalia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1976

Ref. No. TR-257/C-252/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of the 4th floor Western Bay area 1980 sqft. at 27B, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 10-9-1976

(1) Smt. Saraswati Debi Goenka

(2) Shri Govind Prasad Dhalia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1976

Ref. No. TR-249/C-258/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferee)

Minor, represented by father Deokinandan Dhalia.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1/6th undivided share of 4th floor Eastern Bay area 1980 sqft. at 27B, Camae Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-9-1976

FORM ITNS ---

(1) Shri Benoy Kumar Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th September 1976

Ref. No. TR-252/C-257/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Govind Prasad Dhalia
Minor, represented by father Deokinandan Dhalia.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of 4th floor, Eastern Bay area 1980 sqft. at 27B, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Abmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Date: 10-9-1976

(1) Smt. Puspa Debi Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1976

Ref. No. TR-251/C-260/Cal-1/75-76,—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

- 5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

26-256GI/76

(2) Shri Govind Prasad Dhalia Minor, represented by father Deokinandan Dhalia. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of 4th floor, Eastern Bay area 1980 sqft, at 27B, Camac Street, Calcutta.

> S. K. CHAKRAVARTY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-9-1976

(1) Shri Arbind Kumar Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1976

Ref. No. TR-256/C-255/CAL-1/75-76.—Whereas, J. S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27B, situated at Camae Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

5, Government Place North, Calcutta on 21-1-76, for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Govind Prasad Dhalia Minor, represented by father Deokinandan Dhalia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of 4th floor Eastern Bays area, 1980 sq. ft. at premises No. 27B, Camae Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

1

Date: 13-9-1976

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th September 1976

Ref. No. TR-255/C-256/CAL-1/75-76.—Wherea, I, S, K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27B, situated at Camac Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Government Place North, Calcutta on 21-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitra Devi Goenka

(Transferor)

(2) Shri Govind Prasad Dhalia Minor, represented by father Dookinandan Dhalia. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of 4th floor Eastern Bay area 1980 sqft. at No. 27B, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangerI,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-9-1976

(1) Smt. Babibai Rajaram Patil, Eksar, Borivli (West), Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III,

SMT. K. G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 1st September 1976

Ref. No. AR/III/966/Jan./76.—Whereas, 1, R. G. NERURKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 99, Hissa No. 5 situated at Eksar, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Sub Registrar's Office Bombay on 15-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabillty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(2) (1) Shri Ratilal M. Patel

(2) Shri Lallubhai B. Patel (3) Shri Dhirajlal B Gala

- Shri Dahyalal M. Mehta
- (5) Shri Kaluchand H. Shah
- ShriMulchand K. Ranka Shri Jethmal H. Ranka
- Shri Babulal P. Jain Shri Vasant D. Gala, Ismail Baug, Anand Road, Malad (West), Bombay-64.

(Transferce)

(4) Purchasers. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Eksar formerly within Borivli Taluka but now within Greater Bombay in the Registration Sub-District, bearing Survey No. 99, Hissa No. 5, admeasuring about 2 Acres and 1 3/4 Gunthas or 9891 sq. yards or 8259 sq. metres and bounded On or towards North partly by plot bearing Survey No. 99, Hissa No. 1 belonging to Warnen Guntar Registered. No. 99, Hissa No. 1, belonging to Waman Ganpat Patil and partly by land bearing S. No. 99, H. No. 4, belonging to Govind Narayan Kini. On or towards South and West by Plot bearing S. No. 95, belonging to Narayan Odaji Samant. On or towards the East by Land bearing S. No. 99, H. No. 3, belonging to Vishnu Damodar Thaker and partly by land belonging to L.I.C. known as Vallabhnagar and bearing S. No. 98. (1/6th share).

R. G. NERURKAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 1-9-1976

(1) Shri Anubai Kashinath Mhatre, Eksar, Borivli (West), Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III SMT. K. G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 1st September 1976

Ref. No. AR/III/967/Jan/76.—Whereas, I, R. G. NERURKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 99, Hissa No. 5 situated at Eksar, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sub Registrar's Office Bombay on 15-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) (1) Shri Ratilal M. Patel

(2) Shri Lallubhai B. Patel

(3) Shri Dhirajlal B. Gala

(4) Shri Dahyalal M. Mehta(5) Shri Kaluchand H. Shah

(6) Shri Mulchand K. Ranka (7) Shri Jethmal H. Ranka

(8) Shri Babulal P. Jain (9)Shri Panachand V. Gala

(10) Shri Vasant D. Gala.

Ismail Baug, Anand Road, Malad (West), Bombay-64.

(Transferee)

(4) Purchasers.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Eksar formerly within Borivli Taluka but now and being at Eksar formerly within Borivil Taluka but now within Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Subarban, bearing Survey No. 99, Hissa No. 5, admeasuring about 2 Acres and 13 Gunthas or 9891 sq. yds or 8259 sq. metres and bounded on or towards North partly by plot bearing Survey No. 99, Hissa No. 1, belonging to Waman Ganpat Patil and partly by land bearing S. No. 99, H. No. 4, belonging to Govind Narayan Kini. On or towards South and West by Plot bearing S. No. 95, belonging to Narayan Oadaji Samant. On or towards the East by Land bearing S. No. 99, H. No. 3. belonging to Vishnu Damodar Thaker and partly by land belonging to L.I.C. known as Vallabhnagar and bearing S. No. 98. (1/6th share).

> R. G. NERURKAR, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 1-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

SMT. K. G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 1st September 1976

Ref. No. AR/iII/968/Jan/76.--Whereas, I, R. G. NERURKAR,

the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 99, Hissa No. 5 situated at Eksar, Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub Registrar's Office Bombay on 15-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jamunabai Laxman Patil, Eksar, Borivli (West), Bombay.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ratilal M. Patel (2) Shri Lallubhai B. Patel

(2) Shri Lallubhat B. Patel (3) Shri Shri Dhirailal B. Gala

(4) Shri Dahyalal M. Mehta

(5) Shri Kaluchand H. Shah

(6) Shri Mulchand K. Ranka(7) Shri Jethmal H. Ranka

(8) Shri Babulal P. Jain

(9) Shri Vasant D. Gala, Ismail Baug, Anand Road, Malad (West), Bombay-64.

(Transferee)

(4) Purchasers.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lyi and being at Eksar formerly within Borivli Taluka but no within Greater Bombay in the Registration Sub-Distr of Bandra District Bombay Suburban, bearing Survey N 99, Hissa No. 5, admeasuring about 2 Acres and 13 Gunth or 9891 sq. yds. or 8259 sq. metres and bounded. On a towards North partly by plot bearing Survey No. 9. Hissa No. 1, belonging to Waman Ganpat Patil and partly by land bearing S. No. 99, H. No. 4, belonging to Govin Narayan Kini. On or towards South and West by Plot bearing S. No. 95, belonging to Narayan Dadaji Samant. On of towards the East by Land bearing S. No. 99, H. No. 3 belonging to Vishnu Damodar Thaker and partly by lambelonging to Vishnu Damodar Thaker and partly by lambelonging to L.I.C. known as Vallabhnagar and bearin S. No. 98. (1/6th share).

R. G. NERURKAF
Competent Author.
Inspecting Assistant Commissioner of Incometa.
Acquisition Range-III, Bomba

Date: 1-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III SMT, K. G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 1st September 1976

Řef. No. AR/III/969/Jan/76.—Whereas, I. R. G. NERURKÁR,

the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 99, Hissa No. 5 situated at Eksar, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Tas been transferred under the

egistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the egistering Officer at

ib Registrar's Office Bombay on 15-1-1976

t an apparent consideration which is less than the fair market 'ue of the aforesaid property and I have reason to believe t the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefore by more than fifteen pert of such apparent consideration and that the consideration such transfer as agreed to between the parties has not been y stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act to the following 'son4, namely :---

1. (1) Waman Hari Mhatre, (2) Shri Tulsibai Waman Mhatre, Eksar, Borivli (West), Bombay.

(Transferor)

2. (1) Shri Ratilal M. Patel

- (2) Shri Lallubhai B. Patel(3) Shri Shri Dhirajlal B. Gala
- Shri Dahyalal M. Mehta Shri Kaluchand H. Shah (4)
- (5)
- Shri Mulchand K. Ranka Shri Jethmal H. Ranka (6)(7)

Shri Babulal P. Jain Shri Vasant D. Gala,

Ismail Baug, Anand Road, Malad (West), Bombay-64.

(Transferee)

(4) Purchasers. (person whom the undersigned knows to be inferested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Eksar formerly within Borivli Taluka but now within Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandara, District Bombay Suburban, bearing Survey No. 99, Hissa No. 5, admeasuring about 2 Acres and 11 Gunthas or 9891 sq. yds, or 8259 sq. metres and bounded.
On or towards North partly by plot bearing Survey No. 99,
Hissa No. 1, belonging to Waman Ganpat Patil and partly
by land bearing S. No. 99, H. No. 4, belonging to Govind
Narayan Kini. On or towards South and West by Plot bearing S. No. 95 Narayan Kini. On or towards South and West by Plot bearing S. No. 95, belonging to Narayan Dadaji Samant. On or towards the East by Land bearing S. No. 99, H. No. 3, belonging to Vishnu Damodar Thaker and partly by land belonging to L.I.C. known as Vallabhnagar and bearing S. No. 98. (1/6th share).

> R. G. NERURKAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 1-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
SMT. K. G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 7th September 1976

Ref. No. AR/III/985/Jan/76.—Whereas, I, R. G. NERURKAR,

the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason' to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 8 (part), 111 (part), C.T.S. No. 488 (1 to 28 Tika No. 62, situated at Eksar Pahady, Gorcgaon (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar's Office Bombay on 22-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Harilal Gordhandas Sonawalla, Sonawalla Building,
 Marine Drive, Bombay-20.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Ramchand K. Sagar, C/o. Sardar Bachan Singh, Sardar Bachansingh Chawl, Block No. 12, Sonawala Main Road, Goregaon (East), Bomabay-63.
 - (2) Shri Ramesh Amrutlal Mehta, Vidya Building, 1st Floor, Plot No. 1, S. V. Road, Kandivli (West), Bombay-67.

(3) Shri Jagdish Ramkrishan Mehta, 127, Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62.

(4) Shri Mahendrakumar Himatmal Parmar, A-7, Navjivan Co-op. Hsg. Sec., 5th Floor, Block No. 18, Lamington Road, Bombay-8.

(Transferec)

- (3) Property is in possession of the Tenants.

 (person in occupation of the property)
- (4) Transferees. (Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground at Sonawala Road in Sonawala Estate, Goregaon (East) in the village of Eksar Pahady also known as Pahady now in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 10549 sq. yds. (equal to 8820 sq. metres) or thereabouts together with the building or structure standing thereon and bearing Survey No. 8 (part) 111 (part) C.T.S. No. 488 (1 to 28) Tikka No. 62 Pahadi Goregaon and bounded as follows:—

That is to say On or towards the East by a public road, On or towards the West by property of Western Railway. On or towards the North by S. No. 111 (part) and on or towards the South by S. No. 111 (part).

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7th September 1976

FORM ITN'S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III

SMT, K, G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING NETAIL SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 1st September 1976

Ref. No. AR/Jil/990/Jan/76.—Whereas, I, R. NERURKAR,

the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bembay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 99 Hissa No. 5, situated at Eksar, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Bombay on 16-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

27-256GI/76

(1) (1) Shri Bhaurao Hari Mhatre

- Smt. Maltibai Bhaurao Mhatre
- Shri Hemant Bhaurao Mhatre (4) Shri Pradip Bhaurao Mhatre
- Shri Arvind Bhaurao Mhatre, Eksar, Borivli (West), Bombay.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ratilal M. Patel

- Shri Lallubhai B. Patel Shri Dhirajial B. Gala
- (3) (4)
- Shri Dahyalal M. Mehta
- Shri Kaluchand H. Shah
- Shri Mulchand K. Runka Shri Jethmal K. Ranka
- Shri Babulal P. Jain
- Shri Panachand V. Gala Shri Vasant D. Gala,

Ismail Baug, Anand Road, Malad (West), Bombay-64.

(Transferce)

(4) Purchasers

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Eksar formerly within Borivli Taluka but now and being at Essar formerly within Borivi tatura but now within Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban, bearing Survey No. 99, Hissa No. 5, admeasuring about 2 Acres and 1 3/4 Gunthas or 9891 sq. yards or 8259 sq. metres and bounded On or towards North partly by plot bearing Survey No. 99 Hissa No. 1, belonging to Waman Gunpat Patil and partly by land bearing S. No. 99, H. No. 4, belonging to Govind Narayan Kini. On or towards South and West by plot bearing S. No. 95 belonging to Narayan Dadaii Samant. On or towards the 95, belonging to Narayan Dadaji Samant. On or towards the East by land bearing S. No. 99, H. No. 3, belonging to Vishnu Domodar Thaker and partly by land belonging to L.I.C. known as Vallabhuagar and bearing S. No. 98. (1/6th share).

> R. G. NERURKAR, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 1-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III SMT. K. G. M. P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 1st September 1976

Ref. No. AR/III/991/Jan.76.—Whereas, I, R. G. NERURKAR.

the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Survey No. 99, Hissa No. 5, situated at Eksar, Borvli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Bombay on 16-1-1976,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Shri Hiraji Hari Mhatre
 - (2) Shri Jankibai Hiraji Mhatre(3) Shri Haresh Hiraji Mhatre

 - (4) Shri Rekha Hiraji Mhatro Shri Pratibha Hira Mhatre
 - (6) Shri Nanda Hiraji Mhatre, Eksar, Borivli (West), Bombay.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Ratilal M. Patel
 - Shri Lallubhai B. Patel Shri Dhirajlal B. Gala
 - (4) Shri Dabyalal M. Mehta

 - (5) Shri Kaluchand H. Shah (6) Shri Mulchand K. Ranka (7) Shri Jethmal K. Ranka (8) Shri Babulal P. Jain

 - Shri Panachand V. Gala (10)
 - Shri Vasant D. Gala, Ismail Bang, Anand Road, Malad (West). Bombay-64.

(Transferce)

(4) Purchasers

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-perty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Eksar formerly within Borivli Taluka but now within Greater Bombay in the Registration Sub-District of Within Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban, bearing Survey No. 99, Hissa No. 5, admeasuring about 2 Acres and 1 3/4 Gunthas or 9891 sq. yards or 8259 sq. metres and bounded On or towards North partly by plot bearing Survey No. 99, Hissa No. 1, belonging to Waman Gunpat Patil and partly by land bearing S. No. 99, H. No. 4, belonging to Govind Narayan Kini. On or towards South and West by plot bearing S. No. 95. belonging to Narayan Dadaii Samant. On or towards the 95, belonging to Narayan Dadaji Samant. On or towards the East by land bearing S. No. 99, H. No. 3, belonging to Vishnu Damodar Thaker and partly by land belonging to I..I.C. known as Vallabhnagar and bearing S. No. 98. (1/6th share).

> R. G. NERURKAR, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Pombay

Date: 1-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AYURVED HOSPITAL BUILDING NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 2nd September 1976

Ref. No. AR-1/1492-6/Jan/76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-1, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 7261, C. S. No. 127 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Walkeshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 15-1-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Pravinchandra Dwarkadas.

(Transferor)

(2) Pamir Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

- (3) (1) Shri Madhukant No. Shah.
 (2) Shri Harjiyandas B. Sagar and Smt. Indiraben H. Sagar.
 - (3) Shri Babulal M. Jaju.

- (4) Shri Popatlal M. Shah and Shri Vasantlal P. Shah.
- (5) Shri Balubhai Mohanal
- (6) Chei Manialahan Japantii
- (6) Shri Manjulaben Jayantilal and Shri Jayatilal K. Vora.
- (7) Smt. Hiralaxmi J. Mody.
- (8) Shri Chandulal M. Gandhi.
- (9) Shri Jayendra Dhirajlal.
- (10) Smt. Padmavati Dhirajlal. (11) Shri Mahesh D. Jhaveri.
- (12) Smt. Mangalagauri Dwarkadas.
- (13) Shri Dilipkumar D. Dalal.
- (14) Shri Chandrakant G. Patel.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of freehold land with the messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Walkeshwar in the Island and Registration Sub-District of Bombay and containing by recent admicasurement four hundred and ten square yards i.e. equivalent to 342.80 square meters or thereabouts be the same a little more or less and registered by the Collector of Land Revenue under Old No. 39 and New Survey No. 7261 and bearing Cadastral Survey No. 127 of Malabar Hill Division and assessed by the Municipality under D Ward No. 3120 Street No. 258-60 Walkeshwar Road, and bounded on or towards the North-West by the property of Mathuram Ramnarain Private Ltd., on or towards the North-Hast by the property of Kubalia Raj and Mrs. Narbadabai Keshawji, on or towards the West by the Nawi Chawal, and on or towards the South by the property known as Ganga Niwas of the Trustees—Mrs. Mangalagavri Dwarkadas and others and on or towards the East by Walkeshwar Road.

V. R. AMIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 2nd September 1976

(1) Vecua Investments Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AYURVEDIK COLLEGE BUILDING NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 10th September 1976

Ref. No. AR-I/1507-11/Jan/76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS No. 940 A Ward No. 2360 Fort Division situated at Dr. D. N. Road, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 28-1-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom**e** or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(2) Gaylani Constructions Co. Private Limited.

(1) Dr. S. B. Shirviakar(2) Shri John Solomon

(3) Shri Kasturilal A, Bhatia
(4) Shri Arun D. Bhatia
(5) Shri Jehangir D. Banji

(6) Silver Jubilce Club

(7) Shri Taher Tayeb Soni(8) Shri Jamil Ahmed

(9) Shri Arshad Hussian (10) Smt. Anvari Alim and Shri Vali.

(Transferee)

As at serial No. 2. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All THAT Piece or parcel of land or ground or freehold tenure situate at Dr. Dedabhoy Nowroji Road, in the City of Bombay Together with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon known as "Davar House" containing by admeasurement 156 square vards equivalent to 130.43 square metres or thereabouts and situated within the registrance. tion Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and being Cadastral Survey No. 940 of Fort Division and Municipal A Ward No. 2360, Street Nos. 197-198.

> V. R. AMIN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Bombay.

Date: 10th September 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 13th Sep ... mber 1976

Notice No. 141/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASI-MHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 1977 situated at Ganpat Galli, Belgaum (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Belgaum under Document No. 3227 on 3-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of uch apparent consideration and that the consideration such transfer as agreed to between the parties has not an truly stated in the said instrument of transfer with the lect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

ow, therefore in pursuance of Section 269C of the said it. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act to the llowing persons, namely:—

- Shri Keshav Hanumanth Jamkhandi, Clerk in D.S.P. Offlee, Belgaum.
 - (2) Shri Anand Keshav Jamkhandı, Clerk in P & T Department, Belgaum.
 - (3) Shri Srinivas Keshav Jamkhandi, Belgaum.
 - (4) Shri Venkatesh Keshav Jamkhandi, All are residing at Mahadev Galli, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Ramachandra Hanumanth Jadhav, C/o M/s. Ramchandra Hanumanth Jadhav, Book Sellers and Publishers, Ganpath Galli, Belgaum.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop, godown and open space measuring 156 square yards, situated at Ganpat Galli, Belgaum under survey number 1977.

S. NARASIMHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 13-9-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 13th September 1976

Notice No. 140/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASI-MHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Register 20781 (Panaji) situated at Goa Velha, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Panaji, under Document Number 15 on 6-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Philip Custodio Lobo and his wife Mrs. Maria Palmira Marcelina Lobo, Residents of Siolim, Bardex (Goa).

(Transferors)

(2) Shri Dashrath Yeshwant Sawant, Verem, Reis Magos, Bardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the can immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein a are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

lammovable property consisting of coconut grove will residential house with servants' quarters and knows "Onlichem Bhat" and also known as "Fragoso Bhat" situat Goa Velha, sub-district of ILHAS (Goa) and bounded by

On the East: By a piece of land owned by Krishna Sinai and now by S. J. Kamat Sankwalkar;

On the West: Paddy field owned by the communidade of Goa' Velha;

On the North: The Northern half of the remaining relationship of land of 'Onlichembhat';

On the South: The public Road-Agasim-Panaji Road.

S. NARASIME. Competent Author

Inspecting Assistant Commissioner of Income-ti-

Acquisition Range, Dharet

Date: 13-9-1976 Seal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, BELHI, 1976